राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 234

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

'विराटमय' हुआ स्टेडियम, दिग्गज क्रिकेटर को देखने उमड़े प्रशंसक

>> 12

संपादकीय

वैचारिक संघर्ष की दशा-दिशा: वामपंथी विचारधारा खुद को भारतीय परिवेश में

प्रस्तुत नहीं कर सकी तो संघ ने सामाजिक समावेश, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के जरिये बढ़त बनाई। **राहुल वर्मा** का दृष्टिकोण।

भारत के भविष्य को आकार देने की पहल: भारत की ऊर्जा जरूरतों से लेकर खाद्य सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन एक दूरदर्शी कदम है। **जी. किशन रेड्डी** का आलेख। ● पेज 8

विमर्श

रील की चकाचौंध के बीच रियल दुनिया : प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की इन दिनों व्यापक चर्चा है। देश-दुनिया से इसे डिजिटल कुंभ की संज्ञा भी दी जा रही है। डा. **संजय वर्मा** का आलेख।

सियासी उथल-पुथल में बढ़ी स्वीकार्यता: यह संयोग ही है कि आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के एक वर्ष पूरे हो रहे हैं। ईडी ने जब उन्हें गिरफ्तार किया था तो उस समय राज्य में सियासी उथल-पुथल का दौर आरंभ हुआ। **प्रदीप सिंह** की डायरी। ● पेज-9

सप्तरंग

मनोरंजन की दुनिया का प्यार की बातें करेंगे

आलिया से लूंगी तीन चीजें : अविका गौर

● पेज- 13

जागरण विशेष

प्रोटीन संरचना को सुलझा कर घातक रोगों का उपचार

कानपुर: आइआइटी के विज्ञानियों के शोध से मानव शरीर में प्रोटीन के रूप, आकार, संरचना का निर्धारण करने वाले अमीनो एसिड की अंत:क्रिया से होने वाली गड़बड़ियों को रोकने की राह खोल दी है। ● पेज-14

इंग्लिश चुनौती

आज का मैच (चौथा टी-20)

भारत vs इंग्लैंड	स्थान
शाम 7:00 बजे	पुणे

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

अमेरिका मे सैन्य हेलीकाप्टर से टकराया विमान, 67 की मौत

नई दिल्ली : व्हाइट हाउस से पांच किलोमीटर दूर अमेरिकन एयरलाइंस का जेट सीआरजे-700 सेना के ब्लैक हाक हेलीकाप्टर से हवा में टकरा गया। यह दुर्घटना भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 7.18 बजे हुई। बीते 24 वर्षों में हुए सबसे बड़े अमेरिकी विमान हादसे में चार क्रू सदस्यों समेत इनमें सवार सभी 67 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे से लगी बेहद ठंडी पोटोमैक नदी में दोनों विमानों का मलबा व सवारियां गिर गईं। लेकिन किसी को भी बचाया नहीं जा सका। (पेज-11)

गोलमोल नहीं, पानी में जहर मिलाने पर सीधा जवाब दें केजरीवाल : चुनाव आयोग

जवाब से असंतुष्ट आयोग ने फिर दिया नोटिस, पांच बिंदुओं पर मांगे सीधे जवाब

जवाब के लिए आज सुबह 11 बजे तक का दिया समय, आरोप प्रमाणित नहीं किए तो होगा कार्रवाई पर फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

हरियाणा पर यमुना के पानी में जहर मिलाकर नरसंहार की मंशा का आरोप लगाने वाले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के जवाब से असंतुष्ट चुनाव आयोग ने गुरुवार को उन्हें फिर नोटिस दिया है। आयोग ने उन्हें 31 जनवरी की सुबह 11 बजे तक पांच बिंदुओं पर सीधे जवाब देने का निर्देश देते हुए कहा है कि अमोनिया की बढ़ी हुई मात्रा जैसे मुद्दों को इसमें न शामिल करें। जहर मिलाने के जो आरोप लगाए हैं, उसी का जवाब दें।

बुधवार शाम केजरीवाल ने आयोग के पहले नोटिस के जवाब में अलग-अलग डाटा के साथ यह बताया था कि यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ी हुई है जो हानिकारक है। आयोग ने कहा कि केजरीवाल को सीधे तौर पर पांच बिंदुओं पर जवाब देना होगा। आयोग ने दिल्ली और हरियाणा के बीच यमुना जल विवाद में शामिल होने से इन्कार करते हुए कहा कि वह इस मामले को सरकारों के अधिकार क्षेत्र पर छोड़ता है।

सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल का यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा-196 (लोगों में शत्रुता फैलाना), धारा-197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक आरोप) और धारा-353 (जनता को गुमराह करना) के तहत कार्रवाई हो सकती है। इनमें उन्हें तीन वर्ष तक की जेल हो सकती है। इसके अलावा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-123(4) के तहत भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें उन्हें चुनाव प्रचार करने से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

आयोग के केजरीवाल से सवाल

- हरियाणा सरकार की तरफ से यमुना के पानी में किस तरह का जहर मिलाया गया है।
- इसका सुबूत दें कि किस मात्रा में कौन-सा जहर मिलाया गया है। किस तरह से इसका पता लगाया गया कि इससे नरसंहार हो सकता है।
- किस स्थान पर पानी में जहर पाया गया।
- जल बोर्ड के किस इंजीनियर ने जहर होने की पहचान की। कहां और कैसे पता लगाया, यह भी बताएं।
- जिस इंजीनियर को दिल्ली में ऐसे जहरीले पानी को रोकने के लिए लगाया गया था, उसने किस तरह काम किया।

... तो चुनाव लड़ लें मुख्य चुनाव आयुक्त : केजरीवाल

नई दिल्ली, राज्य ब्यूरो

यमुना के जहरीले पानी के आरोप मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार पर खूब बरसे। उन्होंने न सिर्फ सीईसी पर राजनीति करने का आरोप लगाया, बल्कि उन्हें दिल्ली की किसी सीट से चुनाव लड़ने की चुनौती तक दे डाली। यह भी कहा कि राजीव कुमार सेवानिवृत्त होने के बाद अपने लिए नौकरी तलाश रहे हैं, इसलिए वह राजनीति कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि हमारे पास यमुना जल की 20 बोतलें हैं। ये हमने अमित शाह, नायब सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के लिए मंगवाई हैं। तीन बोतल चुनाव आयुक्त को भी भेज दूंगा, वे इसे पीकर दिखाएं। मैं राजीव कुमार से कहना चाहता हूं कि इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

गुरुवार को नई दिल्ली में प्रेस कान्फ्रेंस करते अरविंद केजरीवाल। एएनआइ

चुनाव आयोग को जितना बर्बाद उन्होंने किया है, उतना किसी ने नहीं किया। हमें धमकी दी जा रही है। जेल में डालने की बात कही जा रही है। लेकिन मैं जब तक जिंदा हूं, दिल्ली के लोगों को जहरीला पानी नहीं पिलाने दूंगा। मैं धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। ये लोग किसी से नोटिस दिलवा रहे हैं, किसी से चिट्ठी भिजवा रहे हैं।

सालभर के भीतर भारत के पास होगा डीपसीक से भी बेहतर एआइ माडल

▸ आइटी मंत्री वैष्णव ने कहा- छह कंपनियां सरकार की मदद से माडल डेवलप करने में जुटीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इलेक्ट्रानिक्स एवं आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि अगले 8-10 महीनों में भारत का अपना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) फाउंडेशनल माडल तैयार हो जाएगा। यह एआइ माडल भारत की सुरक्षा, भाषा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है और इसे वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराया जाएगा। भारतीय एआइ माडल चीन के डीपसीक एआइ माडल से अधिक उन्नत होगा, क्योंकि डीपसीक 2000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) पर आधारित है, जबकि भारत का माडल 15,000 से अधिक जीपीयू पर विकसित हो रहा है। अमेरिका का चैट जीपीटी 25,000 जीपीयू पर आधारित है।

सरकार की मदद से छह कंपनियां वर्तमान में भारतीय एआइ माडल विकसित करने में लगी हुई हैं। इसके अलावा, सरकार ने अन्य स्टार्टअप और संस्थाओं से भी इस दिशा में प्रस्ताव मांगे हैं। एआइ माडल विकसित करने के लिए सबसे जरूरी कंप्यूटिंग की सुविधा होती है और सरकार सभी के लिए कामन कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। कोई भी संस्था या स्टार्टअप मामूली शुल्क देकर इस सुविधा का लाभ उठा सकेगा, जिसमें सरकार 40 प्रतिशत की सब्सिडी भी प्रदान करेगी। कामन कंप्यूटिंग सुविधा के लिए फ्रेमवर्क तैयार कर लिया गया है और यह जल्द ही सभी के लिए उपलब्ध होगा।

इंडिया एआइ मिशन के तहत विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए एआइ एप्लिकेशन विकसित करने के प्रस्ताव भी आमंत्रित किए जा रहे हैं। फिलहाल, कृषि, जलवायु परिवर्तन और शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों के हल के लिए एआइ एप्लिकेशन विकसित करने हेतु 18 आवेदकों को वित्तीय सहायता देने की मंजूरी प्रदान की गई है।

अश्विनी वैष्णव। फाइल

सभी के लिए कामन कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, 40% सब्सिडी भी मिलेगी

एआइ माडल के विकास में भारत समय पर

वैष्णव ने कहा कि भारत एआइ माडल के विकास में कहीं से भी पीछे नहीं है और हम समय पर हैं। कंप्यूटिंग सुविधा एक गंभीर मुद्दा है। वैसे पिछले साल मार्च में इंडिया एआइ मिशन को मंजूरी दी गई थी। इसके लिए 10,371 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। तीन दिन पहले चीन के एआइ माडल डीपसीक के लांच के बाद भारत के पिछड़ने की बात कही जा रही थी, लेकिन वैष्णव ने इसे खारिज किया।

अपने सर्वर पर डीपसीक का मूल्यांकन करेगा भारत पेज>>3

बजट के बाद से हंगामेदार रहेगा संसद सत्र

संसद के बजट सत्र से पहले गुरुवार को नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा एल मुरुगन, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी व जयराम रमेश, सपा नेता रामगोपाल यादव एवं अन्य। एएनआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ आज राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू होगा बजट सत्र

▸ अभिभाषण के बाद सरकार पेश करेगी आर्थिक सर्वेक्षण

▸ शनिवार को वित्त मंत्री पेश करेंगी अगले वित्त वर्ष का बजट

▸ महाकुंभ समेत कई मुद्दों पर आक्रामक रहेगा विपक्ष

संसद का 31 जनवरी से शुरू हो रहा बजट सत्र काफी हंगामेदार हो सकता है। खासकर बजट के बाद सत्र हंगामेदार रहेगा। इसके संकेत गुरुवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में देखने को मिले हैं। सत्र की शुरुआत से ठीक पहले प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर विपक्षी दलों का साफ तौर पर कहना है कि इस पर सरकार को चर्चा करानी चाहिए। हालांकि सरकार ने बैठक में साफ किया है कि यह राज्य का विषय है और वह इसको देख रही है। बावजूद इसके विपक्ष ने जब बार-बार महाकुंभ की अव्यवस्थाओं पर चर्चा की मांग की, तो सरकार ने कहा कि इसका निर्धारण कार्यमंत्रणा समिति करेगी।

बजट सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण से होगी। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण 2025 पेश करेंगी। देश की अर्थव्यवस्था की दशा व दिशा बताने वाला यह महत्वपूर्ण प्रपत्र होता है। राष्ट्रपति का अभिभाषण और आर्थिक सर्वेक्षण के एक दिन बाद पेश किए जाने वाले आम बजट को लेकर कुछ महत्वपूर्ण संकेतक भी देते हैं। शनिवार (एक फरवरी) को सीतारमण आम बजट 2025-26 पेश करेंगी। माना जा रहा है कि इसमें देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती को दूर करने के साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था में मांग व रोजगार को बढ़ाने वाले उपायों पर खास जोर होगा।

बजट सत्र में कुल 16 विधेयक पेश करेगी सरकार पेज>>3

कांग्रेस ने की दलितों,पिछड़ों की अनदेखी : राहुल

▸ दलितों के एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता ने स्वीकारी हकीकत

▸ कांग्रेस का मूल आधार वापस आ गया तो भाजपा-आरएसएस भाग जाएंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि पिछली सदी के आखिरी दशक में कांग्रेस पार्टी ने दलितों और पिछड़ों के हितों की अनदेखी करते हुए उस तरह उनकी रक्षा नहीं की, जैसी इसे करनी चाहिए थी। राजधानी में दलित इंफ्लूएंसर्स द्वारा आयोजित 'वंचित समाज : दशा और दिशा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि दलितों-पिछड़ों को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलने से कुछ नहीं होगा, जब तक उन्हें संस्थानों और दौलत में भागीदारी नहीं मिलती तब तक उनकी परेशानियां दूर नहीं होंगी।

उन्होंने कहा, 'एक बार कांग्रेस पार्टी का मूल आधार वापस आ गया, तब भाजपा और आरएसएस के पास भागने के सिवाय कोई चारा नहीं होगा। यह बहुत जल्द होने वाला है। इंदिरा गांधी के शासनकाल में कांग्रेस के पास दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों का पूर्ण समर्थन था, लेकिन पिछली सदी के आखिरी दशक में कुछ कमियां रह गईं और हकीकत पार्टी से छिपी नहीं है। पार्टी को इस सच्चाई को स्वीकारना होगा। पिछले 10-15 साल में कांग्रेस ने वो नहीं किया जो इसे (दलितों, पिछड़ों के लिए) करना चाहिए था। अगर कांग्रेस पार्टी ने दलितों-पिछड़ों की सहायता करने के साथ उनका भरोसा बनाए रखा होता तो आरएसएस सत्ता में कभी आ ही नहीं सकता था।'

उन्होंने कहा, 'आपकी तरह के लोगों को जोड़कर कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक आंदोलन करना होगा। जिस दिन हम एक हो जाएंगे, वो भाग जाएंगे। हमें दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को सुनना होगा और उन्हें आगे लाना होगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा करने में कुछ साल लग जाएंगे। आप राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात करते हैं और कांशीराम ने इसके लिए संघर्ष किया था। चाहे शिक्षा हो या कारपोरेट, न्यायपालिका, हमें संस्थानों में सत्ता में हिस्सेदारी लेनी होगा। जब तक दलितों-पिछड़ों को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिलती, परेशानी कभी खत्म नहीं होगी। फिलहाल कोई नियंत्रण नहीं है।'

राहुल गांधी। फाइल

नौसेना को जल्द मिल सकते हैं 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान

नई दिल्ली : नौसेना को 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान जल्द मिल सकते हैं। नौसैनिक ताकत को और बढ़ाने के लिए नौसैनिक वर्जन के 26 राफेल लड़ाकू विमान और तीन स्कार्पीन पनडुब्बियों की खरीद के लिए भारत अगले कुछ हफ्तों में फ्रांस के साथ करार कर सकता है। (पेज-3)

इस साल गर्मी में राहत दे सकता है ला-नीना

नई दिल्ली : मध्य एवं पूर्वी प्रशांत महासागर में ला-नीना की स्थिति बन गई है। कहा जा रहा कि यह अप्रैल तक सक्रिय रह सकता है। ला-नीना के दौरान प्रशांत महासागर की सतह का तापमान माइनस 0.5 डिग्री तक कम हो जाता है। इससे भारत में वर्षा अधिक होती है। (पेज-5)

दुष्कर्म आरोपित सीतापुर के कांग्रेस सांसद गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, सीतापुर

▸ सांसद राकेश राठौर अपने आवास पर कर रहे थे पत्रकारों से बातचीत

▸ 17 जनवरी को पीड़ित महिला ने दर्ज कराई थी एफआइआर

दुष्कर्म आरोपित कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को पुलिस ने गुरुवार को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया, जब वह अपने आवास पर पत्रकार वार्ता कर रहे थे। सीतापुर से सांसद राठौर के विरुद्ध 17 जनवरी को एक महिला ने शादी व राजनीति में भविष्य बनाने का झांसा देकर चार वर्षों तक शारीरिक शोषण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए सांसद ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी, जो बुधवार को खारिज हो गई। सांसद को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें जिला कारागार भेज दिया।

सीतापुर में सांसद राकेश राठौर को उनके आवास से हिरासत में लेकर जाते नगर कोतवाल अनूप शुक्ल। जागरण

सांसद के विरुद्ध प्रार्थना-पत्र लेकर नगर कोतवाली पहुंची महिला ने आरोपों से से संबंधित इलेक्ट्रानिक साक्ष्य भी पुलिस को दिए। उसके बाद पुलिस ने 17 जनवरी को सांसद के खिलाफ मुकदमा लिखा था। इसके बाद दो बार बुलावा नोटिस भेजा, लेकिन सांसद बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचे थे। ऐसे में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी हो गया।

सांसद के अधिवक्ता ने शुक्रवार को जिला जज की अदालत में जमानत याचिका दाखिल के लिए तैयारी शुरू कर दी है। नगर कोतवाल अनूप शुक्ल ने बताया कि मुकदमे की विवेचना जारी है। साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं।

पूर्व सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन पर सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती

नई दिल्ली : सेवानिवृत्त सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि पूर्व सैनिकों को शीर्ष अदालत में घसीटने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या आप नीति बनाने को तैयार हैं? अगर नीति बनाने को तैयार नहीं हैं तो हमें जब भी लगेगा कि अपील निरर्थक है तो हम भारी जुर्माना लगाना शुरू करेंगे। (पेज-3)

महाकुंभ मेले में एक नहीं, तीन स्थानों पर हुई थी भगदड़!

महाकुंभ नगर : महाकुंभ मेले में एक नहीं, बल्कि तीन स्थानों पर भगदड़ हुई थी। संगम तट के अलावा सेक्टर 18 में ओल्ड जीटी रोड पर और सेक्टर 21 में उल्टा किला झूंसी के पास। सेक्टर 21 में हुई भगदड़ से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हैं, लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौन साधे हुए हैं। (पेज-6)

फिटनेस मंत्र

अब 'स्वस्थ भारत' बन सकता है मोदी का मिशन

भारतीयों में बढ़ते मोटापे को लेकर लगातार चिंता जता रहे हैं पीएम, संयमित और संतुलित जीवनशैली पर दिया प्रधानमंत्री ने जोर, खाद्य तेल का उपभोग 10 प्रतिशत घटाने की दी सलाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से स्वच्छता को एक सामाजिक दायित्व बना दिया, उसी प्रकार अब वह व्यक्तिगत स्वास्थ्य को भी राष्ट्रीय प्राथमिकता में शामिल करने के लिए प्रयासरत हैं। भारतीयों में बढ़ते मोटापे को कई बीमारियों का कारण बताते हुए प्रधानमंत्री ने बार-बार खाद्य तेल के दैनिक उपभोग में 10% की कमी का सुझाव दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस विषय पर उनका विशेषज्ञों के साथ गहन मंथन चल रहा है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। व्यायाम, योग और अन्य शारीरिक गतिविधियों में आमजन की भागीदारी को बढ़ाने के सतत प्रयास जारी हैं। इसी बीच देखा जा रहा है कि बीते कुछ समय से प्रधानमंत्री मोदी युवाओं के बीच स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंता जता रहे हैं। उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ के मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे देश में मोटापे (ओबेसिटी) की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसके कारण डायबिटीज और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने गत दिवस यंग लीडर्स डायलाग में भी 'हेल्दी इंडिया फिट इंडिया' का मंत्र दोहराया। सलाह दी कि यदि हम एक महीने में जितना तेल आज खाते हैं, उसे 10% कम कर दें तो इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा। ऐसे में यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने को कोई नया अभियान या कार्यक्रम जल्द शुरू कर सकते हैं।

संयमित जीवनशैली है जरूरी। प्रतीकात्मक

20 साल में प्रति व्यक्ति सालाना खाद्य तेल खपत 8.2 से बढ़कर 19.7 किग्रा हुई

नीति आयोग की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में खाद्य तेल की लगातार बढ़ती मांग पिछले छह दशकों में प्रति व्यक्ति खपत के दृष्टिकोण से एक उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। 1960-61 से 1980-81 के बीच खपत में 1.2 गुना वृद्धि हुई। 1960-61 में 3.2 किलोग्राम प्रति वर्ष से बढ़कर 1980-81 में यह 3.8 किलोग्राम तक हो गई। 1980-81 से 2000-01 के बीच यह वृद्धि और तेज हुई और 2.2 गुना तक पहुंच गई। 2000-01 में यह खपत प्रतिवर्ष 8.2 किलोग्राम तक पहुंच गई। 2000-01 से हाल के समय तक खपत में चौंकाने वाली बढ़ोतरी 2.4 गुना देखी गई। 2020-21 में यह खपत प्रति व्यक्ति सालाना 19.7 किलोग्राम तक पहुंच गई। इस बढ़ती मांग के पीछे कारणों में आय में बढ़ोतरी, जीवनशैली और आहार में आया बदलाव शामिल है।

कम तेल खाने के ये हैं फायदे

- प्रति चम्मच तेल में लगभग 120 कैलोरी होती है। भोजन में तेल की मात्रा घटाने से आप कैलोरी कम कर सकते हैं। इससे सही वजन बनाए रखने में मदद मिलती है और मोटापे को रोका जा सकता है।
- वसा से भरपूर तेल कोलेस्ट्राल के स्तर को बढ़ाता है और हृदय रोग का ज्यादा जोखिम पैदा करता है। कम तेल का सेवन कर अस्वास्थ्यकर वसा से बचा जा सकता है और इससे हृदय रोग का खतरा भी कम रहेगा।
- इससे पाचन में भी सुधार होगा। तेल की मात्रा कम होने से सब्जियों और अनाज का फाइबर आपके पाचन में मदद करेगा। यह आंतों को भी स्वस्थ रखेगा।
- कम तेल का इस्तेमाल करने या भोजन उबालकर अथवा भाप में बनाने से खाद्य पदार्थों में मौजूद प्राकृतिक पोषक तत्व अधिक संरक्षित रहते हैं। इससे विटामिन और खनिजों का बेहतर अवशोषण होता है।

आप-कांग्रेस की क्रास वोटिंग, भाजपा की हरप्रीत बनीं चंडीगढ़ की मेयर

▸ भाजपा की हरप्रीत को 19 और आप की प्रेमलता को 17 वोट मिले

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के अप्रत्याशित रूप से आप-कांग्रेस गठबंधन से चार वोट कम होने के बावजूद भाजपा की हरप्रीत कौर बबला मेयर का चुनाव जीतने में कामयाब हो गईं। हरप्रीत को 19 वोट मिले, जबकि गठबंधन प्रत्याशी प्रेमलता को 17 वोट ही पड़े। कुल 36 में से कोई वोट रद नहीं हुआ। कांग्रेस-आप गठबंधन के पास सांसद मनीष तिवारी का मिलाकर 20 वोट थे, लेकिन उसके प्रत्याशी को 17 वोट ही मिले। तीन वोट क्रास हुए, जिसने हरप्रीत को मेयर की कुर्सी दिलाई। हालांकि सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के दोनों पद जीतने में कांग्रेस कामयाब रही। कांग्रेस के जसबीर सिंह बंटी सीनियर डिप्टी मेयर और तरुणा मेहता डिप्टी मेयर बनीं।

कांग्रेस और आप ने गठबंधन के तहत मेयर पद पर आप और बाकी दोनों पदों पर कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। माना जा रहा है कि आप और कांग्रेस को उनके पार्षदों ने ही दगा दिया। भाजपा का तीनों पदों के लिए कोई वोट क्रास नहीं हुआ, जबकि आप-कांग्रेस गठबंधन के मेयर पद पर तीन वोट क्रास हुए। बाकी दोनों पदों पर भी एक वोट क्रास हुआ।

चंडीगढ़ की मेयर हरप्रीत कौर बबला। प्रेट्र

सीनियर और डिप्टी मेयर पद पर कांग्रेस प्रत्याशियों को मिली जीत

आप-कांग्रेस दोनों अपने पार्षदों को चंडीगढ़ से ले गए थे बाहर पेज>>4

****

आज का मौसम

सुबह स्मॉग और हल्की धुंध रहने के आसार हैं। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
31 जनवरी	26.0	10.0
1 फरवरी	26.0	11.0
नोएडा		
31 जनवरी	23.0	12.0
1 फरवरी	25.0	12.0
गुरुग्राम		
31 जनवरी	24.0	9.0
1 फरवरी	25.0	9.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

आतिशी का समर्थकों को मारने-पीटने का आरोप

नई दिल्ली : कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से आप की उम्मीदवार व मुख्यमंत्री आतिशी ने विपक्षी उम्मीदवारों के समर्थकों पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ की गई मारपीट को लेकर चुनाव आयोग को पत्र लिख कर शिकायत की है। इस मामले में उन्होंने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। (जासं)

2020 दिल्ली की रिलीज रोकने हाई कोर्ट पहुंचे शरजील

नई दिल्ली: दिल्ली दंगे से जुड़े साजिश रचने के मामले में आरोपित पूर्व जेएनयू छात्र शरजील इमाम ने फिल्म '2020 दिल्ली' की रिलीज की तारीख टालने की मांग को याचिका दायर की है। यह फिल्म फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों और सीएए विरोधी विरोध प्रदर्शनों के बारे में है, और दो फरवरी को रिलीज होने वाली है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म रिलीज होने से अदालतों में लंबित मामलों के ट्रायल व जमानत याचिका पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। (जासं)

विश्वविश्व पुस्तक मेला कल से, राष्ट्रपति करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली : विश्व पुस्तक मेला का आयोजन एक फरवरी से भारत मंडपम में होगा। इस वर्ष पुस्तक मेले का विषय 75वें गणतंत्र दिवस पर केंद्रित होगा और आयोजन में 50 देशों की भागीदारी रहेगी। इस आशय की जानकारी राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे और निदेशक युवराज मलिक ने बृहस्पतिवार को कांस्टीटयूशन क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। मलिक ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को मेले का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान 2,000 से अधिक प्रकाशक और 1,000 से ज्यादा वक्ता मेले में आएंगे। आयोजकों के अनुसार, इस साल रूस को मुख्य देश के रूप में चुना गया है।। (राब्यू)

केजरीवाल ने दिल्ली को कूड़ेदान में बदल दिया : अमित शाह

जनसभा ▶ कहा, आप ने यमुना को प्रदूषित कर गंदा पानी पीने के लिए मजबूर किया

दावा-बजट सत्र में ही पास कर दिया जाएगा वक्फ बोर्ड संशोधन बिल

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अपनी चुनावी सभाओं में आम आदमी पार्टी और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखे हमले किए। कहा कि 10 वर्षों में केजरीवाल ने दिल्ली को कूड़ेदान में बदल दिया। यहां वर्षा के कारण 35 से अधिक लोगों की मौत हो गई। जनता के लिए काम करने की जगह उन्होंने अपने लिए शीशमहल बनवाया। पांच फरवरी को दिल्ली की जनता इतनी जोर से ईवीएम का बटन दबाएगी कि केजरीवाल के शीशमहल के शीशे टूट जाएंगे। आप-दा को हटाने का मतलब 10 वर्षों के केजरीवाल के कुशासन, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का जवाब देना है। केजरीवाल को हराने से पूरी दिल्ली का दर्द दूर हो जाएगा। शाह ने कहा कि बजट सत्र में ही वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास कर दिया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रोहिणी, वजीरपुर और नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में जनसभा और शालीमार बाग में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों को गंदा पानी पिलाने वाले

रोहिणी में आयोजित भाजपा की चुनावी जनसभा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह को गदा देकर किया गया सम्मानित। हरीश कुमार

केजरीवाल अपनी हार देखकर हरियाणा पर यमुना में जहर मिलाने का घिनौना आरोप लगा रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए कि पानी में कौन सा जहर मिलाया गया और किस लैब में उन्होंने इसकी जांच कराई गई। केजरीवाल कहते हैं कि उन्होंने जहर वाला पानी रोक दिया। यमुना का पानी रोकने पर बाढ़ आ जाती है। उन्हें बताना चाहिए कि दिल्ली में कहां पर बाढ़ आई है? हरियाणा की भाजपा सरकार क्या अपनी ही दिल्ली को जहर देगी? इसी पानी को नरेन्द्र मोदी सहित अन्य दिल्लीवासी पीते हैं। केजरीवाल ने यमुना को प्रदूषित कर दिल्ली को गंदा पानी पीने को मजबूर कर दिया है। यमुना में डुबकी लगाने का वादा किया था। उन्होंने डुबकी नहीं लगाई।

गृह मंत्री ने कहा कि आप सरकार ने यमुना को साफ करने, सड़क ठीक करने और साफ पानी देने की जगह भ्रष्टाचार किया है। हजारों करोड़ का शराब घोटाला, जल बोर्ड घोटाला, क्लास रूम घोटाला, डीटीसी बस घोटाला सहित कई घोटाले किए। जो व्यक्ति अन्ना का नहीं हुआ। बच्चों की झूठी खसम खाने वाला दिल्लीवासियों का भला नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि आप नेता अयोध्या में मंदिर की जगह शौचालय बनाने की बात करते थे। भाजपा ने अपने वादे के अनुसार राम मंदिर बनवाया। देश में 12 करोड़ शौचालय भी बनवाए गए। काशी विश्वनाथ गलियारा बना। सोमनाथ का मंदिर सोने का बन रहा है। तीन तलाक समाप्त किया गया। बजट सत्र में ही वक्फ बोर्ड संशोधन बिल भी पास कर दिया जाएगा। मोदी ने आतंकवाद व नक्सलवाद को समाप्त करने का वादा किया था। 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। संकल्प पत्र में किए गए वादे पूरे किए जाएंगे। छह माह के अंदर सील की गईं दुकानें खोल दी जाएंगी। आप-दा के लोग वादा कर मुकर जाते हैं।

आप संयोजक झूठ बोलने की मशीन, तोड़ा रिकार्ड : नड्डा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को झील चौक पर हुई चुनावी सभा में आप और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। यह आप यानी आप-दा से मुक्ति पाने का चुनाव है। पिछले 10 सालों में केजरीवाल और इनकी पार्टी ने लोगों को गुमराह किया है। झूठ बोलने में केजरीवाल ने वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ा है। वह झूठ बोलने की मशीन हैं। यमुना के पानी में हरियाणा से जहर मिलाने वाला गैर जिम्मेदाराना बयान देकर वो एक प्रदेश को दूसरे प्रदेश से लड़ाकर राष्ट्र विरोधी काम कर रहे हैं। नड्डा ने केजरीवाल को जार्ज सोरोस का एजेंडा फालो करने वाला अर्बन नक्सल तक कह डाला।

नड्डा ने कहा कि आप-दा पार्टी ने पिछले 10 सालों में एक काम किया। सुबह उठे प्रेस कान्फ्रेंस की, केंद्र सरकार को गाली दी और अपनी नाकामियों को छिपाया। इन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं किया। दिल्ली के लोगों को छला। अपना शीशमहल बनवाया। यही लोग रामलीला में

झील चौक में संबंधित करते भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा। जागरण

भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर खुद को कट्टर ईमानदार बता रहे थे, जबकि ये कट्टर बेईमान निकले। इनके मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, पांच विधायक जेल की हवा खाकर आए हैं। आप ने शराब घोटाला किया। जल बोर्ड का आडिट ही नहीं होने दिया। 28 हजार करोड़ रुपये का उसमें भी घोटाला कर दिया। आप-दा पार्टी की देखरेख में टैंकर माफिया फलाफूला। मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी टेस्ट दिखाकर दिल्ली सरकार को चूना लगाया। दवा में 300 करोड़ रुपये का घोटाला किया। ये कट्टर भ्रष्टाचारी दवा का टेंडर करीबी रिश्तेदारों को देते थे। ये शिक्षा माडल की दुहाई देते रहे, आरटीआइ में सामने आया है कि दिल्ली सरकार के दो तिहाई स्कूलों में साइंस की पढ़ाई नहीं होती।

कांग्रेस को वोट देने का अर्थ है आप को वोट देना : राजनाथ सिंह

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दिल्ली कैंट व विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने जनलोकपाल बिल लाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें इन्होंने घोटाला न किया हो। इन्होंने तीन वर्षों में यमुना साफ करने की बात कही थी, लेकिन आज यह कमजोरी छिपाने के लिए हरियाणा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने का झूठा आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई आस्था ही नहीं बची है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि संगम में डुबकी लगाने से देश सही तरीके से चल जाएगा? क्या इनके पास इतनी हिम्मत है कि वे अन्य धर्मों के विषयों पर भी ऐसी टिप्पणी कर पाएंगे? दिल्ली की जनता यह जान ले कि कांग्रेस को वोट देने का अर्थ है आप को वोट देना। कांग्रेस पूरे देश से समाप्त हो रही है, इसलिए दिल्ली में भी हारने जा रही है। राजनाथ सिंह ने कहा कि

दिल्ली कैंट में गुरुवार को संबोधित करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में देश ने भाजपा पर भरोसा जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी को लगातार तीसरी बार विजयी बनाया। एक नेता की विश्वनीयता ही सबसे बड़ी ताकत है। नेता जो कहे, वो उसे करना चाहिए। नेताओं की कथनी व करनी में अंतर होने के कारण जनता का नेताओं से विश्वास गिरता चला गया, लेकिन इस विश्वास के संकट को भाजपा ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया। भाजपा देश की अकेली ऐसी पार्टी है, जिसने जो कहा है, वो करके दिखाया है।

पैसे बांटने की शिकायत पर भगवंत मान के आवास पहुंची चुनाव आयोग की टीम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित आवास कपूरथला हाउस में पैसे बंटने की शिकायत पर चुनाव आयोग की टीम वहां पहुंची, लेकिन करीब दो घंटे की जद्दोजहद के बाद उसे बैरंग लौटना पड़ा। मान इन दिनों दिल्ली में अपनी आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं।

नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, सी-विजिल एप पर दोपहर 3:40 बजे पर शिकायत मिली थी कि कपूरथला हाउस में चुनाव को प्रभावित करने के लिए पैसे बांटे जा रहे हैं। सी-विजिल की शिकायत का निस्तारण 100 मिनट के भीतर करना होता है। ऐसे में शिकायत को चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वाड टीम (एफएसटी) को स्थानांतरित किया गया।

करीब सवा चार बजे एफएसटी वहां पहुंच गई, लेकिन वहां तैनात पंजाब सरकार के कर्मियों ने प्रवेश की इजाजत नहीं दी। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के

▶ कपूरथला हाउस में दो घंटे बाद रिटर्निंग अधिकारी को मिला प्रवेश तो कमरों पर लगा था ताला

नई दिल्ली के कपूरथला हाउस में चुनाव अधिकारियों के छापे के दौरान भवन में इजाजत ना मिलने के कारण रिटर्निंग आफिसर ओपी पांडेय पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए। ध्रुव कुमार

निर्वाचन अधिकारी (आरओ) ओपी पांडेय भी पहुंच गए। वह भी बाहर इंतजार करते रहे।
दो घंटे तक एफएसटी और आरओ बाहर ही खड़े रहे। काफी मशक्कत के बाद जब शाम सवा छह बजे प्रवेश की अनुमति मिली तो रिहायशी कमरों में ताला लगा था। आयोग की टीम लान से ही घूमकर लौट गई। यहां उन्हें कोई पैसा बांटता नहीं मिला।

आम आदमी पार्टी ने लगाया गुंडागर्दी का आरोप

एफएसटी की टीम के कपूरथला हाउस पहुंचने पर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा। केजरीवाल ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भाजपा की खुली गुंडागर्दी देखिए। भाजपा के नेता खुलेआम पैसे, जैकेट, साड़ियां और जूते बांट रहे हैं। पुलिस और चुनाव आयोग सब देखकर भी अंधे बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर बिना किसी सुबूत के पंजाब के मुख्यमंत्री के घर में घुसकर रेड कर रहे हैं। भाजपा ने सरकारी सिस्टम को जागीर बना लिया है। यह पंजाब के लोगों द्वारा चुने गए सीएम का अपमान है। यह हर पंजाबी का अपमान है।

मुगलों ने दिल्ली को लूटा था, केजरीवाल ने लूटने की कोशिश की : फडणवीस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को यमुनापार में तीन स्थानों पर चुनावी जनसभा को संबोधित किया। मुस्तफाबाद, गोकलपुर और बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा में फडणवीस ने अरविंद केजरीवाल और आप पर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल की राजनीति झूठ और लूट की बुनियाद पर टिकी है। इन्होंने आंदोलन में बड़ी बड़ी बातें करके राजनीतिक जमीन तैयार की। वही अन्ना हजारे खुद कहते हैं कि देश का सबसे बेईमान नेता केजरीवाल है। अगर ओलिंपिक में एक खेल झूठ बोलने और भ्रष्टाचार का रखा जाए तो उसमें गोल्ड मेडल केवल केजरीवाल और आप को मिलेगा। फडणवीस ने आरोप लगाया कि कभी मुगलों ने दिल्ली को लूटा था, वैसे ही केजरीवाल ने लूटने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह विधानसभा चुनाव दिल्ली की तकदीर को बदलने और 'आप-दा' से बाहर निकालने वाला है। दिल्ली को विकास की मुख्य धारा में ले जाने का चुनाव है।

इस सर्दी में सड़कों पर 474 बेघरों ने तोड़ा दम, एनएचआरसी ने लिया स्वत : संज्ञान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिसंबर से मध्य जनवरी के बीच हाड़ कपाने वाली सर्दी में दिल्ली की सड़कों और फुटपाथों पर 474 बेघरों ने दम तोड़ दिया। इस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली के मुख्य सचिव व पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

एनएचआरसी के अनुसार, बेघर लोगों के बीच काम करने वाले गैर सरकारी संगठन सेंटर फार होलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस सर्दी में 56 दिनों के भीतर लगभग 474 लोगों की जान चली गई। गर्म कपड़े, कंबल और पर्याप्त आश्रय जैसे आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों की अनुपलब्धता के चलते ये मौतें पिछले वर्ष 15 दिसंबर से इस वर्ष 10 जनवरी के बीच हुई हैं। सीएचडी के अनुसार, सड़कों पर दम तोड़ने वाले 474 लोगों में 80 प्रतिशत शव अज्ञात बेघरों के थे। सीएचडी के उक्त दावे पर आधारित

▶ दिल्ली के मुख्य सचिव व पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर सप्ताहभर के भीतर मांगा जवाब

चांदनी चौक में फुटपाथ पर सोते बेघर। जागरण

रिपोर्ट दैनिक जागरण में 12 जनवरी को प्रकाशित हुई थी। आयोग ने जारी बयान में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कई आश्रय गृह समुचित मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं और जो उपलब्ध हैं, उनमें से अधिकतर में आवश्यक सुविधाओं का अभाव है, जिससे व्यक्ति कड़ाके की ठंड में रहने को मजबूर हो जाते हैं। सड़कों पर रहने वाले लोगों के बारे में यह भी बात सामने आई है कि वे उचित चिकित्सकीय व रखरखाव के अभाव में श्वसन संक्रमण, त्वचा संबंधी बीमारियों और बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य सहित कई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

सर्दी में सर्वाधिक मौतें रेलवे स्टेशन परिसरों में दर्ज की गई थीं। इनमें आनन्द विहार, सब्जी मंडी, हजरत निजामुद्दीन, सराय रोहिला, दिल्ली कैंट समेत अन्य स्टेशन हैं, जहां 100 मौतें दर्ज हुई थीं। इसके बाद, अधिक मौतें उत्तरी दिल्ली जिला पुलिस क्षेत्र में दर्ज थीं। सब्जी मंडी, कश्मीरी गेट, कोतवाली, लाहौरी गेट, सिविल लाइंस, बाड़ा हिंदूराव, सदर बाजार, तिमारपुर, सराय रोहिला, वजीराबाद, गुलाबी बाग समेत अन्य स्थानों में नवंबर से अब तक 83 मौतें हुई थीं। मध्य दिल्ली के दरियागंज, पहाड़गंज, नबी करीम, जामा मस्जिद, हौज काजी, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, कमला मार्केट, करोलबाग समेत अन्य इलाकों में 54 बेघरों की मौतें सर्दी से दर्ज की गईं। सीएचडी के कार्यकारी निदेशक सुनील अलेडिया के अनुसार, बेघरों की मौतों के ये आंकड़े दिल्ली पुलिस नेटवर्क (जिप नेट) द्वारा संकलित हैं।

स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर फेंका कचरा

जागरण संवाददाता. नई दिल्ली: राजधानी में विधानसभा चुनाव के बीच कचरे की राजनीति गरमा गई है। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर कचरा फेंका। उन्होंने ये कचरा स्थानीय निवासियों की मदद से विकासपुरी की सड़कों से उठाकर तीन मिनी ट्रकों में भरा और इसके बाद ट्रकों को लेकर फिरोजशाह रोड स्थित केजरीवाल के आवास के बाहर पहुंच गईं। यहां महिलाओं के साथ मिलकर केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन किया और ट्रक में पड़े कूड़े को फावड़े से निकालकर गिराया। पुलिस ने मालीवाल को हिरासत में ले लिया। संसद मार्ग थाने में ले गई, लेकिन कुछ घंटों बाद रिहा कर दिया। उन पर धारा 188 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्रदर्शन कर रही महिलाएं 'मुस्कुराएं, आप दिल्ली में हैं', लिखी तख्तियां थामे नजर आईं। मालीवाल ने बताया कि विकासपुरी इलाके का दौरा करने के समय स्थानीय महिलाओं ने सड़कों पर फैले कचरे की शिकायत की थी।

आप ने झूठे वादों से सरकार चलाई : राहुल

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

ज्यों-ज्यों दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे पर हमले तेज कर दिए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कई आरोप लगाए। बादली विधानसभा क्षेत्र के तहत जहांगीर पुरी में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने झूठे वादों और भ्रष्टाचार से सरकार चलाई है। साथ ही उन्होंने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने कहा कि आप के मुखिया कुछ साल पहले राजनीति में आए हैं। पहले वे बिजली के खंभे पर भी चढ़ जाते थे। छोटी गाड़ी से घूमते थे, लेकिन आजकल वही शीशमहल में रहते हैं। राहुल ने कहा कि केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली को साफ करूंगा, भ्रष्टाचार मिटाऊंगा, यमुना में स्नान करने के साथ ही जल पीकर दिखाऊंगा, लेकिन अभी तक ये काम नहीं हुए। इतना ही नहीं, राहुल गांधी ने आप मुखिया को चुनौती देते हुए कहा कि आपने यमुना का जल

▶ बादली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आम आदमी पार्टी पर बोला हमला

बादली में आयोजित जनसभा के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी। सौजन्य: कांग्रेस

पीने का वादा किया था, लेकिन आप दिल्ली की कालोनियों में आ रहे पानी को भी नहीं पी सकते।

उन्होंने पूछा कि जब दिल्ली में दंगे हुए, लोगों को मारा गया तब आप नेता और उनकी पार्टी के लोग कहां थे? महात्मा गांधी के शहीदी दिवस का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आज के दिन ही उनकी हत्या की गई थी क्योंकि वे नफरत के खिलाफ खड़े थे।

राहुल की केजरीवाल को चुनौती, कब लगा रहे यमुना में डुबकी: यमुना के पानी को लेकर छिड़ी राजनीतिक जंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी डुबकी लगाई। उन्होंने बुधवार को एक्स अकाउंट और यूट्यूब चैनल पर यमुना किनारे अपनी यात्रा का वीडियो पोस्ट कर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से पूछा 'केजरीवाल जी, अब 2025 आ गया है। आप यमुना में डुबकी कब लगाएंगे? दिल्ली इंतजार कर रही है!'

उन्होंने दिल्ली में यमुना के प्रदूषण को भयावह बताते हुए इस पर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि, यमुना की यह भयावह स्थिति केंद्र और दिल्ली सरकार की लापरवाही व भ्रष्टाचार के संगम का परिणाम है। वीडियो में राहुल गांधी अपने एक कार्यकर्ता से यह कहते हुए भी नजर आ रहे हैं कि 'यमुना की सफाई की बात एक जुमला है और इसे सरकार ने पैसा कमाने का बहाना बनाया है।' उन्होंने एक रैली में भी यमुना जल के प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए केजरीवाल से पूछा कि 'यमुना के पानी को पीने योग्य बनाने के अपने पांच साल पुराने वादे' का क्या हुआ।

विधानसभा चुनाव

कुंभ में नहीं, दिल्ली में बिछड़ गए यूपी के दो लड़के

किराड़ी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर किया रोड शो, करीब 15 किलोमीटर दूर बादली में अरविंद केजरीवाल पर निशाना साध रहे थे राहुल गांधी

स्वदेश कुमार • जागरण

नई दिल्ली : साल 2017 में उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने साथ मिलकर लड़ा था। इसमें गठबंधन का नारा था यूपी के दो लड़के। यानी कांग्रेस के राहुल गांधी और सपा के अखिलेश यादव। उस चुनाव में तो यह नारा काम नहीं कर पाया था और उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार बन गई थी। बीच में दोनों में रस्साकसी चलती रही।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रमानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों ने आइएनडीआइए के रूप में गठबंधन को पेश किया। इसमें यूपी के दो लड़के फिर से एक साथ हो गए। धमाल भी मचाया। 80 में से 37 सीटें सपा और छह सीटें कांग्रेस को मिलीं। माना जा रहा था कि अब यूपी के लड़के एक साथ रहेंगे, लेकिन ऐसा हो न सका। दिल्ली के

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए किराड़ी में आप उम्मीदवार अनिल झा के समर्थन में रोड शो के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल। प्रेट्र

चुनावी रण में पहुंचते-पहुंचते दोनों बिछड़ गए। गुरुवार को यूपी के दोनों लड़के दिल्ली में ही थे। दोनों एक ही संसदीय क्षेत्र में थे। दूरी मात्र 15 किलोमीटर की थी। अखिलेश राहुल के प्रतिद्वंद्वी यानी आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ किराड़ी में रोड शो कर रहे थे वहीं राहुल गांधी बादली विधानसभा क्षेत्र में जनसभा में थे और अरविंद केजरीवाल पर तीखे हमले बोल रहे थे।

कहावत कुंभ के मेले में बिछड़ने की चलती है। संयोग यह है कि उत्तर प्रदेश में महाकुंभ है और बिछड़ने की कहानी दिल्ली में देखने को मिली। वैसे बिछड़ने की पटकथा लोकसभा चुनाव के चंद महीनों बाद ही शुरू हो गई थी। आइएनडीआइए के घटक दलों ने कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए थे। इसमें बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी प्रमुख थीं। उनका साथ देने वालों अखिलेश यादव भी थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव आते-आते कांग्रेस ने आप से दूरी बना ली और अकेले ही मैदान में उतरने का एलान कर दिया। ऐसे में अखिलेश यादव खुलकर आप और अरविंद केजरीवाल के समर्थन में उतर आए। सपा हर बार विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारती थी, लेकिन इस चुनाव में उसने आप को समर्थन का एलान कर दिया। मई 2024 में लोस चुनाव में नई दिल्ली सीट से आप और कांग्रेस के गठबंधन के प्रत्याशी सोमनाथ भारती थे। वह आम आदमी पार्टी से हैं। राहुल ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ इसी संसदीय क्षेत्र में मतदान किया था।

दिल्ली में बन रही है आप की सरकार: अखिलेश यादव: किराड़ी विधानसभा में रोड शो के बाद अखिलेश ने कहा कि रोड शो के दौरान जनसमर्थन देखता हुआ आ रहा हूं। ऐतिहासिक जनसमर्थन देखकर कह सकता हूं कि इस बार दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी पर भरोसा करके ऐतिहासिक जीत दिलाने जा रही है। दिल्ली में बन रही है आपकी सरकार, सभी 70 सीटों पर होगी भाजपा की हार।

****

अब केजरीवाल ने घरेलू सहायकों को दी सात गारंटी

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सरकारी अधिकारियों, सांसदों और मंत्रियों के घर पर काम करने वाले घरेलू सहायकों के लिए गुरुवार को सात गारंटी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम सरकार में आने पर सरकारी स्टाफ के लिए सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल बनाएंगे, जहां वे नौकरी तलाश सकेंगे। नए अधिकारी के आने तक उनके रहने की व्यवस्था हो, इसके लिए हास्टल बनाएंगे।

पत्रकार वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि अधिकारियों, सांसदों और मंत्रियों के यहां काम करने वाले घरेलू सहायकों को कई बार नौकरी व रहने की दिक्कत होती है क्योंकि जब सांसद हटते हैं, अधिकारियों का तबादला

▶ सरकारी स्टाफ के लिए सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल बनाएंगे, जहां वे नौकरी तलाश सकेंगे

हो जाता है तो नए अधिकारी के आने तक उनके पास काम नहीं होता है। जरूरी भी नहीं है कि जो नया अधिकारी, सांसद या मंत्री आएं वह उन्हें ही काम पर रखें। यह स्थिति उनके परिवार के लिए बेहद खराब होती है। केजरीवाल ने कहा कि इसी को देखते हुए हम सात गारंटी लेकर आएं है। पहला, उनके लिए एक पोर्टल बनाएंगे, जहां वह पंजीकरण कराकर नौकरी तलाश सकेंगे। दूसरा, नौकरी जाने के बाद उनके रहने के लिए हॉस्टल बनाएंगे। उन्हें आटो चालकों की तरह 10 लाख का जीवन बीमा, पांच लाख का दुर्घटना बीमा, बेटी की शादी के लिए एक लाख रुपये और बच्चों को स्कालरशिप देंगे।

10 और 11 फरवरी को पेरिस में होने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संबंधी शिखर सम्मेलन में लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अलग से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होने की उम्मीद है। उसमें रक्षा खरीद संबंधी करार दो सकते हैं।

वक्फ संशोधन बिल पर संसदीय समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट

मौके पर मौजूद नहीं रहे एक भी विपक्षी सदस्य, रिपोर्ट पर जता चुके हैं असहमति

नई दिल्ली, प्रेट्र : वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी है। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने गुरुवार को बिरला से उनके संसद भवन स्थित कार्यालय में मुलाकात की और रिपोर्ट सौंपी।

बुधवार को पैनल ने बहुमत से अपनी रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों द्वारा सुझाए गए बदलाव शामिल थे, जिसके बाद विपक्ष ने इस कवायद को वक्फ बोर्डों को नष्ट करने का प्रयास करार दिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने मसौदा कानून पर रिपोर्ट को 15-11 बहुमत से स्वीकार कर लिया था। जगदंबिका पाल ने बताया कि पिछले पांच से अधिक महीनों में समिति ने कई बैठकें की हैं और देशभर में सैकड़ों प्रतिनिधिमंडलों से मिले हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रिपोर्ट सौंपते समय समिति के अन्य सदस्य निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, संजय जायसवाल और अन्य भी मौजूद रहे। भाजपा सदस्यों ने जोर देकर कहा कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करता है।

इस अवसर पर एक भी विपक्षी सदस्य मौजूद नहीं था। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति जताई और इसे मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों पर हमला और वक्फ बोर्डों के कामकाज में हस्तक्षेप करार दिया। खासकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि वह वक्फ बिल पर जेपीसी की कार्यप्रणाली का विरोध करते हैं।

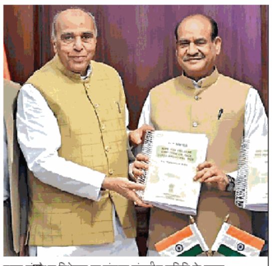
वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख जगदंबिका पाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को समिति की रिपोर्ट सौंपी। एएनआइ

बजट सत्र में कुल 16 विधेयक पेश करेगी सरकार

प्रथम पृष्ठ से आगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुआई में हुई सर्वदलीय बैठक में सरकार ने बताया कि वह बजट सत्र के दौरान वक्फ, इमिग्रेशन सहित कुल 16 विधेयकों को पेश करेगी। बैठक में 36 राजनीतिक दलों के करीब 52 नेताओं ने हिस्सा लिया था। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षी दलों के साथ हुई इस बैठक को रचनात्मक बताते हुए सभी से सदन को शांतिपूर्ण चलाने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि बजट सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी। सूत्रों की मानें तो विपक्षी दलों ने बैठक में जब महाकुंभ हादसे व उसकी अव्यवस्थाओं पर चर्चा कराने की मांग की तो राजनाथ सिंह ने कहा कि यह राज्य सरकार का विषय है। बैठक में मौजूद कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने महाकुंभ के राजनीतिकरण की आलोचना की और कहा कि इस आयोजन के दौरान वीआइपी की आवाजाही से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। वहीं सपा सांसद राम गोपाल यादव ने इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की और कहा कि आम तीर्थयात्रियों को दरकिनार कर वीआइपी को प्रमुखता दी गई, जिससे यह हादसा हुआ है। कई विपक्षी नेताओं ने बेरोजगारी और किसानों का मुद्दा उठाया और चर्चा की मांग की।

समूह में जाने पर भारतीयों को बिना वीजा मिल सकती है रूस में एंट्री

मुंबई, प्रेट्र : अगर आप कई लोगों के साथ समूह में रूस की यात्रा पर जा रहे हैं, तो इस बात की पूरी संभावना है आने वाले समय में आपके समूह को बिना वीजा के यात्रा करने की अनुमति मिल जाए। मास्को सिटी टूरिज्म कमेटी के चेयरमैन एव्जेनी कोजलोव ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

कोजलोव ने कहा, 'जब पर्यटकों का कोई समूह एक साथ रूस की यात्रा कर रहा है, तब बिना वीजा के यात्रा के लिए दस्तावेज में उन सभी की संख्या लिखनी होगी। उदाहरण के रूप में, चीनी दस्तावेज में समूह 10 से 20 लोगों का हो सकता है। रूसी सरकार, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ समूह में शामिल सदस्यों की संख्या पर सहमति जताने के लिए चर्चा कर रही है ताकि भारत से जाने वाले पर्यटकों के समूह को वीजा-मुक्त यात्रा मिल जाए।'

कोजलोव ने आगे कहा, 'भारत हमारे लिए प्राथमिकता वाला बाजार है। हमारे लिए देशों में चीन पहले पायदान पर आता है और भारत दूसरे। पर्यटन के दौरान भारतीय अच्छा खर्च करते हैं और आंकड़े बताते हैं कि एक व्यक्ति प्रति यात्रा में करीब पौने दो लाख रुपये (2,000 अमेरिकी डालर) खर्च करता है। मास्को व्यापार, विवाह, परिवार और सिनेमा पर्यटन पर ध्यान दे रहा है।'

नौसेना को जल्द मिल सकते हैं 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान

- नौसैनिक ताकत और बढ़ाने के लिए तीन स्कार्पीन पनडुब्बी भी खरीदेगा भारत
- खरीद के लिए फ्रांस से करार पर जल्द लगेगी मुहर, वार्ता अंतिम चरण में

नई दिल्ली, प्रेट्र : नौसेना को 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान जल्द मिल सकते हैं। नौसैनिक ताकत को और बढ़ाने के लिए नौसैनिक वर्जन के 26 राफेल लड़ाकू विमान और तीन स्कार्पीन पनडुब्बियों की खरीद के लिए भारत अगले कुछ हफ्तों में फ्रांस के साथ करार कर सकता है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले महीने होने वाली पेरिस यात्रा के दौरान खरीद की घोषणा की जाएगी या नहीं। पीएम मोदी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संबंधी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पेरिस जाएंगे। 10 और 11 फरवरी को होने वाले शिखर सम्मेलन से इतर मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होने की उम्मीद है। इस मामले से परिचित लोगों ने गुरुवार को बताया कि इन दो करारों पर वार्ता अंतिम चरण में हैं। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) को इस पर विचार करना है।

रक्षा मंत्रालय ने जुलाई 2023 में फ्रांस से 22 राफेल (नौसैनिक वर्जन) लड़ाकू विमान की खरीद को मंजूरी दी थी। भारत स्वदेशी विमान वाहक आइएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए इन लड़ाकू विमानों को खरीदना चाहता है। मंत्रालय ने फ्रांस से तीन स्कार्पीन पनडुब्बियों की खरीद को भी मंजूरी दे दी थी। भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 75 के तहत, फ्रांस के सहयोग से मझगांव डाक लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा भारत में छह स्कार्पीन पनडुब्बियों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है।

राफेल- एम के साथ-साथ हथियार प्रणालियों और संबंधित सहायक उपकरणों की खरीद अंतर-सरकारी समझौते (आइजीए) पर आधारित होगी। भारतीय वायुसेना ने 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदे हैं। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहे हैं।

प्रतीकात्मक

'निज्जर हत्याकांड की जांच का अधिकार विदेशी हस्तक्षेप आयोग को नहीं'

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत में कनाडाई उच्चायोग ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि कनाडा का विदेशी हस्तक्षेप आयोग सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच के लिए अधिकृत नहीं है। यह बयान 28 जनवरी को जारी उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें विदेशी हस्तक्षेप आयोग ने 2019 और 2021 के कनाडाई संघीय चुनावों में चीन, रूस और कुछ अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप के आरोपों की जांच की थी। उच्चायोग ने कहा- 'पीआइएफआइ (विदेशी हस्तक्षेप पर सार्वजनिक जांच) को निज्जर की हत्या की जांच का अधिकार नहीं दिया गया था।'

बता दें कि रिपोर्ट में भारत को रूस, चीन, पाकिस्तान के साथ कनाडा के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। इसके बाद भारत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि हकीकत यह है कि कनाडा भारत के आंतरिक मामलों में लगातार हस्तक्षेप करता रहा है। वह अपनी धरती को संगठित अपराधियों की शरणस्थली बनाए हुए है। ये अपराधी भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं।

कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए मार्च तक बनेगा स्थायी माडल

- पांच-पांच राज्यों की तीन समितियां कामगारों की सामाजिक सुरक्षा कवरेज हेतु करेंगी विमर्श

नई दिल्ली, प्रेट्र : श्रम एवं रोजगार मंत्री डा. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में नई दिल्ली में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों और सचिवों के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार को संपन्न हुआ। दो दिनों तक चले पांच सत्रों के दौरान 10 से अधिक विषयों पर बड़े पैमाने पर चर्चा की गई और इनपुट एकत्र किए गए। पांच-पांच राज्यों की तीन समितियां गठित की गईं। ये समितियां इस वर्ष मार्च महीने तक कामगारों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज हेतु एक स्थायी माडल विकसित करेंगी।

दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान किए गए विचार-विमर्श और सुझावों को ध्यान में रखते हुए मांडविया ने अपने संबोधन के दौरान सभी हितधारकों के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाई। उन्होंने राज्यों से बीते दो दिनों के दौरान विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से प्रदर्शित सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की संभावना का आकलन करने का आग्रह किया।

उन्होंने इस विषय पर जोर दिया कि मंत्रालय संगठित और असंगठित कामगारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सुधारों और पहलों को तैयार करने हेतु राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा और सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। पेंशन, स्वास्थ्य सेवा, जीवन और दुर्घटना बीमा आदि प्रदान करने वाले समग्र और टिकाऊ कल्याण कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन में श्रम कल्याण को बढ़ावा देने, कारोबार को आसान बनाने तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

डा. मनसुख मांडविया। फाइल

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को दी तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की अनुमति

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में लंबित मुकदमों को निपटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी पहल की है। हाई कोर्टों में लंबित 18 लाख से अधिक आपराधिक मामलों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को तदर्थ जजों की नियुक्ति की गुरुवार को अनुमति दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने तदर्थ जजों की नियुक्ति पर अपने पूर्व के फैसले में लगाई गई शर्तों में ढील दी है। संविधान का अनुच्छेद 224ए के तहत हाई कोर्टों में सेवानिवृत्त जजों को तदर्थ जजों के तौर पर नियुक्ति करने का प्रविधान है। कोर्ट ने कहा, प्रत्येक हाई दो से पांच तदर्थ जजों की नियुक्ति कर सकते हैं। यह कुल स्वीकृत संख्या के 10% से अधिक नहीं होनी चाहिए। तदर्थ न्यायाधीश हाई कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ में बैठेंगे और लंबित आपराधिक अपीलों पर फैसला करेंगे।

अप्रैल, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जजों को दो से तीन साल की अवधि के लिए तदर्थ के रूप में नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। कहा था कि स्वीकृत संख्या के 80% जज होने पर तदर्थ जजों की नियुक्ति नहीं की जा सकती है।

फेक व पेड न्यूज, अखबारों की स्थिति पर विचार करेगी संसदीय समिति

- भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता में समिति की बैठक आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : फेक और पेड न्यूज की बढ़ती समस्या, कई टीवी समाचार चैनलों का सनसनीखेज खबरों पर ध्यान केंद्रित करना और डिजिटल चुनौती व घटती पाठक संख्या के कारण पारंपरिक समाचार पत्रों की संघर्षशील स्थिति जैसे मुद्दे शुक्रवार को संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से संबद्ध स्थायी संसदीय समिति की बैठक में उठाए जा सकते हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली यह स्थायी समिति इस बैठक में सभी प्रकार के मीडिया से जुड़े कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी और इसमें मीडिया से जुड़े कई पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि समिति महत्वपूर्ण व गंभीर समाचारों की उपेक्षा करके अपराध व सेलिब्रिटी के समाचारों को अत्यधिक कवरेज देने पर अपनी चिंता जता सकती है, क्योंकि कुछ चैनल टीआरपी की होड़ में खबरों को सनसनीखेज बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। कई बार सनसनीखेज मामलों के मीडिया ट्रायल से जनमत प्रभावित होता है और उनकी कानूनी प्रक्रिया पर असर पड़ता है जिसे समिति नजरअंदाज नहीं कर सकती। टीवी की चर्चाओं में एक दूसरे पर चिल्लाने और कीचड़ उछालने का मुद्दा भी बैठक में उठ सकता है। एक सूत्र ने कहा कि मीडिया संस्थानों के मालिकों, पत्रकारों व राजनीतिक पार्टियों के बीच हितों का टकराव समाचार की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है और मजबूत नियामक तंत्र के अभाव में कई बार नैतिकता की सीमाएं टूट जाती हैं। अन्य प्रमुख मुद्दे जिन पर समिति चिंता जता सकती है, उनमें पत्रकारों व मीडिया घरानों के समक्ष आने वाली महंगी एवं लंबी कानूनी लड़ाई भी है जो खोजी पत्रकारिता को हतोत्साहित करती हैं।

निशिकांत दुबे। फाइल

गुजरात माडल आज पूरे देश में अनुकरणीय : जितेंद्र सिंह

राज्य ब्यूरो, जागरण, गांधीनगर : केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने दुनिया में तेजी से बदल रही तकनीक का हवाला देते हुए कहा कि कभी पटवारी गांवों में सबसे ताकतवर सरकारी कर्मचारी होता था। लेकिन तकनीक ने स्थिति को पूरी तरह से बदल दिया है। अब कृत्रिम बौद्धिकता का दौर है। हो सकता है कि आने वाले समय में सरकारी अधिकारियों की जरूरत ही न रहे। उन्होंने कहा कि गुजरात माडल आज पूरे देश में अनुकरणीय बन गया है। इसका अनुसरण अन्य राज्यों में किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के चलते भारत 2047 तक विकसित देश होगा। उन्होंने बताया कि पहले लोगों की शिकायतें वर्षों तक लंबित रहती थीं, लेकिन अब मेरे विभाग में हर सप्ताह शिकायतों के निस्तारण का दर 95 प्रतिशत हो गया है।

पूर्व सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन पर नीति बनाए केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

- कहा-सेवानिवृत्त जवानों को सुप्रीम कोर्ट में घसीटना गलत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सेवानिवृत्त सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई। पीठ ने पूछा- पूर्व सैनिकों को शीर्ष अदालत में घसीटने की जरूरत क्यों पड़ी? केंद्र सरकार की ऐसी याचिकाओं के जरिये सशस्त्र बलों का मनोबल नहीं गिराया जा सकता। शीर्ष अदालत ने केंद्र से पूछा कि क्या आप नीति बनाने को तैयार हैं। अगर नीति बनाने को तैयार नहीं हैं तो हमें जब भी लगेगा कि अपील निरर्थक है तो हम भारी जुर्माना लगाना शुरू करेंगे।

जस्टिस अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने गुरुवार को कहा कि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण से विकलांगता पेंशन से राहत पाने वाले सशस्त्र बलों के हर सदस्य को शीर्ष अदालत में घसीटने की जरूरत नहीं है। केंद्र को अपील दायर करने में विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए। केंद्र सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। इस याचिका में केंद्र ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक सेवानिवृत्त रेडियो फिटर को विकलांगता पेंशन प्रदान की है। पीठ ने कहा कि याचिका में कुछ व्यावहारिक दृष्टिकोण होना चाहिए। एक सैन्यकर्मी 15-20 साल तक काम करता है। मान लीजिए कि वह कुछ दिव्यांगता से ग्रस्त है और सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के आदेश में दिव्यांगता पेंशन के भुगतान का निर्देश दिया जाता है, तो इन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में क्यों घसीटा जाना चाहिए? पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि केंद्र सरकार को एक नीति बनाना चाहिए। इतना ही नहीं सशस्त्र बलों के सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट में घसीटने का निर्णय लेने से पहले कुछ जांच पड़ताल भी की जानी चाहिए।

केंद्र सरकार को लगाई फटकार।

पीएम मोदी बोले, बापू के आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए करते हैं प्रेरित

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने महात्मा गांधी को उनकी 77वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने गांधीजी की समाधि राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और मनोहर लाल समेत अन्य नेताओं ने भी गांधीजी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। गांधीजी की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले मोदी ने एक्स पर लिखा, पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मैं अपने राष्ट्र के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि देता हूं और उनकी सेवा एवं बलिदान को याद करता हूं। शाम को प्रधानमंत्री ने गांधी स्मृति संग्रहालय में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया।

खरगे ने एक्स पर लिखा- शहीद दिवस पर हम बापू को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो हमारे राष्ट्र के मार्गदर्शक हैं। सत्य, अहिंसा, सर्वोदय और सर्वधर्म समभाव के उनके विचार हमारे मार्ग को रोशन करते रहते हैं। राहुल गांधी ने लिखा- गांधीजी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं। वह भारत के आत्मा हैं। सत्य, अहिंसा और निर्भयता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती है-पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। हमारे बापू को उनके बलिदान दिवस पर शत-शत नमन।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुरुवार को नई दिल्ली में राजघाट स्थित उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पण के साथ परिक्रमा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

भारत ने अपने सर्वर पर डीपसीक का मूल्यांकन करने का लिया निर्णय

- पता चलेगा कि डीपसीक से कहीं कोई डाटा लीक या ट्रैकिंग तो नहीं हो रही
- भारत में डीपसीक के इस्तेमाल को लेकर कोई खास उत्साह नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में चीन के एआइ माडल डीपसीक की निजता सुरक्षा और डाटा प्रबंधन नीति पर उठे सवालों के बाद भारत ने भी डीपसीक का मूल्यांकन अपने सर्वर पर करने का निर्णय लिया है। इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि डीपसीक एक ओपन एआइ है, इसलिए इसे भारत के सर्वर पर होस्ट और मूल्यांकन किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि डाटा के लिहाज से डीपसीक का उपयोग सुरक्षित है। वैसे भी कोई एप कितना सुरक्षित है, इसका मूल्यांकन किया जाता है।

मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि डीपसीक को भारत के सर्वर पर जांचने से यह स्पष्ट होगा कि कहीं कोई डाटा लीक या उपयोगकर्ताओं की ट्रैकिंग तो नहीं हो रही है। देश की सुरक्षा एजेंसियां इस प्रकार के सभी एप्स की जांच करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के सर्वर पर डीपसीक को चलाने से हमारा डाटा बाहर नहीं जाएगा। अभी डीपसीक का इस्तेमाल करने पर हमारा डाटा उनके सर्वर पर जा रहा है जैसा गूगल का इस्तेमाल करने पर होता है। अभी डीपसीक अरुणाचल प्रदेश जैसे मामलों पर सही जानकारी नहीं दे रहा है। देश के सर्वर पर डीपसीक होस्ट करने से इन मामलों को ठीक किया जा सकेगा। डाउनलोडिंग के आंकड़ों के अनुसार, भारत में डीपसीक के उपयोग को लेकर कोई खास उत्साह नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में एआइ के व्यापक उपयोग को देखते हुए सरकार एआइ सुरक्षा का एक फ्रेमवर्क तैयार कर रही है। टेक्नो-लीगल प्रविधानों को ध्यान में रखते हुए देश के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थान एआइ सुरक्षा टूल्स तैयार करने में जुटे हुए हैं। एआइ सुरक्षा से जुड़ी आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और इस कार्य के लिए एक वर्चुअल यूनिवर्सिटी की भी स्थापना की जा रही है।

विचार

भारतीय विदेश मंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप को बताया अमेरिकी राष्ट्रवादी, कहा- प्रधानमंत्री मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध

कुछ मुद्दों पर हमारी राय अमेरिका से अलग हो सकती है : जयशंकर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में हमें अच्छा व्यवहार मिला
- अब गैर भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं
- मैंने कभी नहीं सोचा था कि नौकरशाह बनूंगा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अमेरिका के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर जोर देते हुए कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 'अमेरिकी राष्ट्रवादी' हैं। ट्रंप की नीतियां वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं, लेकिन भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हित से निर्देशित होती रहेगी। कुछ मुद्दे हो सकते हैं जहां हम अलग-अलग हों, लेकिन कई क्षेत्र ऐसे होंगे जहां चीजें हमारे दायरे में होंगी।

जयशंकर गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कालेज में 'युवाओं के लिए विकसित भारत' विषयक संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैश्विक कूटनीति की उभरती प्रकृति और इसके प्रति भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इस सवाल पर कि ट्रंप भारत के मित्र हैं या शत्रु, जयशंकर ने कहा कि ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में हमें अच्छा व्यवहार मिला। अमेरिका के साथ हमारे संबंध मजबूत हैं और मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं।

एक सवाल पर कहा, अब गैर भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उन्हें कहीं विमान में सीट मिल जाएगी। कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि नौकरशाह बनूंगा। राजनीति में मेरा प्रवेश दुर्घटनावश हुआ या इसे भाग्य कहें, या इसे मोदी कहें। उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे इस तरह से आगे बढ़ाया कि कोई भी मना नहीं कर सका।

विकसित दिल्ली 'विकसित भारत' का केंद्र, इसे होना चाहिए माडल: दिल्ली विधानसभा चुनाव की चर्चा करते हुए जयशंकर ने युवा मतदाताओं से 'सही चुनाव' करने का आग्रह किया। कहा कि राजधानी में खराब सड़कों और पानी की आपूर्ति बड़ा मुद्दा है। पांच वर्षों में बहुत-सी समस्याएं देखी हैं। अनधिकृत कालोनियों में न तो सड़कें हैं, न ही नियमित पानी की आपूर्ति। उन्होंने युवाओं से राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। कहा, अगर आपको लगता है कि अभी कुछ और ज्यादा जरूरी है तो पांच साल बाद सड़कों की मरम्मत न होने या पुल न बनने की शिकायत न करें। ये मुद्दे इसलिए उठते हैं, क्योंकि सही समय पर आपने सही विकल्प चुनने के लिए आगे कदम नहीं बढ़ाया। कहा, युवाओं के बिना, कोई 'विकसित भारत' नहीं हो सकता। राजधानी के रूप में दिल्ली एक विशेष जिम्मेदारी वहन करती है। दूसरे देश के लोग यहां जो देखते हैं, उससे भारत के बारे में उनकी धारणा बनती है। विकसित दिल्ली 'विकसित भारत' का केंद्र है। इसे देश और उससे भी आगे के लिए माडल होना चाहिए। मुफ्त सुविधाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'अगर मैं ऐसे वादे करता हूं जो गंभीर नहीं हैं, जिनके लिए मैंने कोई योजना नहीं बनाई है और संभवतः उन्हें पूरा करने का कोई इरादा नहीं है तो मैं इसे मुफ्त सुविधा कहता हूं।'

नई दिल्ली में हंसराज कालेज में युवाओं को संबोधित करते एस जयशंकर। सौजन्य : डीयू

****

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

9 फरवरी तक चलने वाले कोलकाता पुस्तक मेले में फ्रांस, इटली, स्पेन, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका समेत विभिन्न देशों के प्रकाशकों ने हिस्सा लिया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 31 जनवरी, 2025

कर्नाटक में भाजपा भी चली कांग्रेस की राह, अनुशासनहीनता चरम पर

यतनाल ने केंद्रीय नेतृत्व पर लगाया पैसे के लालच में पक्षपात का आरोप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राजनीति के कई नाटकीय घटनाक्रम देख चुके कर्नाटक में इन दिनों कांग्रेस और भाजपा एक जैसे हालात से जूझ रही हैं। कांग्रेस में जहां प्रदेश के दो शीर्ष नेताओं में सत्ता की कमान को लेकर जंग जगजाहिर है। वहीं, प्रदेश भाजपा में अनुशासनहीनता चरम पर है। भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पार्टी की छीछालेदर कराने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कुर्सी की चाह में संगठनात्मक अनुशासन की मर्यादाएं लांघते हुए उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व तक पर पैसे के लालच में पक्षपात जैसे गंभीर आरोप लगा दिए हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले राज्यों में चुनाव का दौर चल रहा है। कई राज्यों में यह पूरे अनुशासन और प्रक्रिया के अनुसार चल रहा है। लेकिन कर्नाटक में आए दिन कुछ नेता सीधे केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती देने लगे हैं। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल सीधे तौर पर बगावत का सुर फूंक रहे हैं तो कुछ पर्दे के पीछे से। इनमें कुछ सांसद भी शामिल हैं। दरअसल एक खेमा इस कोशिश में

- **कांग्रेस की राह पर भाजपा, हाईकमान के सामने सख्त निर्णय लेने की चुनौती**

बसनगौड़ा पाटिल यतनाल। फाइल

लगा है कि किसी भी तरह पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दियुरप्पा के पुत्र को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया जाए। गुरुवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यतनाल ने आरोप लगाया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व बीवाई विजयेंद्र का पक्ष लेता है, क्योंकि उनके पास पैसे की ताकत है। वह पैसे से किसी को भी मैनेज कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यतनाल ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री बनने के लिए आलाकमान को दो हजार करोड़ रुपये दिए थे। पूर्व प्रभारी महासचिव अरुण सिंह पर गंभीर आरोप लगाने वाले बसनगौड़ा ने वर्तमान प्रभारी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल पर भी आरोप लगाया कि वह बीवाई विजयेंद्र का पक्ष लेते हैं।

कुछ इसी तरह की स्थिति सत्ताधारी कांग्रेस में लगातार चल रही है। वहां भ्रष्टाचार के आरोपों और विवादों में घिरे मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर खींचतान किसी से छिपी नहीं है। एक अन्य नेता श्रीरामुलु भी अपने बयानों से पार्टी को असहज कर रहे हैं। कांग्रेस में सत्ता को लेकर खींचतान चरम पर है। हाल में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सख्त संदेश देना पड़ा था कि केंद्रीय नेतृत्व को समझाने की कोशिश न करें। उसे जो सही लगेगा वह करेंगे। भाजपा की ओर से भी यतनाल समेत लगभग आधा दर्जन नेताओं को सख्त संदेश देना पड़ेगा। माना जा रहा है कि संगठन चुनाव के बाद उन पर कार्रवाई होगी।

टीएमसी गोमाता व राम की पूजा रोकने की कर रही कोशिश : भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख और बंगाल में पार्टी के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जय श्रीराम, गौ माता की जय और भारत माता की जय के नारे लगाने पर आपत्ति जताने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने गुरुवार को दावा किया कि टीएमसी गौ माता और राम की पूजा को रोकने की कोशिश कर रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा सरकार बाजार मैदान में हिंदुओं ने भागवत कथा का आयोजन किया, जिसमें कुछ टीएमसी समर्थकों ने कथा के दौरान जय श्रीराम, गौ माता की जय और भारत माता की जय के नारे लगाने पर आपत्ति जताई। आगे लिखा- जब भागवत कथा वाचक हिरण्मय गोस्वामी महाराज ने उन्हें आगे आकर अपनी आपत्तियों को उचित ठहराने की चुनौती दी, तो किसी ने आगे आने की हिम्मत नहीं दिखाई। दूसरी ओर, बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डा सुकांत मजूमदार ने ममता सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि इस्लामी कट्टरपंथी समूह दक्षिण कोलकाता के एक प्रतिष्ठित कालेज में सरस्वती पूजा करने से रोक रहा है।

महाराष्ट्र विस चुनाव परिणाम समझ से परे : राज ठाकरे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- **मनसे प्रमुख ने कहा-भाजपा को 132 सीटें जीतना समझ में आता है, लेकिन अजीत पवार को 41 सीटें और शरद पवार को 10 सीटें समझ से परे**

राज ठाकरे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक भी सीट न जीत पाने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने चुनाव परिणाम आने के दो माह बाद अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने इन परिणामों पर सवाल खड़े किए। कहा कि ये चुनाव परिणाम समझ से परे हैं। भाजपा का 132 सीटें जीतना समझ में आता है, लेकिन अजीत पवार को 41 सीटें और शरद पवार को सिर्फ 10 सीटें मिलना समझ से परे है। गुरुवार को मुंबई में हुए अपनी पार्टी के सम्मेलन में उन्होंने चुनाव परिणामों पर मुह खोला। कहा कि कांग्रेस के सात बार विधायक रहे बालासाहब थोरात का 10 हजार मतों से हारना आश्चर्यचकित करता है। हमारी पार्टी को भी वोट मिले थे। लेकिन, वे वोट कहीं गायब हो गए। अनेक उदाहरण देते हुए भाजपा पर समय-समय पर विचारधारा बदलने का आरोप लगाते हुए कटाक्ष किया कि आप करो तो प्यार, हम करें तो...।

राम मंदिर निर्माण जैसे मुद्दों पर भाजपा ने कभी कोई समझौता नहीं किया : शेलार

राज ठाकरे के इस बयान पर अब महाराष्ट्र के अन्य दलों की ओर से भी प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा है कि अनुच्छेद 370 हटाते समय, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण आदि के मुद्दे पर भाजपा ने कभी कोई समझौता नहीं किया। इसलिए राज बयान द्वारा जो नैरेटिव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, उसे महाराष्ट्र की जनता स्वीकार नहीं करेगी।

राज ठाकरे ने जिस राकांपा को 41 सीटें मिलने पर आश्चर्य जताया है, उसके प्रवक्ता आनंद परांजपे ने भी उत्तर देते हुए कहा कि उन्होंने 128 सीटों पर लड़ा। केवल 1.55 प्रतिशत वोट पाया। उन्हें अपना चुनाव चिह्न बचाने पर ध्यान देना चाहिए, न कि राकांपा की जीती हुई सीटों पर।

भाजपा आंतरिक व बाह्य दोनों लोकतंत्र में करती विश्वास : पात्रा

राज्य ब्यूरो. जागरण ● रांची: भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि भाजपा आंतरिक और बाह्य दोनों लोकतंत्र में विश्वास करती है। संगठन की चुनाव प्रक्रिया भी लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न होगी। झारखंड भाजपा की मजबूत भूमि है।

संबित पात्रा।

भाजपा की सरकार ने ही अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अलग राज्य का सपना साकार किया। हमें मजबूत जनाधार को और आगे बढ़ाना है। भाजपा महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने बूथ से लेकर मंडल, जिला और प्रदेश स्तर की चुनाव प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा गुरुवार को झारखंड प्रदेश भाजपा कार्यालय में संगठन महापर्व के तहत आगामी संगठनात्मक चुनावों को लेकर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने की।

मप्र में समाज व सरकार के बीच सेतु का काम करेंगे भाजपा के मंडल अध्यक्ष

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

मध्य प्रदेश में नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों को भाजपा ने नई जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने उन्हें पत्र भेजकर बताया है कि कैसे काम करना है। इसके साथ ही उन्हें यशवंत राव केलकर द्वारा लिखित पुस्तक 'पूर्णांक की ओर' भेजी गई है। यह एक तरह से मंडल अध्यक्ष को कार्यपद्धति बताने वाली पुस्तक है। मंडल अध्यक्षों से पार्टी और सरकार के बीच सेतु की तरह काम करने की अपेक्षा की गई है। मंडल अध्यक्ष को कब-कहां प्रवास करना है, यह सारी बातें बताई गई हैं। हर बूथ तक व्यवस्थित और नियमित प्रवास करने के साथ संवाद और कार्यक्रम सौंपने का तौर-तरीका भी इसमें बताया गया है। उनसे अपेक्षा की गई है कि वे पार्टी के कार्यक्रम, अभियान और विभिन्न गतिविधियों में योजनापूर्वक सभी समाजों का प्रतिनिधित्व भी बढ़ाएंगे। मंडल अध्यक्ष आगामी चार वर्ष तक विधायकों के साथ मिलकर आगामी कार्ययोजना बनाकर इसे मैदानी स्तर तक

- **लोगों को दिलाएंगे सरकारी योजनाओं का लाभ, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने मंडल अध्यक्षों को लिखा पत्र**

पहुंचाएंगे।

विष्णु दत्त शर्मा ने पार्टी को समझने के लिए मंडल अध्यक्षों को भाजपा की पंचनिष्ठा भी भेजी है। इसे पढ़ने और समझने के साथ इसे राजनीतिक व्यवहार में उतारने को कहा गया है। यह भी बताया है कि भाजपा की ये पांच निष्ठाएं राजनीतिक जीवन को निखारने के साथ ही राजनीति में होने के उद्देश्य को स्पष्ट करेंगी।

विष्णुदत्त शर्मा ने पत्र में लिखा है कि आपका चेहरा समाज में भाजपा का परिचय है। आपके व्यवहार में समाज भाजपा को देखता है। इस दायित्व का निर्वहन करने के लिए संगठन की अन्य योग्यताओं के साथ हमारे सामाजिक व्यवहार की प्रामाणिकता और शुद्धता भी आवश्यक है। किसी परिवार, जाति या नेता से नहीं बल्कि पार्टी को सामूहिकता के भाव से आगे बढ़ाना है।

इटावा में भाजपा ने 36 वर्ष बाद सपा से छीनी सभापति व उपसभापति की कुर्सी

जिला सहकारी विकास संघ

जागरण संवाददाता, इटावा

सपा के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में भाजपा ने सेंध लगा दी है। पार्टी ने जिला सहकारी विकास संघ के चुनाव में 36 वर्ष बाद सफलता प्राप्त की। सपा के कब्जे में रही सभापति व उप सभापति की कुर्सी छीन ली है। अभय सेंगर सभापति व आशुतोष शुक्ला उप सभापति चुने गए। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के करीबी कृष्णपाल सिंह लगातार सभापति बन रहे थे, लेकिन गुरुवार को हुए चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

बुधवार को निदेशक मंडल के लिए चुनाव हुआ था। इसमें करीब 2200 से अधिक मतदाताओं ने 13 निदेशक चुने। एक निदेशक का मनोनयन शासन की ओर से किया गया था। सभापति के लिए सपा की ओर से कृष्ण पाल सिंह चौहान

सहकारी विकास संघ के चुनाव में जीते अध्यक्ष अभय सिंह सेंगर (बाएं से दूसरे) व उपाध्यक्ष आशुतोष शुक्ला (दाएं) का भाजपा कार्यालय पर स्वागत करते जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत। जागरण

और भाजपा से अभय सिंह सेंगर ने चुनाव लड़ा। गुरुवार को सहकारी कोल्ड स्टोरेज में निदेशक मंडल ने दोपहर दो बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एक मत निरस्त होने के बाद अभय सेंगर को विजयी घोषित कर दिया गया। इसके अलावा उप सभापति के चुनाव में सपा व भाजपा के उम्मीदवारों को सात-सात वोट हासिल हुए। इस आधार पर नतीजा टाई हो गया। परिणाम स्वरूप लाटरी से फैसला किया गया। इसमें भाजपा के आशुतोष शुक्ला उप सभापति के रूप में निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचन अधिकारी उपजिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव ने बताया कि शाम चार बजे गिनती हुई जिसमें एक मत निरस्त हुआ है।

कांग्रेस सत्ता से बाहर, निर्विरोध चुने जा रहे कई भाजपा पार्षद

छग में नगरीय निकाय चुनाव

संदीप तिवारी ● नई दुनिया

रायपुर : छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के नामांकन रद होने व नामांकन फार्म वापस लेने के बाद राजनीति में खलबली मच गई है। कांग्रेस में पार्षद से लेकर महापौर के प्रत्याशी तक का नामांकन रद हो रहा है। इसके चलते कई जगह भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध पार्षद चुने जा रहे हैं। धमतरी निगम में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी विजय गोलछा का नामांकन रद होने के बाद कांग्रेस ने इसे सत्ता का दुरूपयोग करार दिया है। साथ ही कोर्ट जाने का ऐलान किया है।

वहीं, भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस के नेता झूठ-फरेब के सहारे राजनीति करते हैं और गलत जानकारी देकर नामांकन फार्म भरने के चलते छंटाई के समय फंस रहे हैं। इससे पहले ही बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, दंतेवाड़ा और घटघोरा के पांच वार्डों में कमल खिल

- **धमतरी निगम में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी का नामांकन रद, कांग्रेस ने बताया-सत्ता का दुरूपयोग**
- **बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, दंतेवाड़ा और घटघोरा के पांच वार्डों में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए**

गया है। बता दें कि पिछली बार प्रदेश के ज्यादातर निकायों में कांग्रेस सबसे ताकतवर पार्टी रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की भाजपा सरकार आने के बाद सत्ता से बाहर हो चुकी कांग्रेस के कई प्रत्याशी नामांकन फार्म की प्रक्रिया में ही चुनावी प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जा रहे हैं। धमतरी में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी गोलछा का नामांकन रद होने के बाद अब अगले प्रत्याशी तिलक सोनकर हो सकते हैं। बिलासपुर के दीनदयाल नगर से कांग्रेस के श्याम पटेल का पर्चा रद होने के बाद भाजपा के नर्मदा पटेल निर्विरोध पार्षद चुने गए हैं। दुर्ग निगम के वार्ड-21 में भाजपा प्रत्याशी विद्यावती सिंह निर्विरोध पार्षद चुनी गईं।

राष्ट्रीय फलक

अमित शाह ने कहा- विकसित भारत की नींव हैं मोदी सरकार के 10 साल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल को विकसित भारत की नींव रखने वाला बताया है। 'इंडियन रेनेसां : द मोदी डिकेड' पुस्तक का विमोचन करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को नीतिगत पंगुता से निकालकर दुनिया में सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बनाने के साथ ही विकसित भारत का पूरा रोडमैप भी तैयार कर लिया है। पुस्तक में देश के कई गणमान्य व्यक्तियों के लेख संग्रहित हैं।

अमित शाह ने प्रधानमंत्री के काम को देश को जोड़ने वाला बताते हुए तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा दक्षिण भारत को अलग करने के बयान पर आड़े हाथों लिया। आजादी समय हुए देश के बंटवारे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक तिहाई देश को पहले ही

- **'इंडियन रेनेसां : द मोदी डिकेड' पुस्तक का गृह मंत्री ने किया विमोचन**
- **कहा, मोदी ने तैयार किया है विकसित भारत के निर्माण का पूरा रोडमैप**

काट चुके हो और कब तक काटते रहोगे। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां विपक्षी नेता दक्षिण भारत को अलग करने की बात कर रहे हैं, वहीं पीएम काशी तमिल संगमम के माध्यम से देश की एकता को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

अमित शाह ने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश के सभी क्षेत्रों में किए गए बदलावों और लोगों के जीवन में लाए गए सकारात्मक परिवर्तन का हवाला देते हुए कहा कि आने वाले समय में इसे स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। कोई भी इतिहासकार मोदी सरकार के इस कालखंड को अनदेखा नहीं कर सकता है। उन्होंने इस कालखंड की तुलना वटवृक्ष के बीज के साथ की, जो आने वाली सदियों में विकसित भारत का विशाल वटवृक्ष बनाने का काम करेगा। कहा कि आने वाले समय में इतिहासकार मोदी के पहले और मोदी के बाद के भारत के रूप में इतिहास का लेखन करेंगे।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश को जटिल समस्याओं से मुक्ति दिलाने का काम किया है, जिसके बारे में पहले सोचा भी नहीं जा सकता था। इस सिलसिले में उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ ही राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करने का जिक्र किया। मोदी सरकार के दौरान भारत के पुनर्जागरण का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि इस दौरान गुलामी की निशानी से पूरी तरह से मुक्ति के लिए कई कदम उठाए गए। इनमें अंग्रेजों के बनाए आपराधिक कानूनों की जगह भारतीय आत्मा के साथ नए आपराधिक कानून बनाना भी शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिख आशा कार्यकर्ताओं ने की अपने अधिकारों की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र: आशा कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे बड़े संगठन ने केंद्र से कहा है कि उन्हें वैधानिक अधिकारों के साथ आधिकारिक कर्मचारी के रूप में मान्यता दी जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को गुरुवार को लिखे एक खुले पत्र में आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर्स फेडरेशन आफ इंडिया ने 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में 250 मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। लेकिन उसने चयन मानदंडों पर सवाल उठाते हुए आशा कार्यकर्ताओं के लिए वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा की कमी की आलोचना की। पत्र में कहा गया है कि आशा कार्यकर्ता तपेदिक और अन्य संक्रामक रोगों के खिलाफ भारत की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान उनके योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों अपने पार्षदों को चंडीगढ़ से ले गए थे बाहर

प्रथम पृष्ठ से आगे

एक पार्षद ने तो किसी भी पद पर अपने प्रत्याशियों को वोट न कर भाजपा को वोट दिया। आप-कांग्रेस दोनों भाजपा की सेंधमारी के डर से नामांकन के बाद ही अपने पार्षदों को शहर से बाहर ले गए थे। आप के पार्षद रोपड़ स्थित कीकर लाउंज में रुके और कांग्रेस के लुधियाना में। पार्षदों के फोन की निगरानी हुई। वरिष्ठ नेता साथ में रहकर नजर रख रहे थे, लेकिन वोट क्रास होने से नहीं रोक पाए।

मेयर चुनाव का परिणाम आते ही प्रत्याशी प्रेमलता सदन में अपनी सीट से पीछे बैठीं पार्षद जसविंदर कौर और अंजू कत्याल को बुरा भला कहने लगीं। जसविंदर और अंजू भी मेयर पद की प्रबल दावेदार थीं। दोनों ने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर भी की थी। प्रेमलता को सांसद मनीष तिवारी ने वहां से उठाकर अपने साथ में बिठाया। डिप्टी मेयर का चुनाव जीतने के बाद तरुणा

मेयर पद जीतने के बाद पदभार संभालने पहुंची हरप्रीत कौर बबला पति दविंदर सिंह बबला से मिलकर भावुक हो गईं। उपेंद्र सेनगुप्ता

डिप्टी मेयर पद

कुल वोट	36
वोट डली	36
वैध वोट	36
तरुणा मेहता (कांग्रेस)	19
लखबीर सिंह बिल्लू (भाजपा)	17

मेयर पद पर किसे कितने मिले वोट

कुल वोट	36
वोट डली	36
वैध वोट	36
हरप्रीत कौर बबला	19
प्रेमलता	17

सीनियर डिप्टी मेयर पद पर किसे कितने वोट मिले

कुल वोट	36
वोट डली	36
वैध वोट	36
जसबीर सिंह बंटी (कांग्रेस)	19
बिमला दुबे (भाजपा)	17

वोट गणित

कुल वोट	36
भाजपा	16
आप	13
कांग्रेस	6
सांसद	1

मेहता प्रेमलता से गले मिलने लगीं। निगम के फोटोग्राफर ने इस अवसर की फोटो खींचनी चाही तो प्रेमलता उस पर भड़क गईं।

दूसरे राज्यों के सीटीईटी और टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों पर रोक

झारखंड शिक्षक भर्ती परीक्षा

नई दिल्ली, आइएएनएस: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 26,000 सहायक शिक्षकों की भर्ती परीक्षा मामले में झारखंड हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) या अन्य राज्यों से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण की है, वे झारखंड शिक्षक की भर्ती परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे।

शीर्ष अदालत ने कहा कि केवल वे उम्मीदवार भर्ती परीक्षा के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) उत्तीर्ण की है। यह फैसला जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ ने सुनाया है।

झारखंड टीईटी उत्तीर्ण उम्मीदवारों परिमल कुमार और अन्य द्वारा झारखंड

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इसके लिए जेटीईटी उत्तीर्ण उम्मीदवार ही योग्य है**
- **झारखंड टीईटी उत्तीर्ण उम्मीदवारों ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी**

हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन और वकील अमृतांश वत्स ने तर्क दिया कि जेटीईटी उम्मीदवारों को झारखंड की क्षेत्रीय भाषाओं जैसे संथाली, खोरठा और नागपुरी का ज्ञान है।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत अन्य राज्यों के सीटीईटी उम्मीदवारों में इन भाषाओं में दक्षता की कमी हो सकती है, जो झारखंड के प्राथमिक विद्यालयों में प्रभावी शिक्षण में बाधा उत्पन्न कर सकती है, जहां क्षेत्रीय भाषा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सीटीईटी उम्मीदवारों को भाग लेने की अनुमति देना शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रविधानों का उल्लंघन होगा।

बांग्लादेश ने बंगाल को लेकर कभी नहीं दिखाई उदारता : तसलीमा नसरीन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता :

बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने 48वें अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में बांग्लादेश का पवेलियन नहीं होने के लिए वहां की सरकार को दोषी ठहराया है।

उन्होंने एक्स पर लिखा-'बांग्लादेश ने बंगाल को लेकर कभी उदारता नहीं दिखाई। बांग्लादेश में आयोजित होने वाले पुस्तक मेले में कभी बंगाल को पवेलियन के लिए जगह नहीं दी गई जबकि बंगाल ने हमेशा अपने यहां बांग्लादेश को स्थान दिया। कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो बरसों दूसरों के घर न्योता खाने जाते हैं लेकिन उन्हें अपने घर कभी नहीं बुलाते।'

तसलीमा ने आगे कहा-'बांग्लादेश में भारत-विरोधी हवा चल रही है। वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। कट्टरपंथियों का फिर से उत्थान हो रहा है। आतंकी संगठन सिर उठा रहे हैं। इन्हीं सब कारणों से कोलकाता पुस्तक

- **कोलकाता पुस्तक मेले में बांग्लादेश का पवेलियन नहीं होने के लिए वहां की सरकार दोषी**
- **निर्वासित लेखिका ने कड़े शब्दों में कहा- ऐसा मित्र होने से न होना है अच्छा**
- **कहा- बांग्लादेश में भारत-विरोधी हवा चल रही है, वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। कट्टरपंथियों का फिर से उत्थान हो रहा है**

मेले के आयोजक को यह कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा है।'

बांग्लादेश की प्रख्यात लेखिका तसलीमा नसरीन ने कड़े शब्दों में यह भी कहा कि ऐसा 'मित्र' होने से न होना अच्छा है।

मालूम हो कि 'लज्जा' व 'आमार मेयेबेला' जैसी पुस्तकों की लेखिका तसलीमा अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में रहती हैं। कोलकाता पुस्तक मेले का आयोजन करने वाली संस्था पब्लिसर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड के अध्यक्ष त्रिदिब कुमार चटर्जी ने कहा कि बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों व कोलकाता पुस्तक मेले की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बार वहां के प्रकाशकों को पवेलियन के लिए जगह नहीं दी गई है।

मालूम हो कि कोलकाता पुस्तक मेले में 1996 से बांग्लादेश का पवेलियन लगता आ रहा है। इस बार थीम कंट्री जर्मनी है। पिछले 28 वर्षों में यह पहला मौका है, जब बांग्लादेश के प्रकाशक नदारद हैं।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गत 28 जनवरी को कोलकाता पुस्तक मेले का उद्घाटन किया था। आगामी नौ फरवरी तक चलने वाले पुस्तक मेले में फ्रांस, इटली, स्पेन, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका समेत विभिन्न देशों के प्रकाशकों ने हिस्सा लिया है।

आइआइटी कानपुर की महिला कर्मी से यौन शोषण, बयान दर्ज

जागरण संवाददाता, कानपुर

आइआइटी कानपुर के साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की महिलाकर्मी के यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस के साथ संस्थान की आंतरिक शिकायत जांच समिति ने पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने गुरुवार को पीड़िता के मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कराए हैं, जबकि आरोपित की तलाश की जा रही है। उसके किराये के घर पर ताला लगा है। पुलिस संस्थान के अधिकारियों और स्टाफ से पूछताछ कर सकती है। संस्थान में पांच माह के भीतर यौन उत्पीड़न का यह दूसरा मामला है। इससे पहले कानपुर कमिश्नरेट में एसीपी रहे मोहसिन खान पर आइआइटी की शोध छात्रा से यौन शोषण का आरोप लगा था। एसीपी के मामले की पुलिस जांच अभी चल रही है।

संस्थान में साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाली उत्तर पूर्वी भारत की इंजीनियर ने इंदौर निवासी साथी

- **संस्थान में प्रोजेक्ट के सहकर्मी पर लगाया है यौन उत्पीड़न का आरोप**
- **कल्याणपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी, आरोपित कर्मचारी फरार**

कर्मचारी शुभम मालवीय पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तीन दिन पूर्व विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता आइआइटी परिसर में ही रहती है, जबकि आरोपित कल्याणपुर में किराये के मकान पर रह रहा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक महिलाकर्मी पांच महीने पहले ही संस्थान में आई है। उसने शुरुआत में सहकर्मियों से मेलजोल नहीं रखा था, लेकिन बाद में कुछ लोगों से दोस्ती की। आरोपित इंजीनियर भी उसी में एक है। वह उस पर विश्वास करने लगी, लेकिन इंजीनियर ने अन्य युवती से दोस्ती कर रखी थी। वह अक्सर उससे चोरी-छिपे बातें करता था।

****

12 जिलों के लगभग 474 ऐसे ग्राम पंचायत, तोक व राजस्व गांव चिन्हित किए थे उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग ने हरिद्वार जिले को छोड़ कर। यहां 50 प्रतिशत से अधिक पलायन हो चुका था।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ का षड्यंत्र विफल, तीन आतंकी ढेर

आतंकियों ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश का किया प्रयास, आपरेशन जारी

जागरण संवाददाता, राजौरी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा पर गुरुवार देर शाम को सीमा पार से घुसपैठ के एक बड़े षड्यंत्र को सेना ने विफल बनाते हुए तीन आतंकियों को मार गिराया। घेरे में फंसे करीब चार आतंकियों व सेना के जवानों के बीच देर रात तक गोलीबारी जारी रही। इस दौरान एलओसी पर बारूदी सुरंगों में विस्फोट भी हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, सेना ने अतिरिक्त संख्या में जवानों को एलओसी पर भेज दिया है, ताकि घेरे में फंसे आतंकियों का भी सफाया किया जा सके। वहीं, सेना के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंच चुके हैं और पूरे आपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि सेना ने अभी मारे गए आतंकियों की पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के अनुसार, पुंछ जिले के गुलपुर सेक्टर के खड़ी करमाड़ा क्षेत्र से गुरुवार देर शाम करीब सात बजे छह से सात आतंकियों के एक दल ने भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने का प्रयास किया। इस दौरान सेना के जवानों ने एलओसी पर हलचल देखी। घुसपैठ की आशंका

प्रतीकात्मक।

को भांपकर जवानों ने आसपास की सुरक्षा चौकियों को अलर्ट किया और उच्चाधिकारियों को सूचित कर आतंकियों को ललकारा। इस बीच घुसपैठियों ने गोलीबारी करते हुए वापस भागने का प्रयास किया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ ही देर में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया। इसके बाद एक और आतंकी मारा गया।

सूत्रों के अनुसार, एलओसी पर तीन से चार आतंकी अभी भी घेरे में फंसे हैं और दोनों तरफ से लगातार गोलीबारी जारी है। बताया जा रहा है कि सेना ने तीन एके राइफलों को बरामद किया है, जबकि अभी तक किसी आतंकी का शव बरामद नहीं हुआ है। एलओसी पर बारूदी सुरंगों में भी विस्फोट हुए हैं। देर रात तक आपरेशन जारी था।

डोडा में आतंकियों की तलाश में अभियान

जम्मू संभाग के डोडा में आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार को क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान डोडा पुलिस और सीआरपीएफ ने सुबह 8 :30 बजे डोडा के दोरहू, बस्ती और भद्रवाह के आसपास के वन क्षेत्र में शुरू किया। देर शाम तक सुरक्षाबलों को कोई सूचना तो नहीं मिली, लेकिन अभी भी अभियान जारी रखा गया है। उल्लेखनीय है कि डोडा के जंगलों में पिछले वर्ष कई आतंकी घटनाएं हुई थीं। आतंकियों ने छत्रगला में सुरक्षाबलों के शिविर पर गोलियां बरसाई थी, जिसमें एक जवान घायल हो गया था।

अमरोहा में ईसाई युवती से दुष्कर्म, नमाज पढ़ने का बनाया दबाव

जागरण संवाददाता, अमरोहा : अमरोहा के जोया में लव-जिहाद का मामला सामने आया है। साजिद ने ईसाई युवती को झांसे में लेकर पहले साझेदारी में ब्यूटी पार्लर खोला। इसके बाद उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। विरोध करने पर शादी करने की बात कहकर चुप कर दिया। फिर वह मतांतरण करने के लिए दबाव बनाने लगा। युवती के शिकायत करने पर उनके साथ अपने स्वजन के साथ मिलकर मारपीट की। प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि मामले में साजिद, उसके भाई नासिर और पिता अख्तर अली के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ईसाई परिवार की एक युवती की पहचान साजिद नामक युवक से थी। उसका घर भी आना-जाना था। कुछ दिन पहले साजिद ने युवती को भरोसे में लेकर साझेदारी में ब्यूटी पार्लर खोल लिया। आरोप है कि साजिद युवती को लेकर रिश्तेदारी में अमरोहा गया। वहां कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर अर्द्धबेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद साजिद युवती पर मतांतरण करने का दबाव बनाने लगा। ब्यूटी पार्लर में नमाज पढ़ने को कहने लगा। मतांतरण न करने पर उसने शादी करने से इन्कार कर दिया।

देहरादून में मतांतरण से इन्कार करने पर किशोरी की हत्या

जागरण संवाददाता, देहरादून

- उप्र के लखीमपुर खीरी की किशोरी को प्रेमजाल में फंसा कर देहरादून लाया था संप्रदाय विशेष का युवक

लव जिहाद से जुड़े मामले में मतांतरण से इंकार करने पर लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) से देहरादून लाई गई 17 वर्षीय किशोरी की प्रेमनगर, कंडोली के जंगल में गला दबाकर हत्या कर दी गई। किशोरी के पिता ने हथियारों के बल पर बेटी का अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाते हुए लखीमपुर के थाना-पढ़ुवा में मुकदमा दर्ज कराया है। हालांकि, देहरादून पुलिस ने अभी सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म के आरोप फोरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस ने घटना में मुख्य आरोपित मुस्लिम युवक को देर रात लखीमपुर में गिरफ्तार कर लिया। जबकि इससे पहले उसके दो सगे व दो चचेरे भाइयों को देहरादून से गिरफ्तार किया गया था। उन्हीं की निशानदेही पर शव जंगल से बरामद हुआ। घटना को लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश है। वहीं, किशोरी के गांव में भी तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस घटना से देहरादून पुलिस पूरी तरह अंजान थी, जब लखीमपुर खीरी पुलिस अपहृत किशोरी की तलाश में यहां पहुंची तो घटना का राजफाश हुआ। लखीमपुर पुलिस शव और गिरफ्तार आरोपितों को अपने साथ ले गई है। एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने बताया कि किशोरी के पिता ने लखीमपुर खीरी में 26 जनवरी को स्थानीय निवासी आसिफ उर्फ छोटू व उसके परिवारवालों के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में पता चला कि आसिफ ने किशोरी को प्रेमजाल में फंसा कर शादी का झांसा दे दून लाया था। बुधवार देर रात लखीमपुर खीरी के थाना पढुवा पुलिस की एक टीम जांच के आधार पर दून पहुंची और किशोरी के दून में होने की जानकारी दी। पुलिस ने दून के पटेलनगर क्षेत्र से आसिफ के भाई रज्जब व शमशाद और दो चचेरे भाई जिब्राइल व जुबैर को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी मूलरूप से ग्राम गौरिया जनपद लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं।

आरोपितों ने बताया कि आसिफ और वह सभी किशोरी पर मतांतरण का दबाव डाल रहे थे। नहीं मानने पर किशोरी को वह 27 जनवरी की रात प्रेमनगर, कंडोली के जंगल में ले गए और गला दबाकर हत्या कर दी। शव को पोस्टमार्टम के बाद लखीमपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। इसके साथ ही गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश कर लखीमपुर खीरी पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ ले गई।

गर्मी में राहत दे सकता है ला-नीना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- प्रशांत महासागर में सबसे छोटी अवधि के लिए सक्रिय हुआ ला-नीना, लेकिन स्थित कमजोर
- जनवरी में 70 प्रतिशत कम हुई वर्षा, ला नीना के कारण फरवरी में थोड़ी अधिक की उम्मीद
- नीना के प्रभाव वाले वर्ष में सर्द मौसम में सामान्य से कम तापमान देखा जाता

मध्य एवं पूर्वी प्रशांत महासागर में ला-नीना की स्थिति बन गई है। यह बेहद कमजोर है, फिर भी भारत के मौसम पर आंशिक असर पड़ना तय माना जा रहा है। कहा जा रहा कि यह अप्रैल तक सक्रिय रह सकता है।

सामान्य तौर पर ला-नीना के दौरान प्रशांत महासागर की सतह का तापमान माइनस 0.5 डिग्री तक कम हो जाता है। इससे भारत में वर्षा अधिक होती है और गर्मी के मौसम में तापमान नियंत्रित रहता है।

ला-नीना के संबंध में अमेरिका के मौसम अनुमान केंद्र (सीपीसी) के दावे के बाद भारत में इसके असर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार भारतीय जलवायु पर ला-नीना का व्यापक असर देखा जाता है। वह पहले ही बता चुका है कि भारत में ला-नीना 2025 की शुरुआत में आ सकता है, जिसके असर से मौसम में अनियमितता देखी जा सकती है। ऐसा हुआ भी।

समय पर ला-नीना के सक्रिय नहीं होने के चलते ठंड देर से शुरू हुई और कम पड़ी।

प्रतीकात्मक

निजी एजेंसी स्काइमेट के अध्यक्ष (मौसम) जीपी शर्मा का भी मानना है कि ला-नीना की सामान्य शुरुआत हुई है। 1950 के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि ला-नीना सबसे छोटी अवधि के लिए सर्दियों में सक्रिय हो रहा है। देश में इस वर्ष जनवरी में 70 प्रतिशत तक कम वर्षा हुई है। ला-नीना के चलते फरवरी में थोड़ी अधिक वर्षा की उम्मीद है, लेकिन इतना भी नहीं कि जनवरी की कमी को पूरा किया जा सके।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, ला-नीना की स्थिति इतनी कमजोर है कि अभी इसका कोई असर नहीं पड़ने जा रहा, किंतु यदि आगे के दिनों में यह थोड़ा भी मजबूत हुआ और अवधि में वृद्धि हुई तो वर्षा और गर्मी दोनों मौसमों को प्रभावित कर सकता है।

आमतौर पर ला-नीना के सक्रिय रहने के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसूनी मौसम में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होती है। हालांकि सुदूर उत्तर और पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्र ज्यादा प्रभावित नहीं होते।

ला-नीना के प्रभाव वाले वर्ष में सर्द मौसम में सामान्य से कम तापमान देखा जाता है। बरसात में अत्यधिक बारिश से बाढ़, फसलों को क्षति एवं पशुधन की हानि हो सकती है। इससे असिंचित क्षेत्रों में कृषि को लाभ और भूजल स्तर में सुधार होता है।

लालचौक पर शान-ए-तिरंगा...

श्रीनगर का ऐतिहासिक लालचौक गुरुवार को राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत रहा। भारत माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यह मौका था शान-ए-तिरंगा रैली का। 70 फीट लंबे राष्ट्रीय ध्वज के तले यह रैली टीआरसी चौक से लालचौक तक निकाली गई। इसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय की छात्राएं भी थीं। साहिल मीर

न्यूज गैलरी

रशीद की याचिका पर एनआइए से मांगा जवाब

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने संसद सत्र में भाग लेने के लिए आतंकी फंडिंग मामले में बारामूला के सांसद इंजीनियर रशीद को अंतरिम जमानत देने के मुद्दे पर एनआइए से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने एनआइए से पूछा कि क्या वह संसद सत्र में शामिल होने के लिए इंजीनियर रशीद को रिहा करने को तैयार है? इस पर एएनआइए की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि वह इस विषय पर निर्देश लेंगे। इंजीनियर रशीद की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरिहरन ने कहा कि उनके मुवक्किल संसद के आगामी बजट सत्र में भाग लेना चाहते हैं। 31 जनवरी से चार अप्रैल तक चलने वाले सत्र में शामिल होने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत दी जाए। (जासं)

राहुल गांधी के विरुद्ध दायर परिवाद निरस्त

सुलतानपुर : मुस्लिमों पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में कांग्रेस राहुल गांधी के विरुद्ध दायर परिवाद को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने गुरुवार को निरस्त कर दिया। उन्होंने आदेश में लिखा है कि मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। कांग्रेस नेता पर 12 वर्ष पहले आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाकर परिवाद दायर किया गया था। इस मामले के परिवादी मोहम्मद अनवर अधिवक्ता हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 24 अक्टूबर, 2013 को मध्य प्रदेश के इंदौर की एक चुनावी जनसभा को राहुल गांधी संबोधित कर रहे थे। भाषण के दौरान वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर के दंगे का जिक्र करते हुए राहुल ने मुसलमान युवकों का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से संपर्क होने का बयान दिया था। (जासं)

बीपीएससी अभ्यर्थियों का आक्रोश मार्च, 350 पर केस

पटना : बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की एकीकृत 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा को रद कर नए सिरे से आयोजन को मुद्दा बनाकर गुरुवार को अभ्यर्थियों, शिक्षकों व विभिन्न छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पटना में आक्रोश मार्च निकाला। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले 350 प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी की है। वहीं, एक कोचिंग संचालक समेत 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिला प्रशासन ने बताया कि गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने राजधानी के विभिन्न मार्गों पर प्रदर्शन कर यातायात बाधित किया। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। इन लोगों ने एक पुलिस अधिकारी को धक्का देकर गिरा दिया। (जासं)

बिहार में सांसद के साथ मारपीट, सिर फटा

जागरण संवाददाता, भभुआ (कैमूर)

बिहार में सासाराम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद मनोज कुमार की उनके ही गांव कुदरा प्रखंड के निकट नाथूपुर में पिटाई कर दी गई, जिससे उनका सिर फट गया। मोहनियां अनुमंडल अस्पताल के डा. साहिल राज ने बताया कि सांसद के सिर में चोट है, दो टांके लगाए गए हैं। पटना रेफर किया गया है। मारपीट में सांसद के सुरक्षा गार्ड व निजी सचिव भी चोटिल हैं। उधर, दूसरे पक्ष से झारखंड से सेवानिवृत्त डीएसपी अखिलेश्वर चौबे एवं एक अन्य ग्रामीण घायल हैं। दोनों पक्ष में लाठी-डंडे से मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। विवाद की शुरुआत गांव में ही सांसद के भाई के स्कूल के सामने खड़ी बसों को रास्ते से हटाने के लिए कहने को लेकर हुई। मामले में सांसद का पक्ष नहीं मिल सका।

एसपी हरिमोहन शुक्ल ने बताया कि दोनों पक्ष से प्राथमिकी हुई है। घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी ने कहा कि नाथूपुर गांव के पास सांसद मनोज कुमार के भाई मृत्युंजय भारती का विद्यालय है, उनका वहां के ग्रामीणों से कुछ विवाद चल रहा है। इस मामले में सांसद सुलह कराने पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों की ओर से झड़प और मारपीट हो गई। मारपीट में सांसद व उनके गार्ड समेत छह-सात लोग घायल हो गए।

सदर अस्पताल में इलाजरत घायल सांसद। जागरण

जानकारी के अनुसार चिलबिली पैक्स के निर्वाचित अध्यक्ष सुनील कुमार चतुर्वेदी का विजय जुलूस स्कूल के सामने से जा रहा था। ग्रामीणों ने जुलूस को रास्ता देने को बसें हटाने के लिए कहा तो स्कूल कर्मियों ने मिलकर सेवानिवृत्त डीएसपी व एक अन्य व्यक्ति की पिटाई कर दी। सूचना पर सांसद बीच-बचाव करने पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हीं पर डंडा चला दिया।

मारपीट में घायल दूसरे पक्ष के सेवानिवृत्त डीएसपी अखिलेश्वर चौबे ने बताया कि उन्हें पुलिस के सामने पीटा गया। आरोप लगाया कि सांसद के परिवार द्वारा नाजायज तरीके से जमीन ली गई है, उसी को लेकर खुन्नस है।

सीबीआइ ने यूजीसी-नेट पेपर लीक में दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने 2024 यूजीसी-नेट से संबंधित मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। यह परीक्षा इस इनपुट के बाद रद कर दी गई थी कि इसका प्रश्नपत्र डार्कनेट पर लीक हो गया था और टेलीग्राम पर बेचा जा रहा था।

डार्कनेट इंटरनेट का एक ऐसा हिस्सा है जिसे केवल विशेष साफ्टवेयर का उपयोग करके ही एक्सेस किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ताओं की आनलाइन गतिविधि को गुमनाम और निजी रखने के लिए किया जाता है।

क्लोजर रिपोर्ट में सीबीआइ ने कहा कि मामले में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं है। एजेंसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी एक रिपोर्ट भेजी। अदालत अब तय करेगी कि रिपोर्ट को स्वीकार करके मामले को बंद किया जाए या एजेंसी को आगे की जांच करने का निर्देश दिया जाए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पाया कि 18 जून, 2024 की परीक्षा के लिए ''लीक'' हुए प्रश्नपत्र के साथ ''छेड़छाड़'' की गई और कुछ पैसे कमाने के लिए एक छात्र इसका स्क्रीनशाट प्रसारित कर रहा था।

न्यायिक आयोग से बोले पीड़ित- पुराने दंगों की हो दोबारा जांच

जागरण संवाददाता, संभल

- संभल हिंसा की जांच कर रहे आयोग ने 22 अधिकारियों के बयान दर्ज किए
- पहले भी दो बार दौरा कर चुका है आयोग, 15 के बाद फिर आएगा

जामा मस्जिद के सर्वे के विरोध में हुई हिंसा की जांच को गठित न्यायिक आयोग गुरुवार को तीसरी बार संभल स्थित लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह पहुंचा तो 1978 व 1995 के दो दंगा पीड़ित परिवार पुराने दंगों की जांच की मांग करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर पहुंच गए। इस पर एसडीएम वंदना मिश्रा ने उन्हें ज्ञापन लेकर लौटा दिया। पिछली बार जब आयोग जिले में पहुंचा था तब भी पुराने दंगों की जांच की मांग उठाई गई थी। आजादी के बाद से संभल में अब तक 16 बार दंगे हो चुके हैं।

इस बीच आयोग ने छह घंटे रहकर 22 पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और शवों के पोस्टमार्टम व घायलों का इलाज करने वाले चिकित्सकों के बयान दर्ज किए। सभी ने पूर्व में आयोग को शपथ पत्र दिए थे।

24 नवंबर, 2024 को जामा मस्जिद में वीडियोग्राफी कराने के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक अधिकारी व पुलिसकर्मी घायल हो गए।

सेवानिवृत्त जज देवेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित न्यायिक जांच आयोग में सेवानिवृत्त आइपीएस एके जैन और सेवानिवृत्त आइएएस अमित मोहन प्रसाद सदस्य हैं। आयोग ने इससे पहले एक दिसंबर को पहली बार आकर हिंसा प्रभावित जामा मस्जिद क्षेत्र का जायजा लेकर अधिकारियों से बात की।

गुरुवार को आयोग के समक्ष सीएमओ डा. तरुण पाठक, हिंसा में घायल डिप्टी कलेक्टर रमेश बाबू, एएसपी श्रीश्चंद्र, प्रभारी निरीक्षक नखासा गजेंद्र सिंह के अलावा घायलों का इलाज व शवों का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों के भी बयान दर्ज कराए। आयोग 15 फरवरी के बाद फिर आएगा।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में पूर्व आइएएस पर केस चलाने की मंजूरी

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत में सीबीआइ ने जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले में पूर्व आइएएस अधिकारी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दाखिल की। सीबीआइ ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से पूर्व आइएएस अधिकारी आरके महाजन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी ले ली गई है।

विदित हो कि महाजन तत्कालीन रेलवे मंत्री लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान रेलवे बोर्ड में कार्यरत थे। सुनवाई के दौरान सीबीआइ की ओर से वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक डीपी सिंह ने अधिवक्ता मनु मिश्रा के माध्यम से विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को अभियोजन की मंजूरी सौंप दी।

सीबीआइ ने कुल 30 सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति दर्ज की। सीबीआइ ने इस घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके स्वजन व कई अन्य लोगों को आरोपित बनाया है।

चिंताजनक

उत्तराखंड के पहाड़ों पर बसा धूरा तोक हुआ जनशून्य

दो साल पहले तक थे 12 परिवार, गणतंत्र दिवस के दिन अंतिम परिवार छोड़ गया गांव, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य आदि सुविधाओं के अभाव में गांव छोड़ने को मजबूर हुए ग्रामीण

जागरण संवाददाता, अल्मोड़ा

सड़क, स्वास्थ्य, स्कूल व पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में उत्तराखंड के पर्वतीय गांव लगातार खाली होते जा रहे हैं। पलायन निवारण आयोग की सर्वे रिपोर्ट के बाद भी वीरान होते जा रहे गांवों को आबाद करने का रोडमैप धरातल पर नहीं उतर पाया है। यही हाल अल्मोड़ा जिले के सकनियाकोट गांव के धूरा तोक का भी है। यहां रहने वाले लोगों की समस्याएं बढ़ती गईं और समाधान न निकला तो दो साल के भीतर 12 परिवार गांव छोड़ गए। 26 जनवरी को गांव में अंतिम परिवार ने भी गांव छोड़ दिया।

जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर हवालबाग ब्लाक स्थित सकनियाकोट गांव का धूरा तोक कभी आबाद हुआ करता था। यहां दो वर्ष पहले तक 12 परिवार निवास करते थे। सड़क को लेकर तो ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों व विभागीय अधिकारियों से बात की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस कारण बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य के कारण भी लोग गांव छोड़ने पर मजबूर हुए। गांव में कुंदन नयाल का ही एकमात्र परिवार बचा हुआ था। गांव में अकेले पड़ गए कुंदन भी 26 जनवरी को जिला मुख्यालय के खत्याड़ी क्षेत्र में रहने चले गए हैं। तीन संतानों में से एक पुत्री की शादी करा चुके हैं। अब दो पुत्रों के साथ अल्मोड़ा में रहकर उन्हें शिक्षा दिला रहे हैं।

अल्मोड़ा जिले के सकनियाकोट ग्राम पंचायत का धूरा तोक अब पूरी तरह से खाली हो चुका है। जागरण

उत्तराखंड के 12 जिलों में 474 गांव पलायन प्रभावित : उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग ने हरिद्वार जिले को छोड़ प्रदेश के 12 जिलों के लगभग 474 ऐसे ग्राम पंचायत, तोक व राजस्व गांव चिन्हित किए थे जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक पलायन हो चुका था। इसमें सकनियाकोट का धूरा तोक शामिल नहीं था। यह गांव पिछले दो वर्षों में ही खाली हुआ है।

11 ब्लाकों के 78 तोक पलायन प्रभावित

पलायन निवारण आयोग के अनुसार अल्मोड़ा व पौड़ी राज्य के सर्वाधिक पलायन प्रभावित जिले हैं। अल्मोड़ा के 11 ब्लाकों में 78 तोकों में सबसे अधिक पलायन है। समिति इन गांवों में योजना तैयार कर पलायन कम करने के लिए प्लान बना रही है।

दो साल पहले तक 12 परिवार निवास करते थे तो एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते थे लेकिन सब चले गए तो उनका परिवार अकेला पड़ गया था।
कुंदन नयाल, निवासी धूरा

कहीं भी निवास करने के लिए सड़क, स्कूल, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं जरूरी हैं। इन्हीं अभावों के कारण दो साल पहले गांव से ब्लाक मुख्यालय जाना पड़ा। **महेंद्र नयाल निवासी धूरा**

जो गांव पलायन प्रभावित हैं, उनके लिए योजना बना विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन गांवों के विकास को लेकर बैठकें भी होती रहती हैं। सकनियाकोट के धूरा तोक का अध्ययन कराएंगे।
-आलोक कुमार पांडेय, जिलाधिकारी, अल्मोड़ा

****

मोदी खोलेंगे तीन लाख रोजगार की राह

राजीव सक्सेना • जागरण

- नवरात्र में हो सकता रमईपुर स्थित मेगा लेदर क्लस्टर का शिलान्यास
- जमीन के विवाद पूरी तरह खत्म, डीएम को इसका प्रस्ताव दिया गया

कानपुर : कानपुर के रमईपुर में 400 करोड़ रुपये के मेगा लेदर क्लस्टर को अब आकार देने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। जमीन का विवाद खत्म करके जिलाधिकारी को प्रस्ताव दे दिया गया है। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नवरात्र में इसका शिलान्यास कराने की तैयारी है। मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में शिलान्यास हो सकता है और तीन लाख लोगों के रोजगार की राह खुल सकती है। मेगा लेदर क्लस्टर के आसपास दो किमी के क्षेत्र में रेस्तरां, होटल खोलने की तैयारी है।

टेनरियों का दूषित पानी गंगा में न जाए, उसके लिए केंद्र सरकार ने मेगा लेदर क्लस्टर की घोषणा की थी। एक जनवरी 2021 को इसकी मंजूरी दी गई थी। जमीन को छोड़कर प्रोजेक्ट की लागत 400 करोड़ रुपये है। उसके निर्माण के लिए ही मेगा लेदर क्लस्टर डेवलपमेंट उत्तर प्रदेश नामक नान प्राफिटेबल कंपनी बनाई गई थी। प्रोजेक्ट को 2026 तक बनना है। यहां तीन लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिलने का दावा किया जा रहा है। 97 हेक्टेयर में बनने वाले मेगा लेदर क्लस्टर के लिए जमीन की खरीद के साथ ही उसकी रजिस्ट्री का काम पूरा हो चुका है। बुधवार को मेगा लेदर क्लस्टर उप्र के संचालक अशरफ रिजवान ने जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह को इसकी जानकारी दे दी और उन्हें योजना के लिए तैयार प्रस्ताव भी सौंप दिया। लंबे समय तक इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन का पेच फंसा रहा। मामले में जब राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई तो प्रोजेक्ट में तेजी आई। अशरफ रिजवान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने इस प्रोजेक्ट को दिया है, इसलिए उनसे ही उसका शिलान्यास कराया जाएगा। जिलाधिकारी की तरफ से अब प्रदेश सरकार को प्रस्ताव जाएगा।

मौनी अमावस्या के दूसरे दिन दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

आस्थावानों ने पवित्र जलधारा में किया स्नान, गंगा व यमुना के घाटों पर रही अपार भीड़

तीन बजे से लगने लगी त्रिवेणी में डुबकी, श्रद्धालुओं का आना दिनभर रहा जारी

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

मौनी अमावस्या के दूसरे दिन गुरुवार को पावन त्रिवेणी समेत सभी स्नान घाट भक्तों व स्नानार्थियों से सराबोर दिखे। बड़ी संख्या में ऐसे श्रद्धालु भी थे, जो बुधवार को भीड़ के कारण स्नान नहीं कर पाए थे। गुरुवार को गुप्त नवरात्र की प्रतिपदा थी। इसलिए भी जमकर स्नान हुआ। मध्य रात्रि लगभग तीन बजे शुरू हुआ स्नान का क्रम दिनभर चलता रहा। मेला प्रशासन का दावा है लगभग दो करोड़, छह लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 29 जनवरी तक कुल 27.58 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का दावा था। यह संख्या 2019 में कुल स्नानार्थियों की संख्या 24.50 करोड़ से अधिक है।

गुरुवार को स्नान कर रहे स्नानार्थियों के चेहरों पर लंबी यात्रा की थकान तो दिखी, मगर उत्साह और उल्लास में कोई कमी नजर नहीं आई। संगम तट के साथ ही झूंसी व अरैल की तरफ बने कच्चे व पक्के स्नान घाटों पर भी विशाल जनसागर दिखा। नागपुर से सपरिवार आए मुकेश भगत का कहना था कि अरैल की तरफ से प्रवेश करने के बाद भारी भीड़ के कारण किला घाट पहुंचने में मुश्किल तो हुई, मगर पवित्र जलधारा में डुबकी लगाते ही नई ऊर्जा का संचार हुआ। संगम नोज पर डुबकी लगा चुके हिसार निवासी घनश्याम का कहना था कि ये हमारे जन्मों का फल तो है ही, साथ ही यह पुरखों के पुण्य कर्मों का फल है कि इस पवित्र अवसर का साक्षी बनने और पुण्य की डुबकी लगाने का अवसर प्राप्त हुआ। राजस्थान के सीकर से आए रामअवतार चौधरी ने कहा, 'गंगा के शीतल जल से जैसे ही शरीर का स्पर्श हुआ, ऐसा लगा मानो सारी थकान और सारे व्यवधान पल भर में गायब हो गया हो।' स्नान के लिए देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय जनता भी थी।

सेटेलाइट से ली गई महाकुंभ मेला क्षेत्र की तस्वीर। रायटर

सिद्ध-साध्य योग में लगेगी वासंतिक डुबकी

जप-तप, यज्ञ-अनुष्ठान के महापर्व महाकुंभ में भक्ति और समर्पण की अलख जग रही है। संत और श्रद्धालु तीसरे अमृत स्नान पर्व वसंत पंचमी पर संगम में डुबकी लगाने को आतुर हैं। तीन फरवरी को वसंत पंचमी स्नान पर्व पर सिद्ध और साध्य योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। ज्योतिर्विद आचार्य देवेंद्र प्रसाद त्रिपाठी के अनुसार माघ मास शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि दो फरवरी को दिन में 11.53 बजे से तीन फरवरी की सुबह 9.36 बजे तक रहेगी। सुबह 8.58 बजे तक सिद्ध योग रहेगा। मकर राशि में सूर्य और मीन राशि में चंद्रमा, शुक्र व राहु संचरण करेंगे। पाराशर ज्योतिष संस्थान के निदेशक आचार्य विद्याकांत पांडेय के अनुसार माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मां सरस्वती का अवतरण हुआ था। इसलिए इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

रेलवे ने एक दिन में चलाईं रिकार्ड 441 ट्रेनें

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : मौनी अमावस्या पर भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे ने इतिहास रच दिया। 24 घंटे में 441 ट्रेनों का संचालन हुआ। इनमें 222 विशेष (स्पेशल) ट्रेनें रहीं। यह ट्रेनों के संचालन में नया कीर्तिमान है। रेलवे ने मकर संक्रांति पर एक दिन में 123 ट्रेनों के संचालन का अपना ही कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया। 2019 में मौनी अमावस्या पर मात्र 59 विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया था।

अमृत स्नान का हिस्सा बनने के लिए बुधवार को करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच गए थे। उन्हें यहां तक पहुंचाने और फिर वापस ले जाने के लिए रेलवे ने आठ रेलवे स्टेशनों से विशेष ट्रेनों का संचालन किया। प्रयागराज जंक्शन से 104, छिवकी से 23, नैनी से 17, सूबेदारगंज से 13, प्रयाग से 23, फाफामऊ से पांच, रामबाग से नौ व झूंसी से 28 ट्रेनों का परिचालन किया गया। इसके अलावा 10 रिंग रेल का भी संचालन हुआ। तीन लंबी दूरी की ट्रेन चलाई गई। भीड़ प्रबंधन के लिए हर स्टेशन पर इमरजेंसी प्लान लागू किया गया।

सभी रेलकर्मियों के पूर्ण समर्पण का यह नतीजा है कि मौनी अमावस्या पर लाखों यात्रियों को सकुशल लाया और वापस पहुंचाया गया। अभी चुनौती खत्म नहीं हुई है। प्रत्येक रेलकर्मी, अधिकारी अपना शतप्रतिशत योगदान दे रहे हैं। -**हिमांशु बडोनी, डीआरएम, प्रयागराज मंडल, एनसीआर**

महाकुंभ मेले में एक नहीं, तीन स्थानों पर हुई थी भगदड़!

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

- सेक्टर 21 से लापता महिला का नहीं चल सका है पता, मृतकों को लेकर चर्चा, इंटरनेट पर वीडियो भी प्रसारित

महाकुंभ मेले में एक नहीं, बल्कि तीन स्थानों पर भगदड़ हुई थी। संगम तट के अलावा सेक्टर 18 में ओल्ड जीटी रोड पर और सेक्टर 21 में उल्टा किला झूंसी के पास। उल्टा किला के पास से लापता दरभंगा निवासी रमा देवी की तलाश में उनके बेटे बलराम व रंजीत भटकते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सेक्टर 21 में हुई भगदड़ से जुड़ी कई तस्वीर और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हैं, लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौन साधे हुए हैं।

मंगलवार रात अमृत स्नान से पहले संगम तट के पास भगदड़ मची थी, जिसमें कई श्रद्धालुओं की जान चली गई थी और कई घायल हुए थे। इस दर्दनाक हादसे के कुछ घंटे बाद सेक्टर 21 में उल्टा किला झूंसी के पास भी भगदड़ हुई। प्रत्यक्षदर्शी हर्षित, बलराम और रंजीत ने बताया कि भगदड़ में कई श्रद्धालु दब गए और कई अचेत हो गए। जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक दुकान में घुस गए थे। तमाम श्रद्धालु संगम लोअर मार्ग की तरफ भी भागे थे। हर्षित का कहना है कि घटना के दौरान वह मौके पर मौजूद थे। भगदड़ होते ही श्रद्धालु नमकीन की दुकान में घुसने लगे तो कर्मचारी वहां से भाग निकले। पुलिस हताहत लोगों को किसी तरह उठाकर निकट के अस्पताल ले गई थी। गुरुवार को भी दुकान के भीतर का दृश्य भगदड़ का हाल बताता रहा।

भगदड़ की घटना के बाद पीड़ितों की सहायता में जुटे पुलिसकर्मी व अन्य। फाइल

महामंडलेश्वर की कार के लिए रास्ता बनाने के दौरान भगदड़ में सात की मौत : सेक्टर 21 के बाद सेक्टर 18 में ओल्ड जीटी के पास एक महामंडलेश्वर की कार के लिए रास्ता बनाने के दौरान भगदड़ मची, जिसमें एक बालिका समेत सात महिलाओं की मौत हुई थी, मगर उनकी पहचान गुरुवार शाम तक नहीं हो सकी। क्षेत्राधिकारी कल्पवासी रुद्र कुमार सिंह का कहना है कि उन्होंने शवों को अज्ञात में पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया था, बाकी जानकारी नहीं है।

रास्ते पर फंसे हजारों वाहन व लाखों श्रद्धालु

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

- मेला से 15 किलोमीटर दूर रोक दिए जा रहे वाहन

प्रयागराज में जानसेनगंज चौराहे से प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर भी अवरोधक लगाया गया है। जागरण

यदि आप भी महाकुंभ में आने की इच्छा रखते हैं तो कुछ जरूरी बातों को गांठ बांध लें। महाकुंभ मेले तक पहुंचने के लिए धैर्य तथा संयम का परिचय देना होगा। प्रयागराज में प्रवेश के लिए लंबी प्रतीक्षा के साथ ही मेला तक 10 से 15 किलोमीटर तक पदयात्रा के लिए तैयार रहें, ई-रिक्शा, टेंपो या आटो जैसे स्थानीय संसाधन भूलकर। लगातार उमड़ते जनज्वार से स्थिति यह है कि महाकुंभ में भीड़ नियंत्रित करने के लिए प्रयागराज जाने के रास्तों पर हजारों वाहन हाईवे पर ही रोक दिए गए हैं। प्रयागराज की सीमा पर आठ से 10 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार है। मेला में भीड़ का दबाव कम होने पर उनके वाहनों को निर्धारित पार्किंग में खड़ा करा श्रद्धालुओं को पैदल घाटों तक पहुंचने दिया जाएगा। उधर, अयोध्या-प्रयागराज, सुलतानपुर-वाराणसी व बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की समस्या लगातार बनी है।

मौनी अमावस्या स्नान पर्व के दौरान संगम नोज पर हुई भगदड़ के बाद सुरक्षा पाबंदी बढ़ा दी गई है। अलग-अलग दिशाओं से आने वाले चार पहिया वाहनों को शहर में भी प्रवेश नहीं मिल रहा है। इससे श्रद्धालु व स्नानार्थी परेशान हैं। मेला क्षेत्र से करीब 10 से 15 किलोमीटर दूर वाहनों को रोक दिया जा रहा है। कुछ को पार्किंग में जगह मिली, जबकि बड़ी संख्या में वाहनों को डायवर्ट किया गया। गुरुवार रात स्थिति में कुछ सुधार हुआ, लेकिन अव्यवस्था से श्रद्धालु परेशान रहे। महाकुंभ मेला क्षेत्र में आने के लिए कुल सात मार्ग हैं। वाराणसी, जौनपुर, मीरजापुर, रीवा/बांदा, कानपुर, लखनऊ और प्रतापगढ़ की तरफ से विभिन्न राज्यों से लोग मेला क्षेत्र में आ रहे हैं। मौनी अमावस्या पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए तमाम श्रद्धालु अपने-अपने वाहनों से ही प्रयागराज के लिए निकले थे। श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती रही तो जिले की सीमा पर ही वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। मेला क्षेत्र में भीड़ का दबाव कम होने पर वाहनों को छोड़ा गया, लेकिन महाकुंभ से 10 से 15 किलोमीटर दूर रोक दिया गया।

अयोध्या-प्रयागराज, सुलतानपुर-वाराणसी व बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की समस्या लगातार बनी है। वहीं, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे समेत अन्य मार्गों पर वाहनों आवागमन रोक दिया गया है। अयोध्या प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग का रामगंज कस्बा गुरुवार को पूरे दिन जाम से कराहता रहा।

महाकुंभ के बीच प्रयागराज के लिए किराया हुआ स्थिर, इंडिगो ने बढ़ाईं उड़ानें

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंडिगो एयरलाइन ने गुरुवार को कहा कि प्रयागराज के लिए उड़ानों का किराया स्थिर हो गया है और उसने महाकुंभ के लिए इस मार्ग पर उड़ानों की संख्या बढ़ाकर 900 कर दी है। यात्रियों की बढ़ती मांग के चलते प्रयागराज की उड़ानों पर किराये में बढ़ोतरी को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही थीं। सरकार ने कंपनियों से टिकट की कीमतें स्थिर रखने के साथ-साथ इस मार्ग पर और उड़ानें संचालित करने को कहा है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने लगाई त्रिवेणी में डुबकी : इंडिगो एयरलाइंस के सीईओ पीटर एल्बर्स ने भी महाकुंभ आकर पवित्र संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने अपनी आध्यात्मिक अनुभूति को साझा किया। इंटरनेट मीडिया पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए इस अद्भुत आयोजन की भव्यता पर अपनी बात रखी। लिखा, 'महाकुंभ प्रयागराज में। यह एक ऐसा आयोजन है, जो 144 वर्षों में एक बार होता है... यह पृथ्वी पर मानवता का सबसे बड़ा संगम है!'

24 बीघे की अवैध रूप से बनाई गई टेंट सिटी में लगी आग, 15 टेंट राख

जासं, महाकुंभ नगर

- दिल्ली की कंपनी ने बिना अनुमति बनाए थे काटेज, मेले के सेक्टर 22 से सटे हुए क्षेत्र में हुई घटना

महाकुंभ में आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए मेला क्षेत्र से बाहर अवैध रूप से बनाई गई टेंट सिटी में गुरुवार दोपहर आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल हो गई। पुलिस अधिकारियों और फायर ब्रिगेड की टीम ने जब तक आग पर काबू पाया, तब तक 15 टेंट जल गए। करीब 24 बीघे में बिना अनुमति यह टेंट सिटी कैसे बस गई, अधिकारियों के पास इसका जवाब नहीं है। एसडीएम फूलपुर दिग्विजय सिंह का कहना है कि टेंट सिटी कैसे बन गई, इसका जवाब मेलाधिकारी दे सकते हैं। वहीं, महाकुंभ के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा का कहना है कि यह सिटी महाकुंभ मेला क्षेत्र के बाहर है।

महाकुंभ मेला के सेक्टर 22 से सटा हुआ क्षेत्र चमनगंज है। झूंसी क्षेत्र के भतकार गांव के पास गंगा का कछार है। यहां दिल्ली की कंपनी जूस्टा, विदिष्टिया और मेक माई ट्रिप ने मिलकर करीब 24 बीघे में 118 काटेज बनवाए थे। इसमें देश-विदेश के पर्यटक ठहरते थे। एक दिन का किराया 18 हजार रुपये निर्धारित किया है। बुकिंग आनलाइन होती है। टेंट सिटी के बाहर एक अखाड़ा के नाम का द्वार भी बनाया गया था, जिससे लोगों को लगे कि अखाड़े से इसका संबंध है। गुरुवार दोपहर टेंट सिटी के एक काटेज में आग लग गई। खबर मिलते ही कुछ ही देर में अग्निशमनकर्मी कई फायर टेंडर के साथ पहुंच गए और फिर किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक 15 टेंट जल चुके थे। महाकुंभ के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने कहा कि आग बुझा दी गई।

भतकार गांव में टेंट सिटी में लगी आग को बुझाता दमकल कर्मी

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को एक जनहित याचिका दाखिल की गई जिसमें महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश एवं नियम लागू करने की मांग की गई है। यह याचिका ऐसे समय दायर की गई है जब बुधवार को प्रयागराज के संगम इलाके में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। दायर याचिका में भगदड़ की घटनाओं को रोकने और अनुच्छेद-21 के तहत समानता एवं जीवन के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई है। याचिका में केंद्र एवं सभी राज्य सरकारों को पक्षकार बनाया गया है और उन्हें महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का निर्देश देने की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि सभी राज्यों को वहां अपने नागरिकों को सुरक्षा जानकारियां देने एवं आपातस्थिति में सहायता के लिए सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए।

अब महाकुंभ क्षेत्र में नहीं चलेंगे वाहन, संगम पर भी सुरक्षा प्रबंध बढ़ाए गए

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

महाकुंभ में भगदड़ के बाद मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए योजनाओं में कई बदलाव किए गए हैं। अब पूरा मेला क्षेत्र 'नो व्हीकल जोन' घोषित कर दिया गया है। हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की। साथ ही कई और मार्गों को वनवे किया जा रहा है। संगम पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए जाएंगे और वहां भीड़ के दबाव वाले पांच और स्थानों को चिह्नित कर बैरिकेडिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गुरुवार को यहां पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस बीच शासन से भेजे गए पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल और आइएएस भानु चंद्र गोस्वामी समेत अन्य अधिकारियों ने भी मेला क्षेत्र में काम संभाल लिया है।

वसंत पंचमी पर विशेष रणनीतिक तैनाती की योजना : मेलाधिकारी

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि वसंत पंचमी के अमृत स्नान को लेकर इस बार रणनीतिक रूप से विशेष तैनाती की योजना लागू की जाएगी। इसमें जोनल प्लान भी शामिल है, ताकि जो जहां पर आए वहीं स्नान करे।

मुख्य सचिव मनोज कुमार व डीजीपी प्रशांत कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अफसरों के साथ बैठक कर पूरी जानकारी ली और वसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। पुलिस महानिदेशक ने अलग से भी पुलिस अधिकारियों के साथ वार्ता की। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा प्लान में बदलाव करते हुए नई योजना तैयार की, जिसमें महाकुंभ में प्रवेश मार्गों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव रोकने के प्रबंध किए गए हैं। सभी रास्तों पर पर्याप्त साइनेज लगवाए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं तथा स्नानार्थियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि मनोबल नीचा न करें, इसे और अच्छे ढंग से करने की भावना से काम करें। आगामी अमृत स्नान पर्व वसंत पंचमी को जीरो एरर बनाया जाए। इसके लिए यदि विशेषज्ञों की मदद लेनी हो तो ली जाए। उन्होंने कहा कि जिन स्थलों पर सर्वाधिक भीड़ है, वहां ज्यादा से ज्यादा अधिकारी फोर्स के साथ मौजूद रहें। सीमा क्षेत्र में एसपी स्तर के अधिकारियों को तैनात किया जाए। आने वाले अमृत स्नान पर हमें संगम नोज पर अत्यधिक भीड़ को जाने से रोकना होगा। लोगों को रोकने के लिए कई स्तरों पर बैरीकेडिंग की जाए। डायवर्जन को लागू किया जाए।

उपराष्ट्रपति कल लगाएंगे डुबकी, पीएम का कार्यक्रम दो फरवरी के बाद होगा तय

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : महाकुंभ मेले की छटा देखने शनिवार एक फरवरी को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी आएंगे। वह यहां पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाएंगे। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम अभी तय नहीं है। संसद में केंद्रीय बजट पेश होने के बाद उनका कार्यक्रम तय होगा। वैसे पांच फरवरी को उनके आने की खबर चल रही थी। अब महाकुंभ की भीड़ और प्रबंधन देखने के बाद ही उनका कार्यक्रम तय होगा।

उपराष्ट्रपति सुबह लगभग 11 बजे प्रयागराज पहुंचेंगे। अरैल वीआइपी जेटी जाकर वहां से मोटर बोट से संगम जाएंगे। त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद गंगा पूजा करेंगे। इसके बाद किला स्थित अक्षयवट, समुद्र कूप तथा बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। कुछ प्रमुख संतों से भी उनकी भेंट संभावित है। शाम चार बजे के करीब वह दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन की तैयारी है।

न्यायिक आयोग ने की पहली बैठक, आज प्रयागराज शुरू करेगा जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

- महाकुंभ मेला में भगदड़ से 30 श्रद्धालुओं की मौत का मामला
- पीसीएस अधिकारी अंकित कुमार आयोग में बनाए गए सचिव

महाकुंभ में भगदड़ की घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन के 24 घंटे के भीतर ही अध्यक्ष व दोनों सदस्यों ने अपना कार्य शुरू कर दिया। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हर्ष कुमार, सदस्य पूर्व पुलिस महानिदेशक वीके गुप्ता व पूर्व आइएएस अधिकारी डीके सिंह ने शुक्रवार सुबह दस जनपथ स्थित सचिवालय में आयोग के कार्यालय में पदभार संभालने के साथ ही पहली बैठक की और जांच के लिए कार्ययोजना बनाई। हर्ष कुमार ने बताया कि आयोग शुक्रवार को प्रयागराज जाएगा। भगदड़ के कारण व सुरक्षा प्रबंधों में हुई चूक समेत सभी बिंदुओं पर जांच की जाएगी। जांच को तेजी से पूरा करने का प्रयास होगा। भगदड़ से 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

अमृत स्नान व सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर वीआइपी मूवमेंट प्रतिबंधित : बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ वीआइपी और वीवीआइपी भी महाकुंभ में त्रिवेणी स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने आ रहे हैं। ऐसे में व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमृत स्नान और प्रमुख स्नान पर्वों पर किसी भी तरह के प्रोटोकाल पर योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार अमृत स्नान व प्रमुख स्नान पर्वों तथा इसके समीप की तिथियों पर किसी प्रकार का वीआइपी प्रोटोकाल लागू नहीं होगा। मेले की शुरुआत से पहले ही इसकी घोषणा की गई थी, लेकिन इसके अनुपालन में लापरवाही दिखी।

मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर मची भगदड़ के बाद अब इस फैसले को सख्ती से लागू किए जाने की पहल की गई है।

सेवाभाव

गंगाभक्तों के लिए प्रयागराज में कोई परोस रहा पूड़ी-सब्जी तो कोई करा रहा चाय-नाश्ता, ठहरने की भी कर रहा व्यवस्था

प्रयाग भया 'शबरी', स्वागत में सबने खोले द्वार

अमलेंदु त्रिपाठी • जागरण

प्रयागराज : संगम तट पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे तो शहर के लोग सेवा कर परलोक संवारने में लगे हैं। उनके लिए गंगाभक्त नहीं, मानो साक्षात देव पधारे हैं। ऐसे में हर शहरी 'शबरी' बन गया और स्वागत में अपने द्वार खोल दिए। जगह-जगह लगे भंडारे यही भाव परोस रहे हैं। प्रसाद वितरण के साथ किसी ने पूरा घर निःशुल्क आश्रयस्थल बना दिया, तो कोई मुहल्ले की गलियों को ठिकाना बनाकर चाय, नाश्ता परोस रहा। विद्या अर्जन के लिए आए छात्र भी सेवा कर पुण्य बटोरने में पीछे नहीं हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने सभी परिसर खोल दिए हैं। छात्रावास परिसर श्रद्धालुओं के शरण स्थल हैं तो अंतःवासी उनकी सेवा कर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं।

मौनी अमावस्या का दूसरा दिन यानी गुरुवार की सुबह आस्था के रंग में रंगी दिखी। सड़कों पर गंगा भक्तों का अविरल प्रवाह रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्नान कर लौट रहे हैं तो उधर जाने वालों की संख्या कम नहीं। इसी बीच इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बीए-एलएलबी के छात्रों का समूह उनसे आग्रह करता है कि जलपान करते जाइए। समीप ही उन्होंने चाय-बिस्कुट और पानी का प्रबंध कर रखा है, अपने जुटाए पैसों से। थके-हारे श्रद्धालुओं को मानो अमृत मिल गया। शताब्दी छात्रावास के अभिनव मिश्र और युवराज बुंदेला ने कुछ अशक्त लोगों को आगे की बैरिकेडिंग तक छोड़ने के लिए अपने साथियों से कहा। त्रिवेणीपुरम् की कविता शर्मा अपने घर के बाहर निकलीं तो देखा जमीन पर ही दूर तक लोग लेटे हुए थे। ऊपर आसमान से ओस बरस रही थी। उन्होंने अपने तीन मंजिला घर के दरवाजे खोल दिए। कुछ ही देर में सब भीतर थे, जिनके लिए भोजन का प्रबंध शुरू हो चुका था। कविता कहतीं हैं, मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने पूरे तीर्थ कर लिए। यही सेवा भाव राजापुर के केपी मिश्र उर्फ मनोज ने दिखाया। महाकुंभ में आने वाले करीब दर्जनभर श्रद्धालुओं को उन्होंने घर आए भगवान जैसा सत्कार दिया। भरद्वाजपुरम के पार्षद शिवसेवक सिंह ने भी अपने घर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया है। वह पिछले कुंभ में भी ऐसा ही करते रहे हैं। यहां करीब 30 लोगों ने शरण ली। हर्षवर्धन मार्ग पर मां दुर्गा जनसेवा आश्रम ट्रस्ट की ओर से प्रतिदिन भोजन प्रसाद वितरण हो रहा है।

बस एक ललक कोई रह न जाए : अपने राम में रमे भक्तों के लिए पूरा शहर बिछा है। बस यही इच्छा है, यात्रा की पीड़ा को कम किया जाए। जानसेनगंज चौराहे के पास सोमनाथ स्वर्णकार ने पूड़ी-सब्जी, दाल-चावल का वितरण किया। रात में कोतवाली के आगे का हिस्सा प्रकाशमान हो उठता है। वारसी कमेटी ने दरगाह व मस्जिद रोशन अली के गेट के पास पानी, चाय व नाश्ते का प्रबंध कर रखा है। मौलाना मो. आरिफ वारसी कहते हैं महाकुंभ ने हमारे शहर को वैश्विक पहचान दी है। हमारा भी तो कर्तव्य बनता है। आतिशबाजी संघ के संरक्षक मो. कादिर की ओर से चौक स्थित नीम के पेड़ के पास प्रसाद वितरण चल रहा। यहां उन लोगों के लिए भी व्यवस्था है, जो कुछ देर या रात्रि विश्राम करना चाहते थे। संघ के मो. शोएब कहते हैं प्रत्येक श्रद्धालु हमारा अतिथि है। पूरे प्रयागराज का अतिथि है।

श्रद्धालुओं के पांव के छालों पर लगाया मरहम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवाभावी स्वयंसेवक भी पीछे नहीं हैं। 1600 स्वयंसेवक अलग-अलग जगहों पर श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए सड़कों पर हैं। वे हर भक्त के पांव के छालों पर मरहम लगाने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीराम नगर के कार्यकर्ताओं ने पैदल चलकर संगम स्नान करने आए श्रद्धालुओं के पैरों में मूव स्प्रे लगाया। इसके साथ श्रद्धालुओं को गर्म चाय पिलाई। इस भाव को देखकर तमाम मातृशक्तियों ने सिर पर हाथ फेरकर आशीष बरसाया। स्वयंसेवक संतोष प्रधान कहते हैं, हम पर सही अर्थों में पुण्य की वर्षा हो रही है। कुछ स्वयंसेवक लोगों को राह दिखा रहे, तो कुछ यातायात व्यवस्था को बनाने में सहयोगी बन रहे हैं।

आरएसएस के स्वयंसेवक ने थके हुए श्रद्धालुओं के पैर में मूव-मरहम लगाकर राहत पहुंचाने का प्रयास किया। जागरण

कल आएंगे रूस, अमेरिका, जर्मनी समेत 116 देशों के राजनयिक

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : पूरी दुनिया के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभरे महाकुंभ में शनिवार एक फरवरी को विश्व के 116 देशों के राजनयिकों का आगमन होगा। राजनयिक पहले अरैल तट पर अपने देश का ध्वज फहराएंगे, फिर संगम में डुबकी लगाएंगे। इन राजनयिकों में रूस और यूक्रेन के राजदूत भी होंगे तो अमेरिका और बांग्लादेश के भी राजनयिक। यह वैश्विक आयोजन गंगा किनारे भिन्न-भिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं के बीच अनोखे सामंजस्य का संदेश देगा।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह ही मुख्य सचिव मनोज कुमार को इस संबंध में पत्र लिखा था। इसके अनुरूप सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी राजनयिक विमान से दिल्ली से बमरौली एयरपोर्ट आएंगे, तत्पश्चात अरैल पहुंचेंगे। संगम में डुबकी के बाद बड़े हनुमानजी और अक्षयवट का दर्शन भी राजनयिकों के कार्यक्रम में है।

****

60 अधिकारियों और 10 पुलिस अधिकारियों का तबादला मणिपुर सरकार ने तत्काल प्रभाव से कर दिया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

न्यूज गैलरी

गुजरात में एचएमपीवी का एक और मामला मिला

अहमदाबाद: गुजरात में एचएमपीवी का एक और मामला मिला है। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि अहमदाबाद शहर में चार वर्षीय एक बच्चा ह्यूमन मेटानिमोवायरस (एचएमपीवी) से संक्रमित हो गया है। इसके साथ ही गुजरात में एचएमपीवी मामलों की संख्या आठ हो गई है। अहमदाबाद नगर निगम के चिकित्सा अधिकारी भाविन सोलंकी ने कहा, संक्रमित बच्चे का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उसकी हालत स्थिर है। बच्चे को बुखार और खांसी के कारण 28 जनवरी को एसजीवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दिन किए गए परीक्षण में उनके नमूने में एचएमपीवी की पुष्टि हुई। मरीज का विदेश यात्रा का कोई रिकार्ड नहीं है। गुजरात में अब तक एचएमपीवी के आठ मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें अहमदाबाद में सात और साबरकांठा जिले में एक मामला शामिल है। एचएमपीवी संक्रमण में खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ होती है। (प्रेट्र)

पानी के कनेक्शन के विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली

जयपुर: राजस्थान के अलवर जिले के पंचनोत गांव में गुरुवार की सुबह पानी की टंकी में अवैध कनेक्शन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने बुजुर्ग के सीने में गोली मार दी। गोली बुजुर्ग के फेफड़ों में फंस गई। बुजुर्ग को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। विवाद में दोनों पक्षों की दो महिलाओं सहित 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें अलवर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। विवाद की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को संभाला। पुलिस ने घायलों के बयान लेकर मामला दर्ज किया है। मालाखेड़ा पुलिस थाना अधिकारी हितेश शर्मा ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकी और बिछाई गई पाइप लाइन से अवैध कनेक्शन को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों में पहले से भी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। (जासं)

भारत में ब्रिटिश संगीतकार एड शीरन, दिल्ली में भी कंसर्ट

मुंबई: ब्रिटिश गायक और संगीतकार एड शीरन इस समय भारत टूर पर हैं। वह दिल्ली समेत छह शहरों में कंसर्ट करेंगे। गायिका और अभिनेत्री अदिति सहगल ने उनके 'मैथमेटिक्स टूर' की शुरुआत करने को लेकर उत्सुकता दिखाई है। 'द आर्चीज' की अभिनेत्री को डाट नाम से भी जाना जाता है। शीरन गुरुवार रात पुणे के बाद हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, शिलांग और दिल्ली में भी प्रस्तुति देंगे। अदिति सहगल ने इंस्टाग्राम पर यह साझा किया कि वह कंसर्ट में प्रस्तुति देने के लिए उत्साहित हैं। अदिति ने 2023 में जोया अख्तर की "द आर्चीज" में मुख्य भूमिका के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु के बैंडलैंड 2024 में प्रस्तुति दी थी। ग्रैमी अवार्ड विजेता शीरन पहले भी भारत में कंसर्ट कर चुके हैं। (प्रेट्र)

दिनदहाड़े 20 लाख के आभूषण लूटे, विरोध पर मार दी गोली

बनियापुर, (सारण): बिहार में सारण जिले के कोल्हुआं बाजार स्थित एक आभूषण दुकान में गुरुवार दोपहर घुसे अपराधियों ने हथियार के बल पर 20 लाख के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। पड़ोस के दुकानदार ने विरोध किया तो अपराधियों ने उनको गोली मार दी। दुकानदार अनूप कुमार को गोली बाएं हाथ में लगी है। चार बदमाशों ने मात्र पांच मिनट में दुकान से ढाई सौ ग्राम सोना एवं 20 किलो चांदी के आभूषण लूट लिए और भाग निकले। सूचना पर एसपी डा. कुमार आशीष मौके पर पहुंचे और पुलिस पदाधिकारियों को बदमाशों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहाजितपुर थाने की अपर थानाध्यक्ष मधुरिमा मनीषा ने बताया कि सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की पहचान की गई है। शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। (जासं)

छत्तीसगढ़ में सरकार बदलने के डर से एक माह में कर ली थी 411 करोड़ की खरीदारी

सीजीएमएससी घोटाला ▶ डीएचएस से लेकर विभागीय नेता व अफसर का तय था कमीशन

जितेंद्र सिंह दहिया ● नईदुनिया

रायपुर: छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) में हुए रिएजेंट और उपकरण खरीदारी घोटाले में अहम तथ्य सामने आए है। पिछली सरकार में हुई खरीदारी के दौरान अधिकारियों को पहले ही पता चल गया था कि सरकार बदलने वाली है। इसी वजह से 15 मई 2023 से 17 जून 2023 के बीच 411 करोड़ रुपये के रिएजेंट की खरीदी की गई, जबकि डीएचएस (स्वास्थ्य सेवा निदेशालय) द्वारा सीजीएमएससी को भेज गए मांग पत्र में स्पष्ट लिखा गया था कि छह से आठ माह में किस्तों में क्रय आदेश जारी किया जाए। अधिकारियों को भरोसा था कि बिना बजट के खरीदारी तो कर ली गई है, लेकिन खरीदारी के बाद भी आचार संहिता लगने से पहले शासन से बजट मिल जाएगा। सीजीएमएससी के टेंडर क्रमांक 182 के लिए जांच चल रही है। इसमें बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी का खेल किया गया है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, डीएचएस के लिए पांच फीसदी कमीशन, सीजीएमएससी एमडी 10 प्रतिशत, तकनीकी प्रबंधक पांच प्रतिशत और इसके अलावा अलग से विभागीय नेता व अन्य अधिकारियों के लिए 25 प्रतिशत कमीशन तय किया गया था।

क्रय समिति की गलतियों से हुआ घोटाला : सीजीएमएससी और डीएचएस ने किसी भी तरह की दवा व उपकरण खरीदी के लिए छह से आठ विशेषज्ञों की क्रय समिति बनाई थी। रिएजेंट की दर अनुबंध करने वाली क्रय समिति में शामिल अधिकारियों ने दर स्वीकृत कर सप्लायर से अनुबंध करने के लिए डीएचएच को पत्र भेजा था। इसके बाद डीएचएस ने खरीदी की अनुमति दी थी। तब सीजीएमएससी ने टेंडर जारी किया।

ड्रग्स-कास्मेटिक्स एक्ट के उल्लंघन की आरोपित दो कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही रद

▶ शीर्ष कोर्ट ने कहा, ट्रायल कोर्ट ने समन में कोई कारण नहीं बताया

▶ आरोपित को जारी समन में दिखना चाहिए दिमाग का इस्तेमाल

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ड्रग्स एंड कास्मेटिक्स एक्ट के प्रविधानों के कथित उल्लंघन की आरोपित दो कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही को खारिज कर दिया। एक कंपनी औद्योगिक एवं मेडिकल गैसों की उत्पादक थी, जबकि दूसरी दवा उत्पादक थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के समन आदेश में नाममात्र के लिए भी कोई कारण नहीं दिया गया था।

पीठ ने कंपनियों से जुड़े अलग-अलग फैसले सुनाए। घटिया दवाएं बनाने की आरोपित कंपनी के मामले में पीठ ने कहा कि समन आदेश पूरी तरह गैर-विवेचनात्मक था यानी उसमें कोई कारण नहीं दिया गया था। शीर्ष अदालत ने यह फैसला आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के अक्टूबर, 2023 के फैसले के विरुद्ध कंपनी की अपील पर सुनाया।

पीठ ने कंपनी के वकील की दलीलों का जिक्र करते हुए कहा, "हम विभिन्न आधारों पर अपीलकर्ताओं की दलीलों पर विचार करना आवश्यक नहीं समझते क्योंकि वर्तमान अपील को मात्र इस आधार पर स्वीकार किया जा सकता है कि मजिस्ट्रेट ने बिना किसी कारण के प्रक्रिया शुरू की है।" पीठ ने कहा, "वर्तमान मामले में भी मजिस्ट्रेट ने नाममात्र के लिए कोई कारण नहीं दिया।"मेडिकल गैसों का उत्पादन करने वाली कंपनी के मामले में शीर्ष कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता की दलीलें रिकार्ड करने के अतिरिक्त ट्रायल कोर्ट ने आरोपित के विरुद्ध जारी समन में कोई कारण दर्ज नहीं किया। अपने एक फैसले का जिक्र करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'इस अदालत ने स्पष्ट कहा था कि आपराधिक मामले में आरोपित को समन करना गंभीर मामला है।

निर्माणाधीन छत पन्ना के सीमेंट प्लांट में गिरने से चार की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, पन्ना

▶ मृतक तीन मजदूर बिहार के पूर्णिया जिले के रहने वाले, हादसे की जांच कराएगा प्रशासन, केस दर्ज किया

▶ चौथी मंजिल पर निर्माण कार्य होने के कारण कई मजदूर तो गिरकर छत के स्लैब में लगे सरिया पर ही लटक गए

▶ मृतकों के स्वजन को 18-18 लाख रुपये के साथ ही बीमा राशि के चार लाख रुपये सीमेंट कंपनी देगी

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के पुरैना स्थित एक सीमेंट प्लांट में गुरुवार सुबह यूनिट संख्या- दो की निर्माणाधीन छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। सीमेंट प्लांट में चौथी मंजिल पर निर्माण कार्य होने के कारण कई मजदूर तो गिरकर छत के स्लैब में लगे सरिया पर ही लटक गए। हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 17 गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में तीन बिहार के पूर्णिया जिले के बायसी कस्बा के और एक पन्ना का निवासी था।

पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण थोटा ने बताया कि जेके सीमेंट कंपनी के प्लांट में चौथी मंजिल पर छत की ढलाई का काम चल रहा था। सुबह करीब आठ बजे सौ से अधिक मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान मजदूरों के ऊपर छत गिर पड़ी। प्लांट प्रबंधन, एसडीआरएफ, जिला प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मलबे में फंसे लोगों के निकालने का प्रयास किया।

बचाव अभियान में मजदूरों को निकालकर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि प्रशासन हादसे की जांच कराएगा। सिमरिया थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच के लिए टीम का गठन किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद चारों शव मृतकों के गृह नगर भेजने के इंतजाम किए गए हैं। मृतकों में बिहार के पूर्णिया जिले के बायसी कस्बा निवासी मोहम्मद अंसार पुत्र अनामुल, मोहम्मद मसूद पुत्र नसरुद्दीन और मुस्फिक आलम पुत्र मंजूर आलम थे।

वहीं, एक मृतक रोहित खरे पन्ना के सिमरिया का निवासी था। घायलों में भी अधिकतर बिहार के निवासी हैं। पन्ना के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के अनुसार मृतकों के स्वजन को 18-18 लाख रुपये के साथ ही बीमा राशि के चार लाख रुपये सीमेंट कंपनी देगी।

कंपनी की तरफ से तात्कालिक रूप से अंत्येष्टि के लिए 50-50 हजार रुपये की मदद दी गई है। वहीं, प्रत्येक घायलों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ ही उनका पूर्ण उपचार कराया जाएगा।

कर्नाटक में प्रेमी युगल की हत्या मामले में चार लोगों को मौत की सजा

गडग, एएनआइ: कर्नाटक की गडग जिला न्यायालय ने 2019 में एक युवा जोड़े की झूठी शान के लिए हत्या के मामले में चार लोगों को मौत की सजा सुनाई है। गजेंद्रगड़ा तालुक के लक्कलाकट्टी गांव के निवासी 29 वर्षीय रमेश मदारा और 23 वर्षीय गंगम्मा मदारा परिवार की इच्छा के खिलाफ शादी कर ली।

इस जोड़े की प्रेम कहानी दुखद रूप से समाप्त हो गई जब गंगम्मा के रिश्तेदारों ने उनके रिश्ते का विरोध करते हुए छह नवंबर, 2019 को दोनों की हत्या कर दी। मामले में गजेंद्रगढ़ पुलिस ने आइपीसी की धारा 427 (नुकसान पहुंचाने वाली शरारत), 449 (मौत की सजा वाले अपराध को अंजाम देने के लिए घर में अतिक्रमण), 302 (हत्या) और 506 (2) (आपराधिक धमकी) के तहत एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार, गंगम्मा द्वारा दलित समुदाय से आने वाले रमेश से शादी करने के बाद उसके दो भाई नाराज थे। दोनों भाइयों ने रमेश मदारा और गंगम्मा के सिर पर पत्थर मारकर जान ले ली।

वैवाहिक विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कानून से ऊपर कोई नहीं

दोनों पक्षों को समय बर्बाद करने के बजाय विवाद सुलझाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक व्यवसायी और उसकी अलग रह रही पत्नी (आइपीएस अधिकारी) के बीच विवाद को लेकर कहा कि इस देश में कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। व्यवसायी के वकील ने आशंका जताई कि उसे जीवनभर कष्ट सहना पड़ेगा, क्योंकि उसकी अलग रह रही पत्नी आइपीएस अधिकारी है। इस पर जस्टिस बीआर गवई, आगस्टीन जार्ज मसीह और के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों को न्याय के हित में अपना विवाद सुलझा लेना चाहिए। पीठ ने वकील से कहा, वह आइपीएस अधिकारी हैं। आप एक व्यवसायी हैं। अदालत में अपना समय बर्बाद करने के बजाय आपको इसे सुलझा लेना चाहिए। अगर कोई उत्पीड़न होता है तो हम आपकी रक्षा के लिए यहां हैं।

वकील ने कहा कि महिला द्वारा दर्ज कराए गए मामलों के चलते उनके मुवक्किल और उनके पिता जेल में बंद हैं। वकील ने आरोप लगाया कि अलग रह रही पत्नी ने गलत बयान दिया है कि उसके खिलाफ कोई एफआइआर दर्ज नहीं है। सच्चाई यह है कि पुलिस सेवा में शामिल होने के समय जिस दिन उसने फार्म भरा था, उसी दिन उसके खिलाफ दो एफआइआर दर्ज हो गई थीं। इस पर पीठ ने कहा कि आप यह सुनिश्चित करने में अधिक रुचि रखते हैं कि उसकी नौकरी चली जाए।

वकील ने कहा कि अगर उसने अपने फार्म में कोई गलत घोषणा की है तो गृह मंत्रालय को कार्रवाई करनी चाहिए। इस पर पीठ ने कहा कि आप अपनी जान बचाने में रुचि नहीं रखते हैं। आप यह सुनिश्चित करने में रुचि रखते हैं कि उसका करियर खत्म हो जाए। आखिरकार उसका जीवन बर्बाद करने की प्रक्रिया में आप अपना जीवन भी बर्बाद कर देंगे। यह बहुत स्पष्ट है कि इस व्यक्ति को समझौते में कोई दिलचस्पी नहीं है।

मणिपुर में बड़ा फेरबदल, 70 अफसरों का तबादला

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर में गुरुवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। सरकार ने तत्काल प्रभाव से 60 अधिकारियों और 10 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। राज्य प्रशिक्षण अकादमी के महानिदेशक पालुनथांग वैफेई को अतिरिक्त मुख्य सचिव का पदभार दिया गया है, जबकि प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुराग बाजपेयी अतिरिक्त मुख्य सचिव (वस्त्र, वाणिज्य एवं उद्योग) होंगे।

प्रधान सचिव (वस्त्र, वाणिज्य एवं उद्योग) अरुण कुमार सिन्हा नए प्रधान सचिव (कृषि, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) होंगे। आयुक्त सह सचिव (पर्यटन) और मणिपुर भवन नई दिल्ली के रेजिडेंट कमिश्नर देवेश देवल अब केवल पर्यटन विभाग का प्रभार संभालेंगे। अधिसूचना के अनुसार, थौबल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश बलवाल इंफाल पूर्व के नए एसपी होंगे, जबकि सेनापति के एसपी अनुपम को संयुक्त सचिव (गृह विभाग) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। चंदेल के एसपी शिवानंद सुर्वे को सेनापति के एसपी के रूप में स्थानांतरित किया गया है। ऐसे ही चूड़चंदपुर के एसपी शेख मोहम्मद जाइब जाकिर को डीजीपी का वरिष्ठ एसओ नियुक्त किया गया है।

प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े सात लोग गिरफ्तार : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले दो दिन में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के तीन सदस्यों और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट कोइरेंग (यूएनएलएफ-के) के एक सक्रिय सदस्य को मंगलवार को तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दो सदस्यों को बुधवार को गिरफ्तार किया है। उन्हें इंफाल के पाओना बाजार क्षेत्र में जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

नए जिला बनाने के 2016 के फैसले पर प्रस्ताव लाएगी सरकार

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर सरकार ने गुरुवार को त्रिपक्षीय बैठक में कहा कि वह अगले दौर की वार्ता में सात नए जिले बनाने के 2016 के फैसले को रद करने की मांग पर प्रस्ताव पेश करेगी। मणिपुर में नगा जनजातियों की शीर्ष संस्था यूएनसी के विरोध के बीच इबोबी सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा इन जिलों का गठन किया गया था। यूएनसी नए जिलों के गठन के खिलाफ है और उसका कहना है कि ये जिले नगाओं की पैतृक भूमि पर अतिक्रमण है। उसकी मांगों पर बातचीत जारी है। केंद्र, मणिपुर सरकार और यूएनसी के प्रतिनिधियों ने सेनापति जिले में एक नए दौर की बैठक की। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान चर्चा दिसंबर 2016 में मणिपुर सरकार द्वारा सात नए जिले बनाने और इसे वापस लेने की यूएनसी की मांग पर केंद्रित थी। इसमें कहा गया कि गहन चर्चा के बाद यह आपसी सहमति बनी कि अप्रैल 2025 आयोजित होने वाली त्रिपक्षीय बैठक में राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

तालाबों को प्रदूषित करने पर समस्तीपुर रेल मंडल पर 1.61 करोड़ का जुर्माना

जागरण संवाददाता, दरभंगा

▶ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिया निर्देश, 15 दिनों के अंदर पैसे जमा करने और एसटीपी लगाने की कार्ययोजना भी मांगी

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दरभंगा शहर के दो तालाबों को प्रदूषित करने पर समस्तीपुर रेल मंडल पर एक करोड़ 61 लाख 12 हजार पांच सौ रुपये का जुर्माना लगाया है। बोर्ड ने यह राशि 15 दिनों के अंदर जमा करने को कहा है। साथ ही दरभंगा जंक्शन से निकलने वाले गंदे पानी का ट्रीटमेंट करने के लिए एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) लगाने व उपचारित पानी के पुनः उपयोग की कार्ययोजना भी 15 दिनों में मांगी है। समस्तीपुर रेल मंडल के पीआरओ रणजीत कुमार का कहना है कि बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के मामले की जानकारी नहीं है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस संबंध में स्पष्ट हो पाएगा।

दरअसल तालाब बचाओ अभियान दरभंगा ने शहर के हराही, दिग्घी और गंगासागर तालाब को अतिक्रमण और प्रदूषण मुक्त कर इसका सुंदरीकरण करने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल पूर्वी क्षेत्र के कोलकाता कार्यालय में वर्ष 2022 में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई में ट्रिब्यूनल ने जांच कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने 21 जनवरी 2023 को निरीक्षण में पाया कि तालाबों की भूमि अतिक्रमित है। साथ ही रेलवे की ओर से शौचालय, भोजनालय, प्रतीक्षालय आदि से निकलने वाला गंदा पानी हराही व दिग्घी तालाब में बहाया जा रहा है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर प्रदूषण बोर्ड पटना को ट्रिब्यूनल ने रेलवे स्टेशन के सीवेज के गंदे पानी से हुए जल तथा पर्यावरण की क्षति का आकलन करने के लिए एक अगस्त 2024 को आदेश दिया था। बोर्ड ने क्षति का आकलन करते हुए कुल एक करोड़ 61 लाख 12 हजार पांच सौ रुपये भुगतान करने की रिपोर्ट ट्रिब्यूनल के समक्ष रखी थी। साथ ही समस्तीपुर रेल मंडल के डीआरएम को जानकारी देते हुए उनसे इस संबंध में जवाब मांगा गया था।

मृतका के माता-पिता ने केंद्रीय मंत्री से की सीबीआइ अधिकारी की शिकायत

आरजी कर कांड

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री व बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरजी कर अस्पताल में दरिंदगी की शिकार हुई महिला डाक्टर के माता-पिता से उनके घर जाकर मुलाकात की और एक सीबीआइ अधिकारी को लेकर उनकी शिकायत उपयुक्त प्राधिकरण के समक्ष रखने का भरोसा दिया। सुकांत संसद के बजट अधिवेशन में हिस्सा लेने गुरुवार को दिल्ली रवाना होने से पहले मृतका के माता-पिता के घर गए। माता-पिता ने मामले की सीबीआइ जांच पर असंतोष जताते हुए एक निर्दिष्ट सीबीआइ अधिकारी के बारे में शिकायत की। सुकांत ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वे उनकी बात उपयुक्त प्राधिकरण के सामने रखेंगे। मुलाकात से पहले सुकांत ने दावा किया कि कोलकाता पुलिस ने मामले की आरंभिक जांच के दौरान सुबूतों को नष्ट किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष का साला और उसकी पत्नी गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर

▶ फूड इंस्पेक्टर, लेक्चरर और पटवारी की नौकरी के लिए नौ लोगों से डेढ़ करोड़ वसूले

आरोपित देवेंद्र जोशी।

आरोपित झगीता जोशी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के साले देवेंद्र जोशी और उसकी पत्नी झगीता जोशी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया है। उन पर नौकरी दिलाने के नाम पर डेढ़ करोड़ रुपये वसूलने के आरोप हैं। देवेंद्र ने टामन की पहुंच के माध्यम से अलग-अलग विभाग में अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद लोगों को धौंस दिखाकर नौकरी लगाने के नाम पर पैसे ऐंठे। आरोपित ने फर्जी एमओआर शीट और नियुक्ति पत्र तक दे दिया था।

सिविल लाइन थाने में पीड़िता अंजना गहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला 2021 का है, जब अंबिकापुर निवासी अंजना ने मौसा देवेंद्र जोशी से नौकरी के बारे में बात की थी। जोशी ने बताया कि उसकी बड़े अधिकारियों से जान-पहचान है और वह सरकारी नौकरी दिलवाने में मदद कर सकता है। आरोपित ने झांसे में लिया और नौ लोगों से फूड इंस्पेक्टर, लेक्चरर और पटवारी की नौकरी लगाने के नाम पर 25-25 लाख रुपये ले लिए। पैसे आरोपित के राजेन्द्रनगर स्थित घर में जाकर उसे और उसकी पत्नी झगीता जोशी को दिए गए थे। सीजीपीएससी घोटाले में भतीजे नितेश सोनवानी, साहिल सोनवानी के साथ पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी पहले ही जेल में बंद हैं। सीबीआइ ने सोनवानी, भतीजे साहिल, बजरंग पावर व इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्रवण गोयल, उद्योगपति के बेटे शशांक गोयल व बहू भूमिका कटियार को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है।

गुजरात में जर्मनी से संचालित जीवन फौजी गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

वडोदरा, आइएएनएस : पंजाब के डेरा बाबा नानक इलाके में 13 जनवरी को जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी के मामले में वांछित अंतरराष्ट्रीय जीवन फौजी गिरोह के सदस्य सुनील उर्फ लब्भा को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह जर्मनी से संचालित होता है। उसे एक माल से गिरफ्तार किया गया। वह वहां पिछले दो वर्षों से सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था।

सुनील के सहयोगी बाबी ने पुलिस से उसे बचाने के लिए माल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी दिलाई थी। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जर्मनी से संचालित होने वाला जीवन फौजी गिरोह जबरन वसूली और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है।

जांचकर्ताओं ने यह भी पाया है कि आरोपित सुनील एक ड्रग एडिक्ट है, लेकिन वडोदरा में वह कहां से ड्रग्स खरीदता था, इस बारे में अभी तक जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस उसके स्थानीय कनेक्शन और क्षेत्र में गिरोह की गतिविधियों की जांच कर रही है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के नाम पर केजीएमयू में मिलेगा स्वर्ण पदक

अगरतला, एएनआइ: लखनऊ स्थित किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा के नाम पर एक स्वर्ण पदक शुरू करने की घोषणा की है। डीन प्रो रंजीत कुमार पाटिल ने मानिक साहा को लिखे पत्र में विश्वविद्यालय के निर्णय की जानकारी दी है। स्वर्ण पदक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाएगा। इसमें कहा गया है कि 26 नवंबर 2024 को दंत विज्ञान संकाय के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में आपके आगमन और संस्थान में आपकी प्रेरणा और योगदान से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया गया है। कुलपति ने 'माणिक साहा स्वर्ण पदक' शुरू करने की घोषणा की है। इस पदक को विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के दौरान ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विषय में सर्वोच्च अंक हासिल करने वाले पीजी छात्र को प्रदान किया जाएगा।

बिना पासपोर्ट के अमेरिका फरार, गिरफ्तारी के आदेश

▶ अवमानना मामले का सामना कर रहा व्यक्ति पत्नी से लड़ रहा है कानूनी लड़ाई

▶ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गैर-जमानती वारंट जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक अनोखे मामले में अवमानना की कार्यवाही का सामना कर रहा व्यक्ति कोर्ट की हिरासत में उसका पासपोर्ट होने के बावजूद अमेरिका भाग गया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच करने और उसकी गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल केएम नटराज से कोर्ट की सहायता करने और यह बताने को कहा कि व्यक्ति को बिना पासपोर्ट के इस देश से बाहर जाने की अनुमति कैसे दी गई।

पीठ ने कहा, "भारत सरकार के गृह मंत्रालय की सहायता से वह यह भी पता लगाएं और अदालत को बताएं कि प्रतिवादी को देश से भागने में किसने मदद की और इसमें कौन-कौन अधिकारी और अन्य लोग शामिल थे।"

पीठ ने कहा, "हम इस बात से हैरान हैं कि कथित अवमाननाकर्ता/प्रतिवादी बिना पासपोर्ट के अमेरिका या कोई अन्य देश कैसे जा सकता है, जबकि उसका पासपोर्ट इस कोर्ट की हिरासत में है। जो भी हो, अब हमारे पास कथित अवमाननाकर्ता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।" पीठ ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

यह व्यक्ति अपने बच्चे की कस्टडी के लिए अपनी अलग रह रही पत्नी से कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। पत्नी ने अपने पति के खिलाफ अवमानना याचिका दायर कर रखा है जिस पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। आठ फरवरी, 2006 को उनकी शादी हुई थी और वे अमेरिका चले गए। उनका एक 10 वर्षीय बच्चा भी है। हालांकि, वैवाहिक कलह के कारण पति ने 12 सितंबर, 2017 को मिशिगन (अमेरिका) की एक अदालत से तलाक का आदेश प्राप्त कर लिया। दूसरी ओर, पत्नी ने भी भारत में अलग हुए पति के खिलाफ कई कार्यवाही शुरू की।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह प्रतिवादी को गिरफ्तार करने और उसे न्याय के कठघरे में लाने के लिए कानून के तहत हर संभव कदम उठाए। यह आदेश तब आया जब अवमाननाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने बताया कि वह विदेश चला गया है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी के लिए तय की।

केरल चर्च विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने रद किया हाई कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केरल हाई कोर्ट के उस आदेश को रद कर दिया जिसमें उसने राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया था और उन्हें जैकोबाइट सीरियन चर्च गुट के छह चर्चों को अपने अधिकार में लेकर मलनकारा आर्थोडाक्स सीरियन चर्च गुट को सौंपने का निर्देश दिया था। पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा एर्नाकुलम और पलक्कड़ जिलों के कलेक्टर और पुलिस को चर्चों को कब्जे में लेने का निर्देश देना उसे चिंतित कर रहा है। पीठ ने कहा, 'धार्मिक स्थल के अंदर पुलिस का जाना हमें चिंतित कर रहा है और इसीलिए हम हाई कोर्ट से इस पहलू की नए सिरे से जांच करने व कोई समाधान तलाशने के लिए कह रहे हैं। हाई कोर्ट इस अदालत के आदेशों के क्रियान्वयन के लिए उचित आदेश पारित करने के लिए स्वतंत्र होगा जहां भी लगे कि इसे सही अर्थ एवं भावना से लागू नहीं किया गया है।'

दिल्ली, उप्र समेत आठ राज्यों में 52 साइबर अपराधी गिरफ्तार

88.32 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

हैदराबाद, एएनआइ : साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम यूनिट ने 88.32 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पर्दाफाश कर देश के आठ राज्यों में 52 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने इस अभियान की सफलता के बारे में जानकारी दी।

पुलिस आयुक्त ने बयान में बताया कि यह कार्रवाई गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में की गई। गिरफ्तार 52 साइबर अपराधियों में तीन मास्टरमाइंड हैं। यह कार्रवाई पूरे देश में 576 मामलों में 88.32 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में की गई है। हालांकि, पुलिस करीब तीन करोड़ रुपये ही जब्त कर पाई है।

पुलिस आयुक्त ने कहा, हम बैंकिंग प्रक्रिया के माध्यम से केवल तीन करोड़ रुपये ही जब्त कर सके हैं। कई मोबाइल फोन, चेकबुक, पैन कार्ड और ऐसे अन्य सामान जब्त किए गए हैं। जांच से पता चला कि धोखाधड़ी को बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया।

तीन बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें बेंगलुरु में आरबीएल बैंक के उप प्रबंधक शुभम कुमार झा, एक्सिस बैंक, बेंगलुरु के सहायक उपाध्यक्ष हारुन रशीद और कोटक महिंद्रा बैंक में सेल्स मैनेजर काता श्रीनिवास शामिल हैं।

****

दैनिक जागरण

सार्थक चर्चा ज्ञान के आदान-प्रदान का माध्यम है

हंगामा न हो

संसद के बजट सत्र को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में हुई चर्चा को संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने बहुत रचनात्मक बताया, लेकिन यह कहना कठिन है कि इस सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही रचनात्मक ही रहेगी। यह कहना इसलिए कठिन है, क्योंकि अब संसद में किसी न किसी बहाने हंगामा ही अधिक होता है। विपक्ष अपनी ओर से महत्वपूर्ण माने जाने वाले जिन विषयों को उठाने पर जोर देता है, उन पर सार्थक विचार-विमर्श में कम ही रुचि दिखाता है। पता नहीं क्यों और कैसे यह मान लिया गया है कि किसी मसले पर हंगामा करने मात्र से उस पर चर्चा का उद्देश्य पूरा हो जाता है? किसी मुद्दे पर हंगामा करने से वह सतह पर अवश्य आ जाता है, लेकिन देश की जनता को यह पता नहीं चल पाता कि राजनीतिक दल उसे किस तरह सुलझाना चाहते हैं? सार्थक चर्चा के अभाव में देश को कोई दिशा नहीं मिल पाती। उसे बस ऐसी खबरें मिलती हैं कि संसद में हंगामा हुआ, नारेबाजी हुई, सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वह महाकुंभ में हुई भगदड़ पर चर्चा को प्राथमिकता देगा। इसमें कोई हर्ज नहीं, लेकिन क्या इससे यह संकेत नहीं मिलता कि उसने अपने स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों की तलाश नहीं की?

यह ठीक है कि विपक्षी नेताओं ने यह भी कहा कि वे महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे भी उठाएंगे, लेकिन ये तो वे विषय हैं, जिन्हें लेकर सदैव सरकार को घेरने की कोशिश की जाती है। विडंबना यह है कि इन मुद्दों पर भी घिसे-पिटे विचार प्रकट किए जाते हैं। यह तय माना जाना चाहिए कि बजट चाहे जैसा हो, विपक्ष उसे सिरे से खारिज करते हुए यही कहेगा कि वह किसी काम का नहीं और उसमें किसानों, नौजवानों, महिलाओं आदि के लिए कुछ भी नहीं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं विपक्ष की विचारशून्यता का ही परिचायक होती हैं। अच्छा हो कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाए कि महंगाई, बेरोजगारी आदि के साथ संसद का सही तरह न चलना भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यदि संसद सही तरह नहीं चलेगी और वहां मुद्दे उठाने के नाम पर हंगामा अधिक होगा तो फिर जनाकांक्षाओं के इस सर्वोच्च मंच की महत्ता और गरिमा ही कम होगी। संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक चर्चा कैसे हो, इसके लिए विपक्ष के साथ-साथ सत्तापक्ष को भी तत्परता दिखानी होगी। इसलिए दिखानी होगी, ताकि बजट के साथ-साथ संसद के इस सत्र में वक्फ एवं एक साथ चुनाव समेत जो अन्य महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने हैं, उन पर सचमुच गंभीर चर्चा हो सके। विपक्ष को यह शिकायत करने का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए कि उसे अपनी बात नहीं कहने दी जा रही है।

नई ऊर्जा

झारखंड सरकार ने भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान और ओलिंपियन सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को राजधानी रांची के हरमू में जमीन आवंटित किया है। साथ ही इस पर भवन बनाने के लिए 35-35 लाख रुपये के अनुदान भी दिए हैं। खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह सराहनीय पहल है। खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को और बेहतर बना सकें और राज्य का गौरव बढ़ा सकें, उन्हें समय-समय पर सम्मानित करना सरकार का सही कदम है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से 'मेडल लाओ-नौकरी पाओ' योजना भी चलाई जा रही है, जिसके तहत अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नौकरी दी जा रही है। ऐसे सम्मान खासकर खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को ऊर्जा देने का काम करेंगे। उन्हें खेल की दिशा में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। हालांकि सम्मान के साथ-साथ राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के अंतरराष्ट्रीय मानकों की तरह खेल सुविधाएं भी विकसित की जानी चाहिए। इसके अलावा राज्य के सभी जिला और प्रखंड स्तर पर खेल स्टेडियम की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराई जानी चाहिए। आज कई राज्य अपने खिलाड़ियों के लिए नई खेल नीति लाकर उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। राज्य सरकार को इस दिशा में गंभीरता पूर्वक सोचना चाहिए। कई मामलों में राज्य के खिलाड़ियों को अपेक्षित आधारभूत संरचनाएं नहीं मिल पाने के कारण वे प्रतिस्पर्द्धा में पिछड़ जाते हैं। शासन-प्रशासन को इस मामले में गंभीर होना होगा।

> खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह सरकार का सराहनीय कदम है

वैचारिक संघर्ष की दशा-दिशा

राहुल वर्मा

वामपंथी विचारधारा खुद को भारतीय परिवेश में प्रस्तुत नहीं कर सकी तो संघ ने सामाजिक समावेश, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के जरिये बढ़त बनाई

यह साल भारत के लिए गहरे निहितार्थ लिए हुए है। बीते दिनों ही भारत ने अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाया है। इसी साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यानी भाकपा भी इसी साल अपना सौवां स्थापना दिवस मनाएगी। यह भी एक बड़ा संयोग है कि भारतीय सामाजिक-राजनीतिक विमर्श में वैचारिक स्तर पर दो विपरीत ध्रुवों पर खड़े संघ और कम्युनिस्ट दल इसी साल अपने सौवें पड़ाव से गुजरेंगे। ऐसे में उनकी अभी तक की यात्रा और भावी दशा-दिशा के प्रति उत्सुकता बहुत स्वाभाविक है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य की चर्चा करें तो संघ से संबद्ध मानी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी यानी भाजपा इस समय शीर्ष पर है तो कम्युनिस्ट आंदोलन निरंतर विखंडन के बाद पूरी तरह हाशिए पर पहुंच चुका है। भारतीय राजनीतिक विमर्श में भाजपा दक्षिणपंथ, कम्युनिस्ट वामपंथ तो कांग्रेस मोटे तौर पर वामपंथी झुकाव के बावजूद मध्यमार्गी पार्टी ही मानी गई है। भाजपा के मौजूदा वर्चस्व को देखते हुए यही प्रतीत होता है कि उसकी वैचारिक धारा समय के साथ भारतीय राजनीति पर अपनी पैठ मजबूत करती गई, जबकि खांटी वामपंथी कम्युनिस्ट और वाम झुकाव वाली कांग्रेस अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं।

विचारधाराओं के संघर्ष की पृष्ठभूमि के एक पड़ाव की जड़ें स्वतंत्रता पूर्व के दौर से जुड़ी हैं तो उसका अगला विस्तार आजादी के बाद होता है। भाकपा दिसंबर 1925 के दौरान अस्तित्व में आई। वामपंथी खेमे में आरंभ से ही टकराव के कई मोर्चे खुले दिखे। इसमें सत्ता प्राप्ति के लिए राह चुनने से लेकर संविधान सभा में सहभागिता के मुद्दे पर कायम मतभेद प्रमुख बिंदु रहे। चीन और रूस के समर्थन के मुद्दे ने भी आंतरिक धड़ों के बीच ऐसा पेच फसाया जो अंदरूनी विभाजन का आधार बना। परिणामस्वरूप, भाकपा से ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी यानी माकपा निकली। अलग-अलग राह चुनने के बावजूद वैचारिक गोंद ने दोनों धड़ों को जोड़े रखा और उनके गठजोड़ ने केरल, बंगाल और त्रिपुरा में अपना राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखा। माओवादी हिंसक धारा भी कुछ हिस्सों में अपनी जड़ें जमाने में सफल रही। हालांकि अब स्थिति यह है कि बंगाल और त्रिपुरा से इन दलों का लगभग सफाया हो चुका है। केवल केरल में ही उनकी राजनीतिक जमीन बची है। वहीं, हिंसक माओवादियों की स्थानीय जनता पर पकड़ कमजोर हुई है तो सुरक्षा एजेंसियों के अभियानों ने भी उन्हें खासा नुकसान पहुंचाया है। समय के साथ खुद को बदल पाने में नाकाम रहना भारत में वामपंथ का दायरा सिकुड़ने की बड़ी वजह रही।

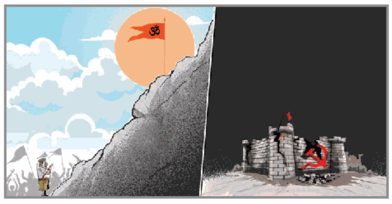

अवधेश राजपूत

आजादी से पहले के दौर की बात करें तो उसी दौरान मुस्लिमों को लामबंद करने के लिए बनी मुस्लिम लीग का लक्ष्य तो भारत विभाजन के साथ ही पूरा हो गया था। लीग के इक्का-दुक्का अवशेष जरूर कुछ इलाकों तक सक्रिय रह गए हैं। पंजाब में पंथिक राजनीति के रूप में शुरू हुए अकाली दल में विभाजन होते गए और प्रमुख अकाली पार्टी-शिरोमणि अकाली दल अपने पुरोधा प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद पंजाब में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। अकाली दल के अन्य धड़ों की स्थिति भी कोई बहुत अच्छी नहीं। दलितों की गोलबंदी के लिए डा. भीमराव आंबेडकर का रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया यानी आरपीआइ के रूप में किया गया राजनीतिक प्रयोग भी सफल नहीं रहा। वहीं, तमिलनाडु में 1920 के दौरान पेरियार के नेतृत्व में गति पकड़ने वाले आंदोलन ने द्रविड़ कषगम यानी डीके के रूप में राजनीतिक चोला पहना। डीके से ही डीएमके, एआइएडीएमके और एमडीएमके जैसी अन्य द्रविड़ राजनीतिक धाराएं निकलीं जो आज भी परस्पर संघर्षरत हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व होने के बावजूद इन धड़ों में वैचारिक टकराव जारी है।

जहां ये विचारधाराएं समय के साथ संकुचित और विखंडित होती गईं तो दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्र तले दक्षिणपंथी विचारधारा निरंतर फलती-फूलती गई। स्वतंत्रता से पहले जहां हिंदू महासभा और अभिनव भारत जैसे हिंदुत्व के लिए समर्पित संगठन भी सक्रिय थे तो कालांतर में इस प्रकार के संगठन भी संघ की वैचारिकी में समाहित होते गए। इतना ही नहीं, आरंभ में कांग्रेस के भीतर असंतुष्ट दक्षिणपंथी नेता भले ही संघ से जुड़े संगठनों का सीधा हिस्सा न बने हों, लेकिन उन्होंने संघ परिवार से गलबहियां करने में कोई संकोच नहीं किया। जनसंघ के रूप में संघ का राजनीतिक प्रयोग अपेक्षित रूप से सफल नहीं रहा, लेकिन देश में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार के गठन में जरूर उसकी अहम भूमिका रही। यहां तक कि जयप्रकाश नारायण जैसे गांधीवादी नेता को भी संघ से कोई परहेज नहीं रहा। मोरारजी देसाई और जगजीवन राम जैसे दिग्गज कांग्रेसी भी संघ के समर्थन से बनी सरकार का हिस्सा बने। जनता पार्टी के असफल प्रयोग के बाद संघ ने भाजपा के रूप में एक नई शुरुआत को समर्थन दिया और दो लोकसभा सीटों से एक समय 303 लोकसभा सीटों तक पहुंची भाजपा ने अपनी सफलता से चमत्कृत किया है। संघ के अन्य संगठन भी अपने विस्तार में सफल रहे हैं।

संकुचन-विस्तार के विरोधाभास से विपरीत विचारधाराओं की गुणवत्ता को तो स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं किया जा सकता, मगर यह अवश्य समझा जा सकता है कि इनके विकास और पिछड़ने के क्या कारण हो सकते हैं। इसमें सबसे प्रमुख कारण तो यही दिखता है कि वामपंथी विचारधारा जहां अंतरराष्ट्रीयवाद से प्रभावित होकर उसके सही भारतीय स्वरूप को सामने नहीं रख पाई तो संघ ने सामाजिक समावेश, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के जरिये आगे बढ़ने में सफलता पाई। पिछली सदी के अंतिम दशक में मंडल, मंदिर और मार्केट के रूप में देश जिस बदलाव का साक्षी बना, उन परिस्थितियों को संघ ने दूसरों के मुकाबले शायद कहीं बेहतर तरीके से भुनाया।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं सेंटर फार पालिसी रिसर्च में फेलो हैं)
response@jagran.com

भारत के भविष्य को आकार देने की पहल

जी. किशन रेड्डी

भारत की ऊर्जा जरूरतों से लेकर खाद्य सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन एक दूरदर्शी कदम है

ढाई हजार साल से भी पहले राजस्थान के जावर में जिंक के खनन से लेकर कोहिनूर की खोज तक भारत ने लंबे समय से खदानों और खनिजों के सामरिक महत्व को समझा है। हमारे पूर्वज इस बात को भलीभांति समझते थे कि खदानें राजकोष का एक प्रमुख स्रोत हैं। खदानें देश के आर्थिक विकास, उद्योगों को बढ़ावा देने, रोजगार निर्माण, देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और वैज्ञानिक एवं तकनीकी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसे देखते हुए महत्वपूर्ण खनिजों के लिए सुधारों की एक श्रृंखला प्रारंभ की गई है। इसी कड़ी में 2015 में, खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए जिसने खनन क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी और एक पारदर्शी नीलामी व्यवस्था की शुरुआत हुई। इसके कारण 442 ब्लाकों की नीलामी पारदर्शिता से की गई और राज्यों को नीलामी प्रीमियम और रायल्टी के रूप में लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की स्थापना के बाद 6,000 करोड़ रुपये का उपयोग अन्वेषण गतिविधियों में हुआ है। इसके अलावा, खनिज संपन्न जिलों में जिला खनिज निधि को एक लाख करोड़ रुपये मिले, जिनका उपयोग स्थानीय विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जनकल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

आज महत्वपूर्ण खनिज नए युग की तकनीक से प्रेरित समाज की जीवनरेखा बन गए हैं। जब देश स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत तकनीकों की ओर बढ़ रहा है, तो महत्वपूर्ण खनिजों को न्यू आयल के रूप में देखा जा रहा है। लीथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों और सेमीकंडक्टर के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी तरह, फास्फेट, पोटाश और ग्लौकोनाइट कृषि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं, जबकि टाइटेनियम और बेरिलियम एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आवश्यक हैं। इसलिए भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आवश्यकता है। भविष्य की इन मांगों के प्रति व्यापक दूरदृष्टि रखते हुए 16,300 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन) की शुरुआत का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। घरेलू उत्पादन में तेजी लाने, विदेश से महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करने और प्रौद्योगिकी विकास आदि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस मिशन को आरंभ करने की घोषणा वित्त वर्ष 2024-2025 के आम बजट में की गई थी। इससे अब महत्वपूर्ण खनिजों की दीर्घकालिक सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

समय के साथ कदम मिलाने का प्रयास। प्रतीकात्मक

यह मिशन भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा, जो भावी पीढ़ी की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं को रणनीतिक रूप से नया आकार दे रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन की दिशा में तेज गति प्रदान करेगा और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक रणनीतिक आधार तैयार करेगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमानों के अनुसार, इन खनिजों की वैश्विक मांग 2030 तक तीन गुनी और 2040 तक चार गुनी हो जाएगी। वर्तमान में हमारे अधिकांश महत्वपूर्ण खनिज पूरी तरह से आयातित हैं। सरकार ने इस मिशन के जरिये इस दिशा में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ वैश्विक बाजार में निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। इस मिशन का लक्ष्य घरेलू स्तर पर 1,200 खनिज-समृद्ध स्थलों की खोज करना है। साथ ही बौद्धिक संपदा उत्पन्न करना भी है, जिसका लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में 1,000 पेटेंट प्राप्त करना है। यह मिशन 100 घरेलू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का भी समर्थन करेगा और खनन एवं प्रसंस्करण से लेकर पुनर्चक्रण तक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 10,000 कुशल पेशेवरों का निर्माण करेगा। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत खनिज प्रसंस्करण पार्कों, उत्कृष्टता केंद्रों और लक्षित कौशल विकास कार्यक्रमों की स्थापना यह सुनिश्चित करेगी कि भारत महत्वपूर्ण खनिज नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र बने।

वर्ष 2030 तक भारत का लक्ष्य अपनी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करना और कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन कम करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लीथियम-आयन बैट्री जैसी तकनीकों के घरेलू विनिर्माण की आवश्यकता है, जिसके लिए लीथियम, निकल और कोबाल्ट की पर्याप्त मात्रा की आवश्यकता होगी। मिशन इस अंतर को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व करे न कि उसका अनुसरण रहे। कुल मिलाकर भारत का यह राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन केवल आज की चुनौतियों का जवाब नहीं है, बल्कि यह भारत के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। साथ ही यह भारत को स्वच्छ ऊर्जा के लिए वैश्विक परिवर्तन का नेतृत्व करने, हमारी विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए है। यह मिशन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने, आर्थिक विकास सुनिश्चित करने और हमारी ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक समग्र प्रयास है।

(लेखक केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

अतिचिंता

चिंतन मस्तिष्क की स्वाभाविक क्रिया है। गर्भ में भ्रूण के निर्माण और प्राण आने के क्षण से ही मनुष्य की चेतना जागृत हो जाती है। यही चेतना उसके मस्तिष्क को सक्रिय रखती है। इसमें सतत विचारों और भावों का प्रवाह बना रहता है। जीवन है तो चिंतन अपरिहार्य है।

औसत मस्तिष्क में प्रतिदिन लगभग चौसठ हजार विचारों का आना-जाना बताया गया है। इन विचारों-भावों की प्रकृति और तीव्रता कैसी होगी, यह उन जीवन मूल्यों और धारणाओं पर निर्भर है जिन्हें हम संजोते, सहेजते रहे हैं। मस्तिष्क का स्वभाव है कि जिस विचार या भाव की इसमें प्रतिष्ठा कर देंगे, वही फल-फूल कर अपना वर्चस्व स्थापित कर देगा। अस्वस्थ विचार मन में घर कर जाएं तो उचित विचार की स्थापना दुष्कर होगी। अतः आवश्यक है कि जिस विचार को मस्तिष्क में स्थान दिया जा रहा है वह तर्कसम्मत, श्रेष्ठ और सुफल हो। मनुष्य सौभाग्यशाली है कि प्रभु ने उसे मन-मंदिर में कोई भी विचार या अभिलाषा आरोपित करने की अद्भुद सामर्थ्य प्रदान की है। श्रेष्ठ, स्वस्थ विचारों का चयन ही सुफल देता है।

कठिनाइयों से विचलित होकर अतिचिंता में डूबे रहना कुछ व्यक्तियों की मनोवृत्ति बन जाती है, जो कालांतर में उन्हीं के लिए घातक बन जाती है। वे नहीं समझते कि अधिसंख्य समस्याएं अल्पकालिक होती हैं, उतनी गंभीर नहीं होतीं जितना हम उन्हें मान लेते हैं। सामान्य कठिनाइयों को जीवन-मरण का प्रश्न न बनने दें। अत्यधिक चिंता समाधान दिलाना तो दूर, समस्या को और जटिल बना देती है, मनोबल गिराती है, ऊर्जा का ह्रास करती है। संयत, शांत रहना सीख जाएंगे तो अतिचिंता से ग्रस्त नहीं होंगे। अनावश्यक विचारों को मन से निष्कासित कर डालें, भविष्य की सुध लें। बुद्ध का संदेश है, उतनी क्षति हमें कुछ और नहीं पहुंचा सकती, जितना हमारे अपने ही अनियंत्रित विचार।

हरीश बड़थ्वाल

हिंसा सहें नहीं, प्रतिकार करें

सुनीता मिश्रा

> हमारे देश में अधिकांश महिलाएं किसी न किसी रूप में विवाह के पश्चात हिंसा सहती हैं, जो कई बार हत्या में भी बदल जाती है

बीते दिनों दिल्ली हाई कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में पति को जमानत देने से इन्कार करते हुए कहा कि महिलाओं को अपने वैवाहिक घरों में कष्ट नहीं सहना चाहिए, क्योंकि इससे अपराधियों को प्रोत्साहन मिलता है। अदालत ने कहा कि 'आइपीसी की धारा 304 बी लगभग 40 वर्षों से अस्तित्व में है, फिर भी न्यायालय ऐसे मामलों से दुखी है, जिनमें महिलाओं को परेशान किया जाता है, प्रताड़ित किया जाता है और उनकी हत्या की जाती है। केवल इसलिए, क्योंकि उनका विवाह ऐसे परिवार में हुआ है, जो वैवाहिक संबंध के कारण अधिकार के रूप में धन और दहेज की मांग करता रहता है।'

दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के अंतर्गत दहेज लेना और देना दोनों को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इसमें दहेज लेने-देने या उसमें सहयोग करने पर पांच वर्ष की कैद और 15 हजार रुपये के जुर्माने का प्रविधान है। दहेज के लिए प्रताड़ित करने पर पति और उसके रिश्तेदारों को तीन साल की कैद और जुर्माना हो सकता है। यदि किसी महिला की विवाह के सात साल के भीतर असामान्य परिस्थितियों में मौत हो जाती है और यह साबित कर दिया जाता है कि मौत से पहले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था, तो आइपीसी की धारा 304-बी के तहत उसके पति और आरोपित रिश्तेदारों को कम से कम सात साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। यह सत्य है कि हमारे देश में अधिकांश महिलाएं किसी न किसी रूप में विवाह के पश्चात कष्ट सहती हैं, जो कई बार हत्या में भी बदल जाती है। इन घटनाओं के बढ़ने का एक प्रमुख कारण महिलाओं को कानून की जानकारी का न होना है। जानकारी के अभाव में वे अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार को सहती रहती हैं। महिलाओं को इस बात को समझना होगा कि हिंसा करने वाले के साथ उसे सहने वाला भी कहीं न कहीं उतना ही अपराधी माना जाता है।

दुनियाभर में भारतीय संस्कृति को विशेष पहचान दिलाने में भारत की महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। हर परिवार में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होती है। सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बावजूद कई बार उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। अगर वे नहीं होंगी, तो घर एक घर की तरह नहीं लगेगा। उनके होने से परिवार और बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं, जिनका कोई मोल नहीं है। ऐसे में हाई कोर्ट का निर्णय स्वागत योग्य है। इससे महिलाओं में जागरूकता बढ़ेगी। वे समाज के दबाव में वैवाहिक घरों में कष्ट सहने को मजबूर नहीं होंगी। वहीं, अभिभावकों में यह संदेश जाएगा कि बेटी चाहे विवाहित हो या अविवाहित उसके सुख-दुख में उसका साथ देना हर माता-पिता का कर्तव्य है। अगर ससुराल वाले उनकी बेटी के साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं, तो वे उसे नजरअंदाज न करें।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

चीनी खतरे से निपटने के उपाय

'तकनीकी क्षेत्र में चीनी वर्चस्व का खतरा' शीर्षक से लिखे आलेख में शिवकांत शर्मा चीन के तकनीकी वर्चस्व के खतरे को रेखांकित करते हुए भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने, स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा नीतियों को सख्त करने की सलाह दे रहे हैं। चीन की तकनीकी बढ़त केवल व्यापारिक या औद्योगिक सफलता नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला कारक बन चुका है। 5जी नेटवर्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सुपरकंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर उत्पादन में चीन की अग्रणी स्थिति उसे एक निर्णायक शक्ति प्रदान करती है। भारत के लिए यह स्थिति केवल एक प्रतिस्पर्धात्मक चुनौती नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता से जुड़ा गंभीर विषय है। भारत की सबसे बड़ी समस्या अनुसंधान एवं विकास में निवेश की कमी और स्वदेशी तकनीकी उद्यमों को उचित समर्थन न मिल पाना है। चीन जहां अपनी जीडीपी का लगभग 2.4 प्रतिशत आरएंडडी पर खर्च करता है, वहीं भारत इस मामले में मात्र 0.7 प्रतिशत तक सीमित है। यह अंतर वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की पिछड़ी स्थिति को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, चीन ने अपने उद्योगों को सरकारी संरक्षण और सब्सिडी देकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक मजबूत आधार प्रदान किया है, जबकि भारत में अभी भी टेक्नोलाजी स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता की कमी बनी हुई है। तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए भारत को दीर्घकालिक नीतियों की आवश्यकता है। हमें सेमीकंडक्टर निर्माण, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा में नवाचार बढ़ाना होगा। इसके अलावा, भारत को अपनी डाटा सुरक्षा नीतियों को मजबूत करते हुए साइबर खतरों से निपटने के लिए एक संगठित रणनीति अपनानी होगी। तकनीकी वर्चस्व केवल आर्थिक समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य की भू-राजनीतिक शक्ति का आधार भी है।

awanishg30@gmail.com

रेवड़ी बांटने की प्रवृत्ति

आजकल की राजनीति में रेवड़ी बांटने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करना आवश्यक है। यह प्रवृत्ति न केवल हमारे लोकतंत्र को कमजोर करती है, बल्कि यह हमारे देश के भविष्य को भी खतरे में डालती है। रेवड़ी राजनीति के कारण न केवल हमारे देश और राज्य की आर्थिक स्थिति खराब होती है, बल्कि यह हमारे समाज में भी विभाजन पैदा करती है। लोगों को आकर्षित करने के लिए राजनीतिक दल विभिन्न प्रकार की योजनाएं और लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन यह योजनाएं अक्सर अल्पकालिक लाभ प्रदान करती हैं और देश के दीर्घकालिक विकास को नजरअंदाज करती हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम अपने नेताओं से मांग करें कि वे इस प्रकार की राजनीति को त्यागें और देश के विकास पर ध्यान केंद्रित करें। हमें अपने नेताओं को यह याद दिलाना चाहिए कि उनकी जिम्मेदारी केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के विकास और समृद्धि के लिए काम करना भी है।

रूपल, फरीदाबाद

दुखद घटना

विश्व के सबसे बड़े आयोजन प्रयागराज महाकुंभ में अत्याधिक भीड़ होने के कारण जो हादसा हुआ, उसमें 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जिससे पूरा देश भावुक होकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। विपक्ष का सरकार के साथ खड़े होने की जगह राजनीतिक बयानबाजी करना उचित नहीं है। सपा के प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कुंभ की व्यवस्थाओं की सच्चाई सामने आ गई है। शिवपाल यादव ने तो मुख्यमंत्री योगी का इस्तीफा ही मांग लिया है। आप नेताओं ने भी राजनीतिक तंज कसे हैं। कुंभ पर अंगुली उठाने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी हादसे पर दुख जताने की जगह अपनी राजनीतिक रोटियां सेकनी शुरू कर दी। हादसे की वास्तविकता को समझने की कोई भी नेता कोशिश नहीं कर रहा। आगामी दिनों में ऐसी घटना न घटे, उसके लिए काम किया जाए।

ललित शंकर, गाजियाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

डा. संजय वर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, बेनेट यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा

आजकल

रील की चकाचौंध के बीच रियल दुनिया

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की इन दिनों देश-दुनिया में चर्चा है। देश-दुनिया से इसे डिजिटल कुंभ की संज्ञा भी दी जा रही है। वस्तुतः इस बार कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं अन्य उन्नत तकनीकों के उपयोग को मोबाइल और इंटरनेट से जोड़कर सुविधाजनक बना दिया गया है ताकि श्रद्धालुओं को कोई जानकारी प्राप्त करने में कठिनाई न हो। ऐसे में बड़ी संख्या में युवा भी इस कुंभ से जुड़ तो रहे हैं, परंतु इंटरनेट पर रील्स के जरिये जो दिखाया जा रहा है उससे आध्यात्मिक आभा और संस्कृति पर आघात हो रहा है

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में प्रतिदिन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या करोड़ तक पहुंच चुकी है। प्रेट्र

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में अब तक 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगा ली है। यह क्रम निरंतर जारी है। उम्मीद है कि महाकुंभ की समाप्ति तक 45 करोड़ लोग पुण्य डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ कई रूपों में चर्चा में है। इस महाकुंभ के डिजिटल स्वरूप की एक अन्य झलक मोबाइल से बनाई जा रही इंटरनेट मीडिया रील्स के रूप में मिल रही है- जिनसे इसमें शामिल होने आए साधु-संतों और विशिष्ट अतिथियों को चर्चा मिली है। इन्हीं की बदौलत युवाओं की आध्यात्मिकता का प्रसंग उठा है और आइआइटी वाले बाबा की अध्यात्म संबंधी व्याख्याओं ने लोगों का ध्यान खींचा है। इससे एक सवाल यह उठा है कि क्या ये रील्स और ये व्याख्याएं सच में युवाओं के आध्यात्मिक रुझान को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत कर रही हैं।

निश्चय ही इसमें पहला प्रसंग आइआइटी वाले बाबा का उठता है, क्योंकि दावा है कि आइआइटी बांबे से डिग्री ले चुके और एक कंपनी में सालाना लाखों का वेतन पाने वाले युवा संन्यासी बन गए और एक बाबा के रूप में महाकुंभ में शामिल होकर आध्यात्मिकता का नया पहलू लोगों के सामने रख रहा है। हालांकि यह तथ्य किसी को भी हैरान कर सकता है कि आखिर क्यों आइआइटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से निकला और महत्वपूर्ण पद पर काम कर रहा एक शख्स अचानक कथित सांसारिकता से विमुख हो जाता है और अध्यात्म की ओर मुड़ जाता है। कुछ लोगों को आइआइटी बाबा की वह आध्यामिकता प्रभावित कर रही है जिसमें वह अपने माता-पिता और गुरुओं तक को कोस रहे हैं और स्वयं को एक किस्म की मानसिक हिंसा का शिकार बता रहे हैं। हालांकि तमाम यूट्यूबरों और टीवी चैनलों को दिए गए साक्षात्कारों में आइआइटी बाबा ने अस्पष्ट सी बातें कही हैं, लेकिन साधु बने आइआइटी डिग्रीधारी जैसे पढ़े-लिखे व्यक्ति के मुंह से अध्यात्म की बातें सुनना युवाओं को खूब भा रहा है। अपनी जटिल बातों से ये आइआइटी बाबा भले ही लोगों को अध्यात्म की कोई सीख नहीं दे पाए हैं, लेकिन इससे युवाओं की यह जिज्ञासा सामने आ गई है कि आखिर अध्यात्म में ऐसा क्या है कि वह तमाम पढ़े-लिखे लोगों को अपनी ओर खींच लेता है। साथ ही, क्या दुनिया के युवाओं के लिए आध्यात्मिकता का वास्तव में कोई अर्थ है या फिर यह केवल रील्स बनाने जैसे एक तमाशे तक सीमित है।

दृश्यों-सूचनाओं की बौछार : इंटरनेट मीडिया ने हमारी नई दुनिया में जो बड़े बदलाव किए हैं, उनमें एक परिवर्तन तो युवाओं में एकाग्रता की कमी (अटेंशन डेफिसिट) की शक्ल में किया है। मोबाइल इंटरनेट की तकनीक ने युवाओं के दिमाग को उलझाने के लिए इतनी तेज गति से दृश्यों और सूचनाओं की बौछार शुरू की है जिसमें युवाओं को हर क्षण स्वयं को व्यस्त रखने के लिए कुछ नया और रोमांचक चाहिए होता है। इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रहने वाले आज के युवा किसी एक चीज से बड़ी जल्दी ऊब जाते हैं। वे किसी एक मुद्दे पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। उन्हें नशीले पदार्थों की तलब की तरह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ अप्रत्याशित और आवेगपूर्ण सामग्री (कंटेंट) की जरूरत होती है। इससे युवा दुनिया में एक नए किस्म के मनो-सामाजिक विकास का चरण कायम हुआ है, जिसमें वे अपनी एक मुकम्मल पहचाने बनाने के संकट से जूझ रहे हैं। इसमें कभी उनके साथियों और माता-पिता की अपेक्षाओं का दबाव झेलना पड़ता है तो कभी डिजिटल स्क्रीनों पर दिख रहे व तेजी से बदल रहे दृश्यों और सूचनाओं से तालमेल बिठाने की जरूरत महसूस होती है।

अगर युवाओं का यह व्यवहार जारी रहता है, तो यह उन्हें एक छद्म किस्म की आत्म-अस्वीकृति और आत्म-धोखे की ओर ले जा सकता है। इन दबावों में वे यह सीख नहीं पाते हैं कि स्वयं के प्रति सच्चा होना क्या होता है और अपनी कमजोरियों को व्यक्त करना व उन्हें स्वीकारते हुए कैसे आगे बढ़ा जाता है। ऐसे में वे आइआइटी बाबा के नाम से मशहूर हुए शख्स की तरह व्यक्तित्व-विकारों वाले जटिल व्यक्ति बन सकते हैं। ऐसे युवाओं में सतत चिंता और अवसाद के लक्षण विकसित हो जाते हैं। यह दशा उनके स्वाभाविक विकास, करियर, रिश्तों और उनकी सामाजिक हैसियत को प्रभावित करती है। इनसे बचाव के लिए युवाओं को एक ऐसे सुरक्षात्मक माहौल की जरूरत होती है, जिसमें उनका परिवार, दोस्त, योग शिक्षक, एक संरक्षक या आध्यात्मिक गुरु उनका सही मार्गदर्शन कर सकता है। लेकिन इस मामले में विडंबना यह है कि इसके लिए भी युवा इंटरनेट मीडिया की शरण में जा रहे हैं।

रील-प्रेरित आध्यात्मिकता का जाल : यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि आखिर युवाओं की रील वाली आध्यात्मिकता में फंसने से कैसे बचाया जाए। यह कैसे बताया जाए कि वह कौन सी आध्यात्मिकता है जिसकी उन्हें सच में जरूरत है। इस संबंध में पहली जिज्ञासा यह है कि क्या आध्यात्मिकता वास्तव में युवाओं के लिए जरूरी है। असल में, युवा आध्यात्मिकता ईश्वर में आस्था से जुड़ी है। 'गैलप' और 'बेजिला' द्वारा किए गए एक शोध अध्ययन में बताया गया कि अमेरिका में 95 फीसद किशोर और युवा ईश्वर में विश्वास करते हैं। सबसे दिलचस्प आंकड़े 'द प्रोजेक्ट टीन कनाडा' में मिले। अध्ययन में शामिल 60 प्रतिशत युवाओं ने आध्यात्मिकता को महत्वपूर्ण माना, जबकि 48 प्रतिशत युवाओं ने ऐसे संकेत दिए कि उनकी आध्यात्मिक जरूरतें हैं।

आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ : ये अध्ययन निश्चय ही आध्यात्मिकता को लेकर युवाओं के रुझान को स्पष्ट करते हैं, लेकिन समस्या यह है कि इनमें से ज्यादातर से यह पता नहीं चलता है कि आखिर वे किस आध्यात्मिकता की बात कर रहे हैं या जिसे वे आध्यात्मिकता कह रहे हैं, क्या वास्तव में वह अवधारणा इसकी परिभाषाओं से मेल खाती है। किशोरों और युवाओं के लिए आध्यात्मिकता के अर्थ इंटरनेट मीडिया या रील-प्रेरित हैं और सतही हैं। वे जीवन के लक्ष्यों, समाज और परिवार से संबंधों के बारे में अमूर्त ढंग से सोचते हैं और ऐसे समाधानों के प्रति आकर्षित हो जाते हैं जो अव्यावहारिक हैं। ऐसे युवाओं को कुछ देर सांस रोककर ध्यान में बैठ जाना ही आध्यात्मिकता लगता है। इस आध्यात्मिकता में न तो उन्हें अपने चित्त-मन को शांत करना सिखाया जाता है और न ही यह बताया जाता है कि जीवन का असली मतलब क्या है। जिंदगी के बारे में वे अक्सर कुछ सवाल तो उठाते हैं, लेकिन उनके प्रश्न ''जीवन के अर्थ'' या ''जीवन में उद्देश्य'' के उस बड़े दायरे को लेकर संबोधित नहीं होते हैं जो तीन परस्पर संबंधित मुद्दों से जुड़े होते हैं। ये तीन मुद्दे हैं- एक, जीवन का अर्थ क्या है। दो, जीवन की सार्थकता किसमें है। और तीन, जीवन में हमारा उद्देश्य क्या है। इन सबको जानना सबसे जरूरी है।

युवाओं के लिए आध्यात्मिकता क्यों आवश्यक

बहुत से लोगों का मत है कि आध्यात्मिकता को जानने, समझने और हासिल करने की एक उम्र होती है जो बुढ़ापे की ओर अग्रसर व्यक्तियों के लिए जरूरी है। जबकि सच यह है कि आध्यात्मिकता युवाओं के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है जितनी कि किसी अन्य आयु वर्ग के लिए। जबकि किशोरावस्था या युवावस्था में आध्यात्मिकता की सहज खोज का फायदा यह है कि कम उम्र में ही उन मुद्दों और तत्वों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है जो किसी के जीवन को और जिंदगी जीने के नजरिये को और बेहतर बना सकते हैं। युवाओं के लिए आध्यात्मिकता से जुड़ाव का पहला विशेष कारण यह है कि इससे युवा अपनी मानसिक क्षमताओं का सही दिशा में इस्तेमाल करना सीख सकते हैं। कई बाहरी और आंतरिक दबाव झेल रहे और भय, चिंता, पछतावे, बेचैनी एवं अति-उत्साह से भरी जिंदगी में आध्यात्मिक चेतना युवाओं को सही रास्ता दिखा सकती है।

दूसरी बड़ी वजह यह है कि इससे युवा अपनी प्राथमिकताएं तय कर सकते हैं और लक्ष्यों के साथ सटीकता से जुड़ सकते हैं। लेखक स्टीफन कोवे ने अपनी किताब 'द सेवन हैबिट्स आफ हाइली इफेक्टिव पीपल' में इसे एक लकड़हारे के उदाहरण से समझाया है। उन्होंने लिखा कि लकड़हारा पेड़ों को काटने में इतना व्यस्त रहता है कि उसके पास अपनी कुल्हाड़ी और आरी की धार को तेज करने का समय नहीं होता है। इससे भोथरी धार वाली कुल्हाड़ी या आरी से पेड़ों को काटने में अतिरिक्त श्रम और समय लगता है। इस कारण लकड़हारा अपनी दक्षता खो देता है और लक्ष्य हासिल करने में नाकाम होता है।

तीसरा कारण यह है कि आध्यात्मिकता की मदद से युवाओं के चारित्रिक गुणों का विकास होता है जो मन को शांत करते हैं। इससे व्यक्ति दयालु, विनम्र, धैर्यवान और क्षमाशील बनता है। चौथी वजह यह है कि आध्यात्मिकता की मदद से व्यक्ति अपनी सकारात्मक आत्म छवि बना पाता है। तब भलाई की हमारी भावना इस बात पर निर्भर नहीं करती है कि दूसरे हमें कैसे देखते हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि हम स्वयं को कैसे देखते हैं। पांचवां कारण यह है कि आध्यात्मिक जागरण संबंधों को बेहतर बनाता है। इससे व्यक्ति को यह समझने में मदद मिलती है कि हम सभी में से प्रत्येक एक आत्मा है। यह समझ किसी दूसरे के बारे में कोई कठोर फैसला लेने से बचाती है। छठी वजह यह है कि इससे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति का विकास होता है। सातवीं वजह यह है कि आध्यात्मिकता हमारे जीवन को एक उच्च अर्थ और उद्देश्य देती है। सफलता बाहरी उपलब्धियों में निहित नहीं है। यह समझ विकसित होती है कि अगर किसी के पास मन की शांति, अच्छा स्वास्थ्य और परिवार और दोस्तों से सौहार्दपूर्ण संबंध नहीं हैं, तो पैसे, प्रसिद्धि और ताकत से मिली सफलता बेमानी है। (डा. संजय वर्मा)

खरी-खरी

बजट पूर्वानुमान

डा. प्रदीप मिश्र

सभी आम और खास को सूचित किया जा रहा है कल केंद्र सरकार का बजट प्रस्तुत होगा। इसमें कई वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। कुछ की कीमतों में कमी भी आएगी। लेकिन कीमत में बढ़ोतरी, दूसरे दिन से ही दिखने लगेगी, जबकि कमी इतनी नगण्य होगी कि उसे दूरबीन से ही देखा जा सकेगा।

बजट के बाद कारपोरेट जगत और ज्यादा महंगी कारों से चलेगा एवं कारपेट पर उतरकर, भरपेट भोजन करेगा। फिर बिना मिस्टेक, आगे बढ़ जाएगा। नेता, गिव एंड टेक से कुर्सी सेट करेंगे। अफसर, विकास को लेट करके मटियामेट करने का कार्य करेंगे।

बजट के बाद नौकरियां बढ़ेंगी, परंतु बेकार लोगों की तादाद भी बढ़ेगी। ग्रह-नक्षत्र अमीरों पर कृपा बरसाएंगे जिससे वे और भी ज्यादा अमीरी को प्राप्त होंगे। जबकि सभी ग्रह-नक्षत्रों की कुदृष्टि पड़ने के कारण गरीब, मर्मांतक गरीबी का आलिंगन करेंगे। तरह-तरह की सरकारें, बजट के आते ही नई-नई रेवड़ियों का ऐलान करेंगी और अपनी सत्ता को साल भर के लिए एक बार फिर फिक्स करेंगी। बजट आते ही, कुछ पुल टूटने का और टूटने के बाद फिर से बनकर टूटने का इंतजार करेंगे।

बजट से उम्मीद-पालकों के व्यवसाय में वृद्धि होगी। मुंगेरीलालनुमा लोग महंगाई कम होने की उम्मीदें पालेंगे, जबकि कुछ बजट से टैक्स कम होने की उम्मीदों का पालन करेंगे। कई शेख चिल्ली, बजट से कमाई बढ़ने की उम्मीद से होंगे, जबकि कई उम्मीद-पालक बजट से गरीबी दूर होने की उम्मीद पालते नजर आएंगे।

हमारे लोकतंत्र में क्योंकि वाणी, विचार, विवेक सब तयशुदा होते हैं। इसलिए सत्ताधारी और विपक्षी नेता, बजट पर क्या बोलेंगे, कोई भी पहले से बता सकता है। सत्ता पक्षी और विपक्षी अर्थशास्त्री भी अपने हित-अनहित की किताब पढ़ते हुए, हिसाब से बोलेंगे। तमाम राजनीतिक दलों के निष्पक्ष विश्लेषकों की वाणी, वसुंधरा में किस रूप में फैलेगी, यह उन्हें देखते ही पता चल जाएगा।

बहरहाल, नया बजट, नए जूते सरीखा होगा। दो-चार दिन तो काटेगा, फिर धीरे-धीरे एडजेस्ट हो जाएगा।

X पोस्ट

महाकुंभ दिव्य अनुभव है, जिसे शब्दों में बांधना लगभग असंभव है। बस आंखें मूंद लो और प्रार्थना में डूब जाओ। यह विज्ञान से परे एक गूढ़ रहस्य है, जो सदियों पुराने शास्त्रों, वेदों और ग्रंथों में बसा है।
हरिंदर एस. सिक्का@sikka_harinder

बेहद कम लागत और चुनिंदा लोगों के दम पर बना चीनी एआइ डीपसीक असल में भारत के लिए बहुत अच्छी खबर है। भारत को एआइ में प्रगति के लिए अब अत्यधिक महंगे जीपीयू पर खर्च करने की जरूरत नहीं है। एआइ के मोर्चे पर आगे बढ़ने की राह में सबसे बड़ी बाधा लागत ही रही है। अब ऐसा नहीं दिखता। इसके लिए डीपसीक से मिले सबक उपयोगी हो सकते हैं।
मिन्हाज मर्चेंट @MinhazMerchant

राहुल गांधी अब चुनावी मंच से कह रहे हैं कि दिल्ली में शराब घोटाला हुआ है, लेकिन जब अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार हुए थे तब यही कांग्रेस शिकायत कर रही थी कि मोदी तानाशाही के जरिये विपक्षी नेताओं को जेल में डाल रहे हैं। शराब घोटाला हुआ है तो केजरीवाल के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव क्यों लड़े थे?
सुशांत सिन्हा @SushantBSinha

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या चीन तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका को पछाड़ सकता है?

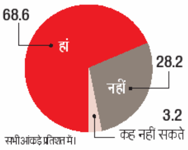

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या दस लाख रुपये तक की वार्षिक आमदनी आयकर के दायरे से मुक्त होनी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

चोर-उचक्के, मर्डरर सब चुनाव लड़ जायं,
फिर प्रचार की छूट पा घर की चुपड़ी खायं।
घर की चुपड़ी खायं कोर्ट से पाकर छुट्टी,
यदि फंस जाय शरीफ रहे गुम सिट्टी-पिट्टी।
बिना किये अपराध लोग खाते हैं धक्के,
नेता बनकर मौज उड़ाते चोर-उचक्के!
- ओमप्रकाश तिवारी

प्रदीप सिंह
राज्य ब्यूरो प्रमुख, झारखंड

झारखंड डायरी

सियासी उथल-पुथल में बढ़ी स्वीकार्यता

यह संयोग ही है कि आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के एक वर्ष पूरे हो रहे हैं। पिछले वर्ष 31 जनवरी को उन्हें ईडी ने जब गिरफ्तार किया था तो राज्य में सियासी उथल-पुथल का दौर आरंभ हुआ। चूंकि हेमंत सोरेन और उनके रणनीतिकारों को गिरफ्तारी का आभास पहले से ही था, इसलिए आनन-फानन में अपनी अनुपस्थिति में उन्होंने सरकार को बचाए रखने की पूरी तैयारी भी समय रहते कर ली थी। गिरफ्तारी के पहले उनके दिल्ली प्रवास के दौरान ईडी की छापेमारी से अनुमान लग गया था कि प्रतिकूल परिस्थितियां दस्तक देने वाली हैं। अनुमान के मुताबिक ही सबकुछ हुआ भी। हेमंत सोरेन की दिल्ली से वापसी के बाद तेजी से घटनाक्रम बदले। एक हद तक इस एक वर्ष के दौरान राज्य में जितनी राजनीतिक घटनाएं हुईं, उतना पहले कम देखने को कम मिला है। आश्चर्यजनक तौर पर चम्पाई सोरेन का मुख्यमंत्री बनना, लोकसभा चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन का बेहतर प्रदर्शन, हेमंत सोरेन की जेल से वापसी, फिर से उनका मुख्यमंत्री बनना, पहले सीता सोरेन और बाद में चम्पाई सोरेन का भाजपा में शामिल होना, विधानसभा चुनाव में फिर से हेमंत सोरेन का अधिक मजबूती के साथ सत्ता में वापस लौटना आदि ऐसे घटनाक्रम हैं, जो इस दौरान घटित हुए।

राजनीतिक उथल-पुथल के इस दौर में जहां हेमंत सोरेन को लगभग पांच माह जेल में गुजारना पड़ा, वहीं उनके विश्वस्त चम्पाई सोरेन की अग्निपरीक्षा भी हो गई। हेमंत सोरेन की जेल से रिहाई के बाद सत्ता वापसी के दौरान चम्पाई सोरेन असहज हुए। हालांकि उन्होंने तत्काल विद्रोह का बिगुल नहीं फूंका। वे हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी सरकार में मंत्री बने, लेकिन ज्यादा दिनों तक साथ नहीं चल पाए। विधानसभा चुनाव के पहले उन्होंने पाला बदलने का निर्णय किया। कुछ दिनों तक उहापोह के बाद वे भाजपा में शामिल हो गए। इसी दौरान हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन राजनीतिक क्षितिज पर उभरकर सामने आईं।

हेमंत सोरेन। फाइल

पति की अनुपस्थिति में घर से बाहर निकलकर उन्होंने राजनीतिक मोर्चा संभाला। चुनाव में जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ विधानसभा उपचुनाव में भी जीत हासिल की। इस दौरान हेमंत सोरेन को परिवार में भी अलगाव का सामना करना पड़ा। विधायक रहीं बड़ी भाभी सीता सोरेन पार्टी छोड़कर चली गईं और लगातार विरोध में अभियान भी चलाया।

पृथक राज्य आंदोलन के क्रम में अस्तित्व में आए झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए एक साथ इतनी प्रतिकूल परिस्थिति पहले कभी भी नहीं आई। हालांकि नेताओं के आने-जाने का सिलसिला बना रहा। कई बार ऐसी परिस्थिति भी आई, जब पार्टी के अवसान की अटकलें राजनीतिक गलियारे में लगाई जाने लगीं। आगामी दो फरवरी को झारखंड की उप-राजधानी दुमका में पार्टी का 45वां स्थापना दिवस मनाने को जब समर्थक जुटेंगे तो इसका पुनरावलोकन अवश्य होगा। इस खास मौके पर बड़ा जुटान करने की तैयारी है तो इसके पीछे का उद्देश्य यही है कि अनुकूल परिस्थिति में उन मुद्दों पर काम आगे बढ़ाया जाए, जिसके कारण पार्टी की जमीन बरकरार है।

दरअसल प्रतिकूल परिस्थिति में फिर से मजबूत होकर झामुमो के उभरने के पीछे की वजह भी यही है। दुमका संताल परगना प्रमंडल का मुख्यालय है और यह क्षेत्र झामुमो के अभेद्य गढ़ के तौर पर जाना जाता है। मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन ने विभिन्न आंदोलन के क्रम में यहां मजबूत पैठ बनाई है। हेमंत सोरेन इसी प्रमंडल के साहिबगंज के बरहेट से चुनाव जीतते हैं। उनके अनुज बसंत सोरेन का विधानसभा क्षेत्र दुमका ही है।

हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद हेमंत सोरेन जब कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए तो उन्होंने यही संदेश दिया कि संघर्ष की जमीन पर हमेशा टिके रहना है। उन मुद्दों पर भी झामुमो ने सरकार बनने के बाद प्रतिबद्धता दिखाई है, जो उसके राजनीतिक आधार बढ़ने का स्रोत बने हैं। दुमका में जुटान के दौरान जो संदेश दिए जाएंगे, उस पर आगे की दिशा का निर्धारण होगा। 34 विधायक, तीन लोकसभा सांसद, तीन राज्यसभा सदस्यों वाली पार्टी के लिए यह चिंतन का एक बड़ा मंच होगा, जहां सभी आगे की रणनीति बनाकर उसपर काम आरंभ करेंगे। पार्टी के आगामी केंद्रीय महाधिवेशन के निमित्त भी यह महत्वपूर्ण होमवर्क होगा, क्योंकि झारखंड से आगे पड़ोसी राज्यों के उन जिलों में भी झामुमो के विस्तार की कवायद आरंभ होगी, जहां आदिवासी बहुतायत में हैं। हालांकि दल के रणनीतिकार भी जानते हैं कि यह इतना आसान नहीं है। विपरीत परिस्थितियों में मजबूती से सत्ता में वापसी करने के पीछे कहीं ना कहीं पिछले वर्ष हुई उन घटनाओं को भी कारक माना जा सकता है, जो प्रभाव बनाने में मददगार साबित हुए। ऐसे में आगामी वर्षों की दल के अहम नीति-निर्धारण के लिए इन आयोजनों पर निगाह रहेगी।

मंथन

राजकुमार जैन
एआइ विशेषज्ञ

एआइ से बढ़ते अवसर

एआइ यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी निरंतर नवोन्मेष हो रहा है। कार्यक्षेत्र में बदलाव लाने के साथ ही एआइ हमारी जीवनशैली को अधिक आसान बनाने के प्रयासों में भी जुटा है

प्रतीकात्मक

हाल ही में चैटजीपीटी की निर्माता कंपनी ओपन-एआइ ने 'आपरेटर' नामक अपने पहले मानव एजेंट सदृश्य टूल की घोषणा की, जिसके बारे में बताते हुए कंपनी के बताया कि यह टूल वेबसाइट पर नेविगेट करने और बटन पर क्लिक करने जैसे आनलाइन कार्य बगैर किसी मानवीय दखल के संपादित कर सकता है। गूगल, एंथ्रोपिक और सेल्सफोर्स ने भी एजेंटों यानी एआइ सिस्टम के लिए अपने अपने प्लेटफार्म लांच किए हैं जो स्वायत्त रूप से कार्य कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक ग्राहक सेवा 'बाट' की कल्पना करें जो न केवल जानकारी उत्पन्न करता है, बल्कि अपाइंटमेंट बुक भी कर सकता है या शिकायत दर्ज कर सकता है। मेटा के मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि इस साल ये एजेंट मध्यम श्रेणी के साफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह ले लेंगे।

जैसे-जैसे एजेंटिक एआइ सिस्टम और अधिक परिष्कृत होते जा रहे हैं, एआइ के साथ संवाद करने के तरीके में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है। केवल कमांड देने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के बजाय अब एआइ सिस्टम के साथ अधिक सहयोगात्मक संबंध विकसित हो रहा है। ये एजेंट हमारे साथ वास्तविक वार्तालाप में संलग्न हो सकते हैं, वैकल्पिक समाधान प्रस्तावित कर सकते हैं, और यहां तक कि उपयुक्त अवसर पर हमारी धारणाओं को चुनौती भी दे सकते हैं। यह विकास मानव-मशीन तालमेल को एक ऐसे नवीन स्तर की ओर ले जा सकता है, जहां एआइ एक उपकरण से अधिक समस्या समाधान एवं नवाचार में मनुष्य का जोड़ीदार बन जाता है।

पुराने चैटबाट्स के विपरीत, एजेंटिक एआइ अधिक जटिल कार्यों को संभाल सकता है और वास्तविक जरूरतों के आधार पर उत्तर प्रदान कर सकता है। यह अपने उपयोगकर्ताओं को मानव सदृश्य अनुभव प्रदान करता है। एजेंटिक एआइ मानव सहायता के बिना डाटा विश्लेषण, रिपोर्ट निर्माण और निर्णय लेने का कार्य कर लेता है और इसके बाद मनुष्यों को केवल इसे प्रोसेस करना होता है। इसमें मौजूद धारणा परत डाटा को इकट्ठा करने, व्यवस्थित करने और व्याख्या करने के लिए उत्तरदायी है जो निर्णय लेने के लिए आधार का निर्माण करती है। इसके डाटा अधिग्रहण वाले प्रथम चरण में विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करना शामिल है, जैसे सेंसर, आनलाइन डाटा फीड या उपयोगकर्ता द्वारा दिया गया इनपुट। उदाहरण के लिए, स्वचालित वाहनों के लिए कैमरे या वित्तीय अनुप्रयोगों के लिए एपीआइ द्वारा एकत्रित की गई जानकारी। एक बार डाटा एकत्र करने के बाद इसे उपयोगी बनाने के लिए विश्लेषित और संसाधित किया जाता है। इसमें अप्रासंगिक जानकारी को हटाना, प्रारूपों को मानकीकृत करना और महत्वपूर्ण विशेषताओं को उजागर करना शामिल है। पर्यावरणीय जागरूकता से लैस संदर्भात्मक समझ एआइ को डाटा की अधिक प्रभावी ढंग से व्याख्या करने में सक्षम बनाती है। उदाहरण के लिए, यह अप्रत्याशित यातायात पैटर्न या असामान्य बाजार उतार-चढ़ाव जैसी विसंगतियों का पता लगा सकता है।

संज्ञान परत लक्ष्यों को निर्धारित करने, निर्णय लेने और भविष्य के उपयोग के लिए ज्ञान संग्रहीत करने पर केंद्रित है। क्रिया परत एआइ प्रणाली को वास्तविक या आभासी दुनिया में निर्णयों को निष्पादित करने में सक्षम बनाता है। सहयोग परत एआइ प्रणालियों, मनुष्यों और नैतिक ढांचों के बीच सार्थक संवाद पर जोर देता है। फीडबैक लूप सुनिश्चित करता है कि प्रणाली नए डाटा और अनुभवों से सीखकर विकसित होती है। निरंतर सीखते रहकर एआइ नई जानकारी का सामना करते समय अपनी रणनीतियों को अपडेट करता है। वह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली प्रासंगिक और प्रभावी बनी रहे। इसके साथ प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली नियमित रूप से अपने प्रदर्शन का आकलन करती है, सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करती है और विश्वसनीयता बनाए रखती है। एजेंटिक एआइ की तैनाती में परिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए त्रुटि प्रबंधन पर जोर दिया जाता है। प्रक्रिया निष्पादन के दौरान यदि अप्रत्याशित समस्याएं उत्पन्न होती हैं तो एआइ उन्हें संबोधित करने के लिए पूर्वनिर्धारित रणनीतियों का उपयोग करता है या हस्तक्षेप के लिए मनुष्यों को सतर्क करता है।

तमाम चुनौतियों के बावजूद एजेंटिक एआइ का उदय कार्यक्षेत्र में नए अवसर खोल रहा है। एआइ एजेंट प्रशिक्षकों जैसी भूमिकाएं उभर रही हैं। कार्यप्रवाह समन्वयक भी मांग में हैं। हालांकि कुछ मौजूदा कार्य स्वचालित हो सकते हैं, लेकिन कई अनिवार्य मानवीय भूमिकाएं विकसित होंगी, जिसमें मानव एआइ के साथ मिलकर काम करेंगे। जो लोग इस परिवर्तन को जल्दी अपनाते हैं, वे दक्षता और नवाचार में सुधार का अनुभव कर सकते हैं। उन व्यवसायों के लिए जो अभी भी पहले के एआइ माडलों पर निर्भर हैं, यह एजेंटिक एआइ की संभावनाओं और क्षमताओं का पता लगाने का एक अवसर है। इससे मानव और एआइ के बीच एक सहज एकीकरण को बढ़ावा मिल सकता है।

****

मारुति की मेड इन इंडिया जिम्नी जापान में लांच

नई दिल्ली : वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने गुरुवार को बताया कि पांच दरवाजे वाली मेड इन इंडिया जिम्नी जापान में लांच हो गई है। इसकी मैन्यूफैक्चरिंग गुरुग्राम संयंत्र में होती है। यह मारुति का दूसरा वाहन है जो जापानी बाजार में पेश किया गया है। इससे पहले अगस्त 2024 में कंपनी ने फ्रांक्स को जापानी बाजार में पेश किया था। चालू वित्त वर्ष में जिम्नी मारुति का सबसे ज्यादा निर्यात होने वाला माडल भी है। (प्रेट्र)

यूरोप के बाद भारत हमारे लिए वैश्विक स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। यह हमें आसियान और पश्चिम एशिया जैसे बाजारों में उपस्थिति बढ़ाने में मदद कर रहा है।
— क्लाउस जेल्मर, सीईओ, स्कोडा आटो

सेंसेक्स	76,759.81	226.85
निफ्टी	23,249.50	86.40
सोना प्रति दस ग्राम	₹83,800	₹50
चांदी प्रति किलोग्राम	₹94,150	₹1,150
डालर	₹86.62	₹0.07
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$76.25	

एक नजर में

बैंक आफ बड़ौदा को 4,837 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली : अक्टूबर-दिसंबर 2024 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ बड़ौदा को 4,837 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 4,579 करोड़ रुपये के मुकाबले 5.6 प्रतिशत ज्यादा है। बीती तिमाही में बैंक की कुल आय 34,676 करोड़ रुपये रही है, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 31,416 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज से आय 30,908 करोड़ रुपये रही है। (प्रेट्र)

ईसीबी ने कर्ज पर ब्याज 25 आधार अंक घटाया

फ्रेंकफर्ट : यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने गुरुवार को कर्ज से जुड़े ब्याज में 25 आधार अंक की कटौती की। अब बैंक का कर्ज पर ब्याज घटकर 2.75 प्रतिशत हो गया है। ईसीबी ने ब्याज दरों में लगातार पांचवीं बार कटौती की है। ईसीबी का कहना है कि सुधार के कुछ संकेतों के बावजूद यूरो क्षेत्र की आर्थिकी में आगे नरमी बनी रह सकती है। (रायटर)

भारतीय सब्सिडियरी में हिस्सेदारी घटाएगी व्हर्लपूल

नई दिल्ली: अमेरिका की होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनी व्हर्लपूल कारपोरेशन अपनी भारतीय सब्सिडियरी में से हिस्सेदारी घटाकर इस वर्ष के अंत तक 20 प्रतिशत पर लाएगी। अभी इसमें व्हर्लपूल कारपोरेशन की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले वर्ष फरवरी में भी व्हर्लपूल कारपोरेशन ने भारतीय सब्सिडियरी की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। (प्रेट्र)

एविओम इंडिया के खिलाफ दिवालिया याचिका दाखिल

नई दिल्ली : आरबीआइ ने दिल्ली की एविओम इंडिया हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने के लिए नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल में याचिका दाखिल की है। इससे पहले सोमवार को आरबीआइ ने गवर्नेंस संबंधी चिंताओं और विभिन्न भुगतान दायित्वों को पूरा करने में चूक के चलते एविओम इंडिया के बोर्ड को भंग कर दिया था। (प्रेट्र)

आत्मनिर्भरता के लिए उद्योगों ने मांगा सरकार का सहयोग

वित्तीय संस्थानों से लेकर आटोमोबाइल कंपनियां घरेलू मांग बढ़ाने के लिए बजट में चाहती हैं आवंटन, मध्यम वर्ग को भी सीधी राहत की आस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से पेश होने वाले आम बजट 2025-26 की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान सुस्त होती अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार की अस्थिरता, अमेरिका की नई सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर अनिश्चतता और घरेलू मांग को लेकर जताई जा रही चिंता के बीच देश के उद्योग जगत को भी इस बजट से काफी संभावनाएं हैं। पिछले एक महीने के दौरान देश के तमाम उद्योगों के प्रतिनिधियों और औद्योगिक संगठनों ने वित्त मंत्रालय के समक्ष अपनी मांगों की जो फेहरिस्त सौंपी है, उसमें कुछ बातें एक जैसी हैं। जैसे टेलीकाम से लेकर उद्योग जगत तक और वित्तीय संस्थानों से लेकर आटोमोबाइल कंपनियां घरेलू मांग को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के मुताबिक कदम उठाने की जरूरत उद्योगों ने जताई है। इस बीच मध्यम वर्ग को आस है कि अब उसे भी कुछ सीधी राहत मिलेगी।

फिनटेक उद्योग ने मांगा 500 करोड़ रुपये का फंड

देश के दूरदराज इलाकों में वित्तीय सेवाओं को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाली फिनटेक कंपनियों को वित्त मंत्री से आस है कि वह ग्रामीण क्षेत्रों को ध्यान में रखकर उनके लिए 500 करोड़ रुपये का एक फंड देने की व्यवस्था करेंगी। इस फंड से फिनटेक कंपनियों को आसान किस्तों पर कर्ज दिया जाएगा ताकि वह बैंकिंग और बीमा सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों (खास तौर पर पिछड़े वर्गों को) को आसानी से दे सकें। यह ग्रामीण क्षेत्रों में बाहर से पैसा मंगाने और जनधन योजना के प्रसार में भी काफी मददगार साबित होगा।

इस बारे में बिजनेस कारेसपोंडेंट्स काउंसिल की तरफ से वित्तीय सेवा विभाग को हाल ही में एक पत्र लिखा गया है और कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत फिनटेक में प्रौद्योगिक के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए फंड जुटाने का बहुत ही व्यापक असर होगा। इंडस्ट्री ने वित्त मंत्री से कहा है कि वह बैंकों को निर्देश दें कि बिजनेस कारेसपोंडेंट को मिलने वाले कमीशन में वृद्धि करें।

भारत में टेक्सटाइल मशीनरी बनाने के लिए मिले प्रोत्साहन

भारतीय टेक्सटाइल उद्योग का आकार तकरीबन 200 अरब डालर का है। अभी जिस तरह से वैश्विक अस्थिरता है, उससे माना जा रहा है कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को इसका लाभ मिलेगा। अभी जिस तरह से बांग्लादेश में समस्या है और चीन टेक्सटाइल निर्यात पर खास ध्यान नहीं दे रहा है, उससे माना जाता है कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग के समक्ष काफी संभावनाएं। ऐसे में टेक्सटाइल व अपैरल उद्योग ने वित्त मंत्रालय को अपनी मांगों की एक लंबी फेहरिस्त भेजी है। इसमें पहले से लागू पीएलआइ स्कीम में संशोधन करने, ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाने और टेक्साइल उद्योग से जुड़े मशीनरी के भारत में निर्माण को प्रोत्साहन देने की मांग खासतौर पर महत्वपूर्ण है। इस उद्योग में अभी 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार मिलने की बात सामने आती है। इसे भविष्य में भी रोजगार देने वाले सबसे अहम उद्योगों में माना जाता है।

ईवी पर मिलने वाली राहत जारी रखने की जरूरत

भारत के आटोमोबाइल उद्योग में तकरीबन एक करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर रोजगार मिला हुआ है। भारतीय आटोमोबाइल उद्योग को दुनिया में चीन, अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक बाजार माना गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआत ने इस उद्योग में काफी बदलाव लाने के संकेत दिए है। भारतीय आटोमोबाइल कंपनियों के संगठन सियाम ने अपनी मांग में कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को सरकार की तरफ से मिलने वाली राहत अभी जारी रखने की जरूरत है। साथ ही सरकार से कारोबार की सहूलियत बढ़ाने की मांग की गई है। आटोमोबाइल उद्योग पर अभी सात केंद्रीय मंत्रालयों का नियमन लागू होता है। स्टील की गुणवत्ता कोई मंत्रालय तय करता है तो ईंधन को लेकर फैसला कोई और करता है और इंजन का फैसला किसी अन्य मंत्रालय के पास है। पुराने वाहनों के स्क्रैप की मौजूदा नीति को और ज्यादा आकर्षक बनाने की भी मांग हो रही है।

टेलीकाम सेक्टर को वित्त मंत्री से पैकेज की आस, लाइसेंस दर में कमी की भी मांग

देश में डिजिटल क्रांति की सफलता में सबसे अहम भूमिका टेलीकाम उद्योग निभा रहा है, लेकिन इस इंडस्ट्री का कहना है कि समूचे दूरसंचार मैन्यूफैक्चरिंग में भारत को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई सारे कदम एक साथ उठाने की जरूरत है। सेल्यूलर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सीओएआइ) को उम्मीद है कि वित्त मंत्री सीतारमण टेलीकाम सेक्टर को एक पैकेज देंगी। इसमें लाइसेंस की दर को घटाकर एक प्रतिशत, इस उद्योग के घाटे के समायोजन के लिए आठ वर्ष नहीं बल्कि 16 वर्षों का समय देने, 5जी सेवाओं के विस्तार के लिए इससे जुड़े उपकरणों पर आयात शुल्क की मौजूदा दर 20 प्रतिशत को कम करने की मांग की है।

उद्योग का दर्जा मांग रहा रियल एस्टेट, किफायती मकानों पर भी दिया जाए ध्यान

देश की इकोनमी में मांग बढ़ाने में रियल एस्टेट की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। क्योंकि यह उद्योग सीधे तौर पर 32 दूसरे उद्योगों (पेंट, सीमेंट, इस्पात, इंटीरियर डिजाइनिंग, लकड़ी के सामान, घरेलू उपकरण, बिजली उपकरण आदि) की मांग को बढ़ाती है। इस उद्योग की तरफ इस बार फिर अपनी पुरानी मांग को दोहराया गया है और वह है बुनियादी उद्योग का दर्जा। पिछले दो-तीन वर्षों में पूरे देश में सारी बड़ी कंपनियां ज्यादा कीमत की आवासीय इकाइयों पर जोर दे रही हैं जबकि कम कीमत वाले आवासीय इकाइयों की लांचिंग काफी कम हो गई है। रियल एस्टेट उद्योग जगत सरकार से किफायती मकानों पर ज्यादा ध्यान देते हुए ज्यादा राहत की उम्मीद कर रही हैं।

कोयले की कम बिक्री से अदाणी एंटरप्राइजेज का लाभ 97 % घटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: कोयले की बिक्री में कमी के कारण अक्टूबर-दिसंबर 2024 के दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज के लाभ में बड़ी गिरावट रही है। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 97 प्रतिशत घटकर 57.83 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 1,888.45 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजारों को बताया कि बीती तिमाही में उसका संचालन राजस्व नौ प्रतिशत घटकर 22,848.42 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान कोयला कारोबार का कर-पूर्व लाभ घटकर 745 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के कुल राजस्व में कोयला कारोबार की करीब एक तिहाई हिस्सेदारी है। कोयले की बिक्री में कमी का प्रमुख कारण बिजली क्षेत्र से मांग घटना रहा है।

ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक बढ़ा घरेलू खर्च, शहरों में पंजाब शीर्ष पर

नई दिल्ली, प्रेट्र: एक सरकारी सर्वे के मुताबिक, अगस्त, 2023 से जुलाई, 2024 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) में अधिकतम वृद्धि ओडिशा में दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में पंजाब शीर्ष पर रहा। खास बात यह है कि 2023-24 में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सभी 18 प्रमुख राज्यों के औसत एमपीसीई में वृद्धि हुई है।

सांख्यिकी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में अधिकतम वृद्धि ओडिशा में (2022-23 के स्तर से लगभग 14 प्रतिशत) देखी गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में, पंजाब में 2022-23 के स्तर से लगभग 13 प्रतिशत की अधिकतम वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में सबसे कम वृद्धि क्रमशः महाराष्ट्र (लगभग तीन प्रतिशत) और कर्नाटक (लगभग पांच प्रतिशत) में रही है। सर्वे में कहा गया है कि 2022-23 के साथ-साथ 2023-24 में 18 प्रमुख राज्यों में औसत एमपीसीई में शहरी-ग्रामीण अंतर में व्यापक भिन्नता दर्ज की गई है। इन प्रमुख राज्यों में से 11 में 2022-23 के स्तर से 2023-24 में शहरी-ग्रामीण अंतर में कमी आई है। 2023-24 में सबसे कम शहरी-ग्रामीण अंतर केरल (लगभग 18 प्रतिशत) और सबसे अधिक झारखंड (लगभग 83 प्रतिशत) में देखा गया है। कुल व्यय में विभिन्न वस्तु समूहों की हिस्सेदारी की बात करें तो 2023-24 में, ग्रामीण भारत में, औसत ग्रामीण भारतीय परिवारों की खपत के मूल्य का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा खाद्य पदार्थों का रहा है। गैर खाद्य वस्तुओं में परिवहन की सबसे अधिक 7.59 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है।

- 18 प्रमुख राज्यों का औसत मासिक प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ा
- ग्रामीण परिवारों की खपत में 47% हिस्सा खाद्य पदार्थों का

चीनी उद्योग की जीडीपी में हिस्सेदारी बढ़ाने की क्षमता: गडकरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि चीनी उद्योग में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 1-1.5 प्रतिशत से बढ़ाकर तीन प्रतिशत करने की क्षमता है। उन्होंने प्रति एकड़ गन्ने का उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

गडकरी ने कहा कि सरकार ने वैकल्पिक ईंधन के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत काम किया है और अब वह एथनाल के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठा रही है। चीनी के निर्यात को नियंत्रित करने की सरकार की नीति फायदेमंद और हानिकारक दोनों हैं और इसलिए चीनी उद्योग को नए दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है।

तीसरी तिमाही में एनसीआर में घरों की कीमतें 49% बढ़ीं

प्रापटाइगर के अनुसार, लक्जरी घरों की ऊंची मांग से इस तरह के मकानों की कीमतें 8,105 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं

नई दिल्ली, प्रेट्र: आलीशान (लक्जरी) घरों की ऊंची मांग के कारण एनसीआर में घरों की औसत कीमत चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 49 प्रतिशत बढ़कर 8,105 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई। आवास ब्रोकरेज कंपनी प्रापटाइगर ने अपनी रिपोर्ट 'रियल इनसाइट: रेजिडेंशियल एनुअल राउंड-अप 2024' में कहा कि एनसीआर में घरों की कीमतों में बढ़ोतरी आठ प्रमुख शहरों में सबसे अधिक रही।

अहमदाबाद में औसत कीमतें चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,402 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,000 रुपये थीं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बेंगलुरु में कीमतें 12 प्रतिशत बढ़कर 7,536 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,744 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं, जबकि चेन्नई में कीमतें 16 प्रतिशत बढ़कर 7,173 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,200 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। हैदराबाद में चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में औसत आवास कीमते तीन प्रतिशत बढ़कर 7,053 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6,842 रुपये प्रति वर्ग फुट थी।

राष्ट्रीय फलक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बेतहाशा खर्च का माइक्रोसाफ्ट और मेटा ने किया बचाव

वाशिंगटन, रायटर : माइक्रोसाफ्ट और मेटा के सीईओ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) को विकसित करने पर किए गए बेतहाशा खर्च का बचाव करते हुए कहा है कि नए क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए यह महत्वपूर्ण था। दरअसल, कम लागत में तैयार किए गए चीनी एआइ चैटबाट डीपसीक के सफल होने के बाद इन दोनों कंपनियों के बिजनेस माडल पर सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि यह कम लागत पर अमेरिकी प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर परिणाम देता है।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, ''पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक निवेश करने का समय के साथ एक रणनीतिक लाभ होगा।'' माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि एआइ के विकास में किया गया खर्च व्यवधानों को कम करेगा। विश्लेषकों से बात करते हुए नडेला ने कहा, ''जैसे-जैसे एआइ अधिक कुशल और सुलभ होता जाएगा, हम इसकी मांग में बढ़ोतरी देखेंगे।'' माइक्रोसाफ्ट ने चालू वित्त वर्ष में एआइ के लिए 80 अरब डालर खर्च करना तय किया है जबकि मेटा ने 65 अरब डालर खर्च करने की बात कही है। यह डीपसीक द्वारा अपने एआइ माडल को विकसित करने के लिए खर्च किए गए लगभग 60 लाख डालर से ज्यादा है। वाल स्ट्रीट के विश्लेषकों का कहना है कि एआइ के विकास पर खर्च की राशि सही मायने में कंप्यूटिंग पावर पर खर्च किया गया पैसा है।

अब सऊदी अरब ने पेश किया एआइ चैटबाट

रियाद, प्रेट्र: चीन के डीपसीक के बाद सऊदी अरब ने एक एआइ चैटबाट बनाया है। खास बात यह है कि यह चैटबाट केवल वैश्विक श्रम बाजार से जुड़े सवालों का जवाब देता है। किंग अब्दुलअजीज इंटरनेशनल कांफ्रेंस सेंटर में आयोजित ग्लोबल लेबर मार्केट कांफ्रेंस में 'रेयान' नाम का यह चैटबाट चर्चा का विषय बना हुआ है। रियाद स्थित कंपनी ताकामोल द्वारा निर्मित एआइ चैटबाट के दो संस्करण है। आनसाइट संस्करण में यह केवल अंग्रेजी में प्रश्नों का उत्तर देता है। आनलाइन संस्करण में यह फ्रेंच, अरबी और स्पेनिश सहित कई भाषाओं में टेक्स्ट चैट में उत्तर देता है। चैटबाट से बात करने के दौरान जब एक व्यक्ति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में पूछा तो उसने डिस्क्लेमर से कहा, ''मैं स्पष्ट तौर पर कह दूं कि मेरी विशेषज्ञता वैश्विक श्रम बाजार विषयों में है। मैं उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी बाजारों के रुझानों और नीतियों के बारे में सामान्य जानकारी दे सकता हूं।'' ताकामोल में एनालिटिक्स के वरिष्ठ निदेशक अब्दुल्ला अल्थावाद ने कहा कि प्रदर्शित किया गया चैटबाट 'रेयान' एक उन्नत संस्करण है और हमने इसे बेहतर बनाया है।

इन्फोसिस के सह-संस्थापक गोपालकृष्णन के खिलाफ कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक

बेंगलुरु, आइएएनएस: कर्नाटक हाई कोर्ट ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक और आइआइएससी काउंसिल के अध्यक्ष क्रिस गोपालकृष्णन के खिलाफ दर्ज एससी/एसटी अत्याचार मामले की जांच व कार्रवाई पर रोक लगा दी है। गोपालकृष्णन और अन्य आरोपितों पर कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश जस्टिस एसआर कृष्ण कुमार ने दिया।

गोपालकृष्णन ने बयान में कहा, मुझे दुख है कि हाशिये पर पड़े समुदायों की रक्षा के लिए बनाए गए कानून का मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि वह 2022 से आइआइएससी से जुड़े हुए हैं, जबकि घटनाएं 2014 की हैं। उन्होंने कहा कि न्याय की जीत होगी। भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) के पूर्व प्रोफेसर सना दुर्गप्पा की शिकायत के बाद गोपालकृष्णन व 17 अन्य के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

लिव-इन में रहने वालों के लिए बने कानून : राजस्थान उच्च न्यायालय

जागरण संवाददाता, जयपुर

> वेबसाइट अथवा वेब पोर्टल शुरू किया जाए, ऐसे मुद्दों का हो सके समाधान

राजस्थान उच्च न्यायालय लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले युवक और युवतियों के लिए कानून बनाने के पक्ष में है। न्यायालय ने लिव-इन में रहने वालों के लिए केंद्र और राज्य सरकार से कानून बनाने के लिए कहा है।

न्यायाधीश अनूप की अदालत ने आदेश में कहा कि हमारे देश में लिव-इन संबंधों को सामाजिक मान्यता नहीं है लेकिन कानून की नजर में यह संबंध अवैध नहीं है। लिव-इन संबंधों को लेकर कानून नहीं होने से न्यायालयों के अलग-अलग दृष्टिकोण के कारण लोग भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे में समय की मांग के अनुसार संसद और राज्य विधानमंडल को इस मुद्दे पर कानून बनाए जाने पर विचार करना चाहिए। न्यायालय ने मुख्य सचिव, विधि सचिव अदालत ने मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव और केंद्रीय सचिव को प्रति भेजने के निर्देश देते हुए आदेश की पालना रिपोर्ट एक मार्च को पेश करने के लिए कहा है। न्यायालय ने कहा कि कानून नहीं बनने तक इस तरह के मामलों के लिए जिलों में प्राधिकरण की स्थापना की जाए। प्राधिकरण इन रिश्तों से संबंधित शिकायतों का निवारण करेगा। साथ ही एक वेबसाइट अथवा वेब पोर्टल शुरू किया जाए जिससे ऐसे रिश्तों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके। लिव-इन में रहने वाले लोगों को क्या न्यायालय संरक्षण दे सकता है? इस कानूनी बिंदु को तय करने के लिए मामले को बैंच को रेफर किया गया है। न्यायालय में रीना और अन्य की याचिकाओं पर कहा कि अब समय की मांग है कि लिव-इन को लेकर कानून बनाया जाए। जो लिव-इन रिलेशनशिप के मामले को देखें और ऐसे रिश्ते में रहने वाले जोड़ों को अधिकार प्रदान करें और उन पर दायित्व लागू करें।

धोखाधड़ी मामले में मीडिया कंपनी की 100 करोड़ की संपत्ति बैंको को लौटाई गई

नई दिल्ली, प्रेट्र: ईडी ने गुरुवार को कहा कि उसने दिल्ली स्थित एक मीडिया कंपनी और उसके प्रमोटरों द्वारा धोखाधड़ी की गई 100 करोड़ रुपये की संपत्ति बैंकों के एक संघ (कंसोर्टियम आफ बैंक) को लौटा दी। जांच एजेंसी ने कहा कि पीएमएलए के तहत जांच के दौरान लगभग 156 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। इनमें वाणिज्यिक और आवासीय संपत्तियां और बैंक जमा शामिल हैं।

ईडी ने यह मामला सीबीआइ द्वारा पिक्सियन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, पर्ल विजन प्राइवेट लिमिटेड, महुआ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, सेंचुरी कम्युनिकेशन लिमिटेड, पिक्सियन विजन प्राइवेट लिमिटेड और पर्ल स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर दायर किया था। ये केस प्रबोध कुमार तिवारी उर्फ पीके तिवारी से संबंधित हैं, जिन पर बैंकों से 657.11 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

'वरिष्ठ नागरिकों के बीमा प्रीमियम में 10 % से ज्यादा की वृद्धि नहीं करें'

> बीमा नियामक इरडा ने सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को जारी किया निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया कि वे वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में एक साल में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं करें। इरडा ने यह निर्देश तब जारी किया जब उसे यह पता चला कि वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष और उससे अधिक आयु) को दिए जाने वाले कुछ स्वास्थ्य बीमा उत्पादों के तहत प्रीमियम दरों में भारी वृद्धि हुई है।

एक सर्कुलर में इरडा ने वरिष्ठ नागरिकों को क्षतिपूर्ति आधारित व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा उत्पाद प्रदान करने वाली सभी सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे 'वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम में प्रति वर्ष 10 प्रतिशत से अधिक संशोधन न करें।' क्षतिपूर्ति स्वास्थ्य बीमा योजनाएं मेडिक्लेम बीमा पालिसियां हैं, जिसमें बीमा कंपनियां पालिसीधारक द्वारा किए गए वास्तविक अस्पताल में भर्ती होने के खर्च का भुगतान करती हैं। इरडा ने आगे कहा कि यदि वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम में प्रस्तावित वृद्धि प्रति वर्ष 10 प्रतिशत से अधिक है, तो बीमा कंपनियों को इसके लिए परामर्श करना होगा। नियामक ने यह भी कहा कि वह वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली क्षतिपूर्ति-आधारित व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा उत्पादों पर कड़ी नजर रखना जारी रखेगा। प्रीमियम दर मुख्य रूप से अनुमानित दावों की राशि और बीमा पालिसियों को प्राप्त करने और उनकी सर्विसिंग के लिए बीमा कंपनी द्वारा किए गए अधिग्रहण लागत सहित खर्चों पर आधारित होती है। दावा राशि काफी हद तक अस्पतालों द्वारा विभिन्न उपचारों/सर्जरियों के लिए ली जाने वाली राशि पर निर्भर करती है।

आंदोलन तेज करने की तैयारी में किसान, 120 ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर पहुंचे शंभू बार्डर

जागरण संवाददाता, राजपुरा (पटियाला)

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की तरफ से लगभग एक वर्ष से चल रहे किसान आंदोलन को और तेज करने के उद्देश्य से गुरुवार को हजारों की संख्या में किसान 120 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियों के काफिले के साथ शंभू बार्डर पहुंचे। काफिला किसान नेता सरवन सिंह पंधेर के नेतृत्व में गुरुवार सुबह अमृतसर से रवाना हुआ था। जालंधर, फगवाड़ा, लुधियाना व राजपुरा से होते हुए काफिला करीब साढ़े तीन बजे शंभू बार्डर पहुंचा। किसान ट्रैक्टरों में भारी मात्रा में राशन, सब्जियां और अन्य आवश्यक सामग्री भी साथ लाए हैं। पंधेर ने कहा कि वह झुकने और टूटने वाले नहीं हैं। जब तक एमएसपी गारंटी कानून सहित सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, विरोध शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

उधर, खनौरी बार्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का मरणव्रत 66वें दिन भी जारी रहा। मोर्चे की सफलता के लिए रखे गए श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए और अरदास भी की गई। डल्लेवाल को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेकने के लिए ट्राली से बाहर लाया गया। कुछ समय वह ट्राली से बाहर रहे, लेकिन बुखार होने पर ट्राली में ले जाया गया। तख्त श्री केसगढ़ साहिब आनंदपुर साहिब के जत्थेदार ज्ञानी सुलतान सिंह भी खनौरी बार्डर पर पहुंचे और डल्लेवाल से मुलाकात की।

शंभू बार्डर पर पहुंचे किसान नेता सरवन सिंह पंधेर जानकारी देते हुए। जागरण

जम्मू के चार जिले में अवैध रूप से रह रहे पाक नागरिकों के ठिकानों पर छापे

जागरण संवाददाता, जम्मू

> आधार, डोमिसाइल, राशन कार्ड व अन्य दस्तावेज तक बनाए थे

जम्मू संभाग के चार जिलों में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की स्पेशल क्राइम विंग ने गुरुवार को पुंछ, राजौरी, कठुआ और जम्मू जिलों में छिपकर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इन ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। हालांकि, इस संबंध में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। इन लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भारतीय पहचान पत्र और अन्य सरकारी कागजात भी बना लिए थे।

क्राइम ब्रांच के प्रवक्ता के अनुसार, 1970 के दशक में पाकिस्तान से कुछ लोग यात्रा दस्तावेजों पर भारत आए थे और यहां अवैध रूप से रहने लगे। क्राइम ब्रांच को शिकायत मिली थी कि इन लोगों ने भारत सरकार द्वारा नागरिकों को दिए जाने वाले पहचान पत्र, जैसे आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट, राशन कार्ड आदि बना लिए हैं। यहां तक कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरियां भी हासिल कर ली हैं।

क्राइम ब्रांच अधिकारियों ने जांच कर सबूत जुटाकर फारेन एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की गहनता से जांच के लिए आईजीपी क्राइम ब्रांच डा. सुनील गुप्ता ने विशेष चार्ट टीम एसआइटी का गठन किया है। गुरुवार को क्राइम ब्रांच की विभिन्न टीमों ने 15 ठिकानों पर छापेमारी कर दस्तावेजों को जब्त किया। आईजीपी क्राइम ब्रांच डॉ. सुनील गुप्ता के अनुसार, जांच जारी है और कई बड़े सुराग भी मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, इन नागरिकों की मदद करने वाले सरकारी कर्मी भी स्पेशल क्राइम विंग के राडार पर हैं।

****

8 वें इंटरनेशनल चैंबर एक्सपो का उद्घाटन करते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने व्यापारियों व उद्योगपतियों से घरेलू उत्पादन बढ़ाकर भारत और चीन सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने का आग्रह किया

व्हाइट हाउस के नजदीक सैन्य हेलीकाप्टर से टकराया विमान, 67 की मौत

- वाशिंगटन डीसी के रीगन हवाई अड्डे पर उतरने से कुछ मिनट पहले हवा में हुआ हादसा
- बेहद ठंडी पोटोमैक नदी में गिरा विमान का मलबा-सवारियां, ठंड में मुश्किल हुआ बचाव
- विमान में चार क्रू सदस्यों समेत 64 व्यक्ति थे, जबकि हेलीकाप्टर में तीन सैनिक थे

जेएनएन, नई दिल्ली

व्हाइट हाउस से पांच किलोमीटर दूर अमेरिकन एयरलाइंस का जेट सीआरजे-700 सेना के ब्लैक हाक हेलीकाप्टर से हवा में टकरा गया। अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन डीसी स्थित रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास यह दुर्घटना भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 7.18 बजे हुई। बीते 24 वर्षों में हुए सबसे बड़े अमेरिकी विमान हादसे में चार क्रू सदस्यों समेत इनमें सवार सभी 67 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे से लगी बेहद ठंडी पोटोमैक नदी में दोनों विमानों का मलबा व सवारियां गिर गईं। आनन-फानन राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया, पर अंधेरा और ठंड के चलते किसी को भी बचाया नहीं जा सका।

विचिता की मेयर लिली वू ने कहा, इस दुर्घटना में कोई भी नहीं बचा। वाशिंगटन की मेयर म्यूरील बाउजर ने कहा, यह बहुत दुखद घटना है। इस मुश्किल वक्त में हम पीड़ित परिवारों के साथ हैं। डिस्ट्रिक्ट कोलंबिया के अग्निशमन विभाग प्रमुख जान डोन्नेली ने बताया कि लगता नहीं कोई भी बचा होगा। मौसम में बहुत ठंड और हवा भी है, जिससे बचाव अभियान में बहुत मुश्किल हो रही है। अब तक नदी से 28 शव बरामद किए जा चुके हैं। सभी शवों को खोजकर उनके स्वजनों तक पहुंचाया जाएगा। एक्यूवेदर के वरिष्ठ निदेशक डैन डेपोडविन ने बताया कि बेहद ठंडी नदी में पानी का तापमान, इंसानी शरीर के तापमान को तेजी से गिरा देता है। सिर्फ 15 से 30 मिनट में थकावट व बेहोशी के साथ हाइपोथर्मिया हो सकता है। मृतकों में रूस की पूर्व आइस स्केटिंग विश्व चैंपियन जोड़ी येवजेनिया शिश्कोवा और वादिम नौमोव के अलावा कई आइस स्केटर्स, उनके स्वजन और कोच शामिल हैं। ये कंसास के विचिता में आयोजित एक प्रतियोगिता से वापस आ रहे थे। गोताखोर दल ने दो में से एक विमान का ब्लैक बाक्स बरामद कर लिया है। हादसे के बाद हवाई अड्डे को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया।

यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब विचिता से यात्री जेट रीगन हवाई अड्डे पर उतरने वाला था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से ब्लैक हाक की बातचीत से पता चलता है कि हेलीकाप्टर क्रू को पता था कि एक विमान उनके आसपास है। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि हेलीकाप्टर और विमान सामान्य तरीके से उड़ रहे थे। कोई असामान्य बात नहीं थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हेलीकाप्टर क्रू और एटीसी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह एक बुरी स्थिति है और ऐसा लगता है कि इसे टाला जा सकता था। अच्छा नहीं हुआ। वहीं, पेंटागन ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

कब और कहां हुई दुर्घटना

अमेरिकन ईगल फ्लाइट 5342 ने विचिता से भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 4.48 बजे उड़ान भरी। यह कनाडा निर्मित दो इंजन वाला बाम्बार्डियर विमान था, जो 2004 में बना था और 70 सवारियां ले जा सकता है। गुरुवार सुबह 7.17 बजे रीगन हवाई अड्डे के रनवे 33 पर उतरने से कुछ मिनट पूर्व विमान की अमेरिकी सेना के सिकोरस्काई यूएच-60 ब्लैक हाक हेलीकाप्टर से पोटोमैक नदी के ऊपर टक्कर हो गई। दोनों का मलबा एक मील क्षेत्रफल में फैल गया। प्रशिक्षण उड़ान पर निकले हेलीकाप्टर में तीन सैनिक थे। हादसे से 30 सेकेंड पहले एटीसी ने हेलीकाप्टर से सीआरजे विमान दिखने का सवाल पूछा। कुछ पलों बाद एटीसी ने हेलीकाप्टर के चालक से कहा, वो विमान के पीछे से निकल जाए, पर जवाब नहीं मिला। कुछ सेकेंड बाद दोनों में टक्कर हो गई। विमान के ट्रांसपांडर ने रनवे से 2,400 फीट पहले नदी के ऊपर पहुंचने पर ट्रांसमिशन बंद कर दिया।

वाशिंगटन में सैन्य हेलीकाप्टर एवं यात्री विमान की हवा में टक्कर के बाद पोटोमैक नदी में गिरे मलबे के पास जुटे राहत-बचावकर्मी। एएफपी

इस सदी की प्रमुख अमेरिकी विमान दुर्घटनाएं

- **12 फरवरी 2009:** न्यूयार्क में बफेलो के पास कोलगन एयर का बाम्बार्डियर डीएचसी-8 विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से इसमें सवार चार क्रू सदस्यों और 45 यात्रियों के साथ जमीन पर खड़े एक व्यक्ति समेत 50 लोगों की मौत हो गई।
- **27 अगस्त 2006:** केंटुकी के लेक्सिंगटन से उड़ान भरते समय गलत रनवे में पहुंचने के बाद कामएयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 49 की मौत हो गई थी।
- **12 नवंबर 2001:** अमेरिकन एयरलाइंस का विमान टेकआफ के बाद न्यूयार्क के बेल्ले हार्बर रिहायशी क्षेत्र में गिर गया था, जिसमें विमान सवार 260 लोग मारे गए।

दक्षिण सूडान में विमान दुर्घटना में भारतीय समेत 20 की मौत

नैरोबी, रायटर: दक्षिण सूडान के यूनिटी स्टेट में तेल कंपनी के कर्मियों को ले जा रहा छोटा विमान बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में एक भारतीय समेत 20 लोगों की मौत हो गई। विमान में दो पायलटों सहित 21 लोग सवार थे।

सूचना मंत्री गैटवेच बिपल ने बताया कि दुर्घटना उस वक्त हुई जब विमान ने तेल क्षेत्र से राजधानी जुबा के लिए उड़ान भरी थी। विमान में सवार लोग ग्रेटर पायनियर आपरेटिंग कंपनी (जीपीओसी) के तेल कर्मचारी थे। जीपीओसी चीन नेशनल पेट्रोलियम कारपोरेशन और दक्षिण सूडान की सरकारी कंपनी नाइल पेट्रोलियम कारपोरेशन का संयुक्त उपक्रम है। राष्ट्रपति साल्वा कीर ने कहा कि मृतकों में इंजीनियर और तकनीकी कर्मचारी भी शामिल हैं। दुर्घटना के कारण का पता नहीं चल सका है।

अमेरिका में अवैध आप्रवासियों को लेकर और सख्ती

ट्रंप ने कानून पर किए हस्ताक्षर, चोरी, सेंधमारी के आरोपित अवैध आप्रवासी ट्रायल पूर्व हिरासत में लिए जा सकेंगे

ग्वांतानामो भेजे जाएंगे अवैध आप्रवासी, 30 हजार क्षमता वाला डिटेंशन सेंटर बनेगा

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अवैध आप्रवासियों को देश से निकालने के लिए सख्ती से कार्य कर रहे हैं। अब चोरी, सेंधमारी, पुलिस पर हमला, हत्या या अन्य मामलों में आरोपित अवैध आप्रवासियों को सुनवाई से पहले हिरासत में लिया जा सकेगा। इससे संबंधित एक कानून पर ट्रंप ने हस्ताक्षर किया है। पद संभालने के बाद पहला कानून है जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किया है। इसका नाम जार्जिया की नर्सिंग छात्रा लेकन रेले के नाम पर रखा गया है, जिसकी एक अवैध आप्रवासी ने हत्या कर दी थी।

साथ ही, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अवैध आप्रवासियों को ग्वांतानामो बे भेजने की भी तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए एक प्रेसिडेंशियल मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किया है। इसमें ग्वांतानामो बे में उच्च प्राथमिकता वाले अपराधियों को हिरासत में रखने के लिए 30,000 क्षमता वाला डिटेंशन सेंटर स्थापित करने कहा है।

ट्रंप ने कहा कि उनमें से कुछ इतने खतरनाक हैं कि उन्हें उनके देश भेजना कम होगा। हम नहीं चाहते कि वे वापस आएं, इसलिए उन्हें ग्वांतानामो भेजने जा रहे। उल्लेखनीय है कि ग्वांतानामो क्यूबा में है, जहां अमेरिकी नौसेना का एक अड्डा है। यहां विदेशी आतंकियों को रखने के लिए जेल भी है।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

जन्मजात नागरिकता को प्रतिबंधित करने के लिए सीनेट में बिल पेश

रिपब्लिकन सीनेटरों ने अवैध आप्रवासियों और अस्थायी वीजा पर गैर-आप्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मजात नागरिकता को प्रतिबंधित करने के लिए सीनेट में विधेयक पेश किया। अमेरिका दुनिया के उन 33 देशों में से एक है जहां जन्मजात नागरिकता पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह कदम ट्रंप के आदेश पर कोर्ट की ओर से लगाए गए रोक के बाद उठाया गया है।

2023 में तय समय से अधिक रुके 7,000 भारतीय छात्र और आगंतुक

सेंटर फार इमिग्रेशन स्टडीज की जेसिका एम वान ने न्यायपालिका पर अमेरिकी हाउस समिति को इमिग्रेशन पालिसी में कई सुधारों का सुझाव दिया है, जिनमें एच-1बी वीजा से संबंधित सुधार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में भारत के 7,000 से अधिक छात्र और आगंतुक तय समय से अधिक रुके थे। उन्होंने कहा कि 32 देशों में छात्र/आगंतुकों की अधिक समय तक रहने की दर 20 प्रतिशत से अधिक है। एफ और एम वीजा श्रेणियों में अस्थायी प्रवेश की किसी भी व्यापक श्रेणी की तुलना में अधिक समय तक रुकने की दर सबसे अधिक है। एफ-1 वीजा किसी व्यक्ति को मान्यता प्राप्त कालेज, विश्वविद्यालय, अकादमिक हाई स्कूल, प्राथमिक विद्यालय या अन्य शैक्षणिक संस्थान या भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्णकालिक छात्र के रूप में अमेरिका में प्रवेश की अनुमति देता है। वान ने कहा कि ब्राजील, चीन, कोलंबिया और भारत में से प्रत्येक के 2,000 से अधिक नागरिक 2023 में छात्र/विनिमय वीजा से अधिक समय तक रुके थे, जिनमें भारतीयों की संख्या सबसे अधिक 7,000 थी।

ट्रंप प्रशासन में मुश्किलों में घिरे सेवानिवृत्त जनरल मार्क

- रक्षा मंत्री हेगसेथ ने रद किया उनका सुरक्षा विवरण और सुरक्षा मंजूरी
- पेंटागन की जांच का भी करना पड़ेगा सामना, कम हो सकता है रैंक

वाशिंगटन, रायटर: अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के आने के बाद सेवानिवृत्त जनरल मार्क मिले मुश्किलों में घिर गए हैं। नए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पूर्व चेयरमैन आफ ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ मार्क का निजी सुरक्षा विवरण और सुरक्षा मंजूरी को रद कर दिया है। उन्हें अपने आचरण को लेकर रक्षा विभाग पेंटागन की जांच का भी सामना करना पड़ेगा। नतीजन उनका रैंक कम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने ट्रंप को फासीवादी कहा था। इस बात का पहले से ही अंदेशा था कि राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई कर सकते हैं। इसी से बचाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए अपने कार्यकाल के अंतिम दिन मार्क समेत कई लोगों को अभयदान दिया था।

सेवानिवृत्त जनरल मार्क मिले ने अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारी के रूप में ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी काम किया था। 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडन के कार्यकाल में सेवानिवृत्त होने के बाद वह ट्रंप के प्रमुख आलोचक बन गए। उन्हें अपने आचरण को लेकर पेंटागन के महानिरीक्षक कार्यालय की जांच का सामना करना पड़ेगा। हेगसेथ ने बुधवार को फैसले पर अपनी पहली टिप्पणी में कहा, 'अगर आप सक्रिय रूप से कमान को कमजोर करते हैं, जैसा कि जनरल मिले ने पिछले ट्रंप प्रशासन में किया था तो हम रक्षा विभाग में उन कार्यों की समीक्षा करने जा रहे हैं।' मिले के खिलाफ उठाए गए कदमों के तहत पेंटागन से उनके दो चित्रों को भी हटा दिया गया है।

मार्क मिले। फाइल/रायटर

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला नासा का यान ले जाएंगे अंतरिक्ष स्टेशन

- अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे, 14 दिन का मिशन
- इसरो के अंतरिक्ष यात्री का गगनयान मिशन के लिए पहले हो चुका चयन

न्यूयार्क, आइएएनएस: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इस साल बसंत में लगभग एक पखवाड़े के लिए एक्जियोम मिशन-4 या एएक्स-4 का पायलट बनकर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आइएसएस) के लिए रवाना होंगे। नासा के अनुसार शुक्ला पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे जो आइएसएस जाकर इतिहास रचेंगे। वह स्वदेशी गगनयान मानव अंतरिक्ष अभियान में भी अंतरिक्ष यात्री होंगे।

लखनऊ के रहने वाले 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला वर्ष 2006 से वायुसेना में सेवारत रहे हैं और संभवतः मार्च-अप्रैल तक नासा के प्राइवेट मिशन के तहत बतौर पायलट आइएसएस जाएंगे। उनका अंतरिक्ष का ऐतिहासिक सफर 14 दिनों के लिए होगा। उनके यान के अंतरिक्ष स्टेशन जाने का समय लगभग वही हो सकता है जिस समय तक के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुनीता विलियम्स समेत नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने गुरुवार को ही एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स से मार्च तक इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की आइएसएस से वापसी का आग्रह किया। गगनयान मिशन की तैयारी के लिए शुभांशु के साथ ही ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर को भी नासा, ईएसए और जेएएक्सए अंतरिक्ष एजेंसियों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

शुभांशु शुक्ला। फाइल

नासा के अनुसार, पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्जियोम स्पेस के मानव अंतरिक्ष मिशन की निदेशक पेगी विटसन इस व्यापारिक मिशन की कमान संभालेंगी इस अभियान में जाने वालों में मिशन विशेषज्ञ के तौर पर (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) से जुड़े पोलैंड के प्रोजेक्ट एस्ट्रोनाट अवोज उझंस्की विस्नीवेस्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल हैं। ह्यूस्टन में नासा के जानसन स्पेस सेंटर के इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन प्रोग्राम के मैनेजर डाना वीगल ने बताया कि वह इस मिशन को लेकर उत्साहित हैं। वहीं, अंतरिक्ष में आठ माह से फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर व भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने गुरुवार को एक साथ इस मिशन पर अपनी पहली स्पेस वाक की है।

ट्रंप की पसंद तुलसी गबार्ड और काश पटेल कमेटी के सामने होंगे पेश

वाशिंगटन, एपी : डोनाल्ड ट्रंप की पसंद तुलसी गबार्ड और काश पटेल अपने पद पर नियुक्ति की पुष्टि के लिए कमेटी के सामने पेश होंगे। गबार्ड राष्ट्रीय खुफिया निदेशक और पटेल एफबीआइ निदेशक के तौर पर राष्ट्रपति की पसंद हैं। गबार्ड को रूस के बारे में टिप्पणियों को लेकर सांसदों के कठिन सवालों का सामना करना पड़ सकता है। गबार्ड ने यूक्रेन पर क्रेमलिन के हमले को सही ठहराया था। उनके पास कोई औपचारिक खुफिया अनुभव नहीं है। सीनेट में उनकी पुष्टि के लिए लगभग सभी रिपब्लिकन सीनेटरों को उनके पक्ष में वोट करने की जरूरत होगी। इस बीच काश पटेल ने कहा, मेरा मानना है कि एफबीआइ में जनता के विश्वास बहाली के लिए मूलभूत कदम उठाने जरूरी हैं। अच्छे पुलिस वालों को पुलिसकर्मी ही रहने दो। यदि पुष्टि हो जाती है, तो मैं देश भर में फील्ड एजेंटों की उपस्थिति को बढ़ाते हुए मुख्यालय में परिचालन को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

यूएस बैंकार्प की पहली भारतवंशी सीईओ बनीं गुंजन केडिया

- अमेरिकी बैंक का नेतृत्व करने जा रहीं केडिया दिल्ली की रहने वाली हैं
- पांच अप्रैल को शेयरधारकों की बैठक के बाद पद संभालेंगी 54 वर्षीय केडिया

ह्यूस्टन, प्रेट्र: अमेरिका के यूएस बैंकार्प का अगला सीईओ गुंजन केडिया को नियुक्त किया गया है। वह इस बैंक का नेतृत्व करने वाली पहली भारतवंशी हैं। केडिया दिल्ली की रहने वाली हैं और दिल्ली स्कूल आफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। यूएस बैंकार्प अमेरिका का सातवां सबसे बड़ा बैंक है।

54 वर्षीय केडिया पांच अप्रैल को वार्षिक शेयरधारकों की बैठक के बाद सीईओ का पद संभालेंगी और निदेशक मंडल में भी शामिल होंगी। वह एंडी सेसेरे का स्थान लेंगी, जो कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में होंगे। यह घोषणा बैंकिंग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि केडिया ने अमेरिका के सबसे बड़े वित्तीय संस्थानों में से एक का प्रभार संभाला है। वह 2016 से यूएस बैंकार्प से जुड़ी हैं और वित्तीय सेवा उद्योग में लगभग तीन दशक का अनुभव रखती हैं। बैंक में शामिल होने से पहले उन्होंने स्टेट स्ट्रीट फाइनेंशियल, बीएनवाई मेलान, मैकिंजे एंड कंपनी और पीडब्ल्यूसी में वरिष्ठ कार्यकारी भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई की है।

भारतवंशी गुंजन केडिया। फाइल/रायटर

पाकिस्तान में भीख मांगना अपराध घोषित होगा

इस्लामाबाद, आइएनएस : विदेशों से लगातार आ रही शिकायतों के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार भीख मांगने को अपराध घोषित करने वाली है। विदेशों में हजारों पाकिस्तानी अवैध गतिविधि और भीख मांगते पकड़े गए हैं, जिसके कारण उसे वैश्विक तौर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने गुरुवार को मानव तस्करी रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2024 की धारा 3 में संगठित भीख मांगना शब्द जोड़ने का प्रस्ताव का फैसला किया है। भीख मांगते हुए पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिकों के बढ़ते मामलों के बारे में विशेष रूप से खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), इराक और मलेशिया की ओर से कई शिकायतें मिली हैं। पाकिस्तान के राजनयिक मिशनों ने कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया है क्योंकि हज, उमरा और अन्य यात्राओं के लिए इन देशों में जाने वाले हजारों पाकिस्तानी भीख मांगने और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं।

'गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग का अभियोग एक रणनीतिक भूल'

- फोर्ब्स के लेख में दावा, भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचने का खतरा

नई दिल्ली, आइएएनएस: अमेरिका से प्रकाशित होने वाली प्रतिष्ठित पत्रिका फोर्ब्स ने कहा है कि भारतीय अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग का अभियोग रणनीतिक भूल है। इसके गंभीर भू-राजनीतिक परिणाम होंगे।

पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में लेखक मेलिक कायलन ने तर्क दिया कि इस अभियोग में रिश्वतखोरी और वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। ऐसे समय में जब वाशिंगटन, चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए सक्रिय रूप से मजबूत गठबंधन की तलाश कर रहा है तो यह अभियोग भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचाने का एक जोखिम है।

लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत पश्चिम के लिए खासकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलों में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह गलियारा एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचागत परियोजना है जिसे चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को टक्कर देने के लिए तैयार किया गया है। कायलन का मानना है कि न्याय विभाग की कार्रवाई एक महत्वपूर्ण मोड़ पर द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और विश्वास को कम करती है और यह संभावित रूप से भारत को रूस और चीन के करीब ला सकती है। फोर्ब्स के अनुसार, ऐसा करके अमेरिका अनजाने में अपनी भू-राजनीतिक स्थिति को कमजोर कर रहा है, जिससे उसके प्रतिद्वंद्वियों को अपना प्रभाव मजबूत करने का मौका मिल रहा है। इसके अलावा, लेख में यह भी तर्क दिया गया है कि यह अभियोग पश्चिमी अतिक्रमण का एक और उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहां अमेरिका की सीमा-पार कानूनी कार्रवाइयां महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदारियों को बाधित करती हैं।

लेख में कहा गया है कि व्यापक चिंता यह है कि जहां अमेरिका और यूरोप ऐसे कदमों से अपने सहयोगियों को कमजोर कर रहे हैं, वहीं उनके विरोधी आर्थिक, सैन्य और तकनीकी रूप से आगे बढ़ रहे हैं। अदाणी के खिलाफ न्याय विभाग की कार्रवाई सिर्फ एक कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि कूटनीतिक दृष्टि से भी एक गलत कदम है। इससे ऐसे समय में भारत को अलग-थलग करने का जोखिम बढ़ जाता है जब वैश्विक स्थिरता के लिए पश्चिम के साथ इसका तालमेल बहुत महत्वपूर्ण है।

गौतम अदाणी। फाइल

संभावित रूप से भारत को रूस और चीन के करीब ला सकती है यह कार्रवाई

कुरान की बेअदबी करने वाले इराकी की स्वीडन में हत्या

- 2023 से मोमिका इस्लाम को लेकर घृणास्पद बातें कर रहा था

स्टाकहोम, एपी : इराकी मूल के 38 वर्षीय सलवान मोमिका की गुरुवार को स्वीडन में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मोमिका 2023 से इस्लाम धर्म के बारे में कई बार विवादित बातें बोल चुका था। उसने मस्जिद के सामने खड़े होकर कई बार कुरान का अपमान किया था। गुरुवार को स्टाकहोम की जिला अदालत में मोमिका से जुड़े मामले में निर्णय सुनाया जाना था, पर उसकी मौत के चलते प्रक्रिया स्थगित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बुधवार रात उसे स्टाकहोम के निकट सोडरतल्ज शहर में फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो एक आदमी घायल मिला, जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। मोमिका 2018 में इराक से स्वीडन आया था। उसे 2021 तक देश में रहने की अनुमति मिली थी पर इसके बाद भी वह स्वीडन में रुका रहा था। उसका कहना था कि वह इस्लाम धर्म का विरोधी है, न कि मुसलमानों का। वैसे स्वीडिश पुलिस ने मोमिया को विरोध प्रदर्शन की अनुमति दे रखी थी, साथ ही उसके खिलाफ नस्ल के आधार पर घृणा फैलाने, कुरान की तौहीन आदि के कई मामले दर्ज किए थे।

सलवान मोमिका। फाइल/एपी

पुलिस ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति के साथ केस भी दर्ज किए थे

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में अंतरिम सरकार असफल

- देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक अधिकार समूह ने लगाया यह आरोप
- अल्पसंख्यक समुदायों को सुनियोजित तरीके से बनाया जा रहा निशाना

ढाका, एपी: बांग्लादेश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक अधिकार समूह ने देश की अंतरिम सरकार पर अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में असफल होने का आरोप लगाया है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने कहा, अल्पसंख्यक समुदायों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि सरकार ने आरोप को खारिज किया है। ज्ञात हो, हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त को शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया था। इसके बाद अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं पर हमले बढ़ गए।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने कहा, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक समूहों को दबाने के लिए सरकारी संस्थानों का इस्तेमाल कर रही है। परिषद ने गुरुवार को प्रेस कान्फ्रेंस में पूर्व के हमलों को लेकर अपने दावों को दोहराया और कहा कि देश में 21 अगस्त से 31 दिसंबर के बीच सांप्रदायिक हिंसा की 174 नई घटनाएं हुईं। इनमें अल्पसंख्यक समुदायों के 23 सदस्यों की हत्या हुई और नौ महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया। अन्य घटनाओं में आगजनी, तोड़फोड़, लूटपाट और संपत्ति एवं व्यवसायों पर जबरन कब्जा करना शामिल था। जबकि इन समुदायों के 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया या यातना दी गई। समूह के कार्यवाहक महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने अंतरिम सरकार पर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को परेशान करने का आरोप भी लगाया है।

इससे पहले परिषद ने बताया था कि इस मुस्लिम बहुल देश में गत वर्ष चार से 20 अगस्त के दौरान सांप्रदायिक हिंसा की 2010 घटनाएं हुई थीं। जबकि शेख हसीना सरकार को अपदस्थ किए जाने के बाद गठित अंतरिम सरकार ने इसे खारिज किया था और कहा था कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई थीं। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को परंपरागत रूप से हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थकों के रूप में देखा जाता रहा है।

हमास ने आठ बंधकों को रिहा किया, फलस्तीनी कैदियों की रिहाई लटकी

- तीन इजरायली और पांच थाई बंधक गाजा में रिहा हुए
- हजारों लड़ाकों की मौजूदगी में बंधकों की रिहाई होने से इजरायल क्षुब्ध

यरुशलम, रायटर: गाजा के खान यूनिस शहर में गुरुवार को हमास ने तीन इजरायली बंधकों और पांच थाई बंधकों को रेडक्रास को सौंप दिया, लेकिन बदले में 110 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई अभी नहीं हो पाई है। अब फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के लिए नया कार्यक्रम घोषित होगा।

इजरायल ने हजारों हथियारबंद लड़ाकों की मौजूदगी और उनके उत्तेजक-कोलाहलपूर्ण आचरण पर आपत्ति जताई है। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कहा, बंधकों की रिहाई के समय खान यूनिस में जो माहौल था वह स्तब्ध करने वाला और बंधकों को डराने वाला था। उन्होंने मध्यस्थों से अनुरोध किया कि भविष्य में होने वाली बंधकों की रिहाई के समय गाजा में हमास की ओर से ऐसा माहौल नहीं बनाया जाना चाहिए। इस बाबत ठोस आश्वासन मिलने के बाद ही फलस्तीनी बंधकों की रिहाई होगी।

जिन इजरायली बंधकों को गुरुवार को रिहा किया गया उनमें शामिल 29 वर्षीय आर्बेल येहुद को सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल के किबुज नीर ओज शहर से अगवा किया गया था। चोटिल येहुद बड़ी मुश्किल से पैदल चलकर रेडक्रास के अफसरों के पास आ पाईं। उनके साथ 80 वर्ष के गाजी मोसेस को भी हमास ने छोड़ा है। तीसरी बंधक इजरायली सैनिक अगम बर्जर हैं। रिहा किए गए थाइलैंड के पांच नागरिक गाजा के नजदीक इजरायली नागरिकों के खेतों में काम करते थे, वहीं से उन्हें अगवा किया गया था।

****

पुणे में जीत के लिए बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

इंग्लैंड के विरुद्ध चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत के पास अजेय बढ़त बनाने का एक और मौका

पुणे, प्रेट्र : तेज रफ्तार के सामने संजू सैमसन की कमजोरी और रिंकू सिंह की खराब फार्म व फिटनेस इंग्लैंड के विरुद्ध शुक्रवार को चौथे टी-20 मैच से पहले भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता का सबब होगा। राजकोट में तीसरा मैच हारने के बाद भारतीय टीम के पास पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त बनाने का एक और मौका होगा, लेकिन इसके लिए बल्लेबाजों को दम दिखाना होगा।

केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने टी-20 सत्र की शुरुआत बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध तीन शतक के साथ की थी, लेकिन मौजूदा सीरीज में वह केवल 34 रन ही बना सके हैं। संजू पहले मैच में 26, दूसरे में पांच और तीसरे में तीन रन बनाए हैं। चिंता की बात यह है कि वह 145 किमी की रफ्तार से अधिक वाली गेंदों का सामना नहीं कर पा रहे। बांग्लादेश के विरुद्ध उन्होंने तसकीन अहमद, तंजीम हसन शाकिब की गेंदें खेलीं थी, जबकि दक्षिण अफ्रीका के एंडिले साइमलेन और लुथो सिपाम्ला की गेंदों का उन्होंने सामना किया। ये बहुत खतरनाक तेज गेंदबाज नहीं हैं और सैमसन ने उन्हें बखूबी खेला, लेकिन जब सामने जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड आए, जो 145 से 155 किमी की रफ्तार से गेंद डालते हैं तो गति सैमसन को उनके सामने खेलने में परेशानी हो रही है। तीनों मैचों में वह फिल साल्ट को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उन्हें तकनीकी कमियों से पार पाना होगा।

रिंकू को पहले दो मैचों में विश्राम दिया गया और वह चौथे मैच तक फिट हो सकते हैं। गंभीर जब केकेआर के मेंटर बने तब रिंकू को 2024 आइपीएल में कुल 70 गेंद खेलने को मिली और वह टी-20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सके। अपनी गेंदबाजी के दम पर शिवम दुबे को टीम में जगह मिली थी। भारतीय मध्यक्रम भी इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद को नहीं खेल पा रहा है और ऐसे में देखना है कि क्या दुबे को मौका मिलता है। तीसरा विकल्प रमनदीप सिंह है जो फिनिशर होने के साथ दुबे से बेहतर तेज गेंदबाज है।

संजू सैमसन व कोच गौतम गंभीर ● प्रेट्र

टीमें

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, ध्रुव जुरैल, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट, बेन डकेट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टन, जैमी स्मिथ, आदिल रशीद, ब्रेडन कार्स, जैमी ओवर्टन, गस एटकिंसन, रेहान अहमद, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, साकिब महमूद।

फिट हुए रिंकू, नेट्स में पंत की तरह खेले शाट

पुणे : चौथे टी-20 से पहले फिट हुए उत्तर प्रदेश के आक्रामक बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने नेट सत्र में शुक्रवार को जमकर अभ्यास किया। चोट के कारण दूसरे और तीसरे टी-20 मुकाबले में बाहर रहे रिंकू सिंह को लेकर सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने बताया कि वह शुक्रवार को टीम में वापसी करेंगे। रिंकू ने अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में रवि बिश्नोई और सीरीज में भारतीय स्पिन गेंदबाजी की धुरी बने वरुण चक्रवर्ती के विरुद्ध रिषभ पंत के अंदाज वाले रिवर्स लैप स्कूप और रिवर्स पुल शाट्स लगाए। इसके बाद नेट बदलकर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी और हर्षित राणा के विरुद्ध भी वह सहज दिखे। उन्होंने नेट सत्र का अंत सहायक कोच अभिषेक नायर और राघवेंद्र के साथ थ्रोडाउन का अभ्यास कर किया।

भारतीय महिला टीम के सामने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की चुनौती

भारत vs इंग्लैंड	
दोपहर 12:00 बजे	स्थानः कुआलालंपुर
स्टार स्पोर्ट्स, डिज्नी हाटस्टार	

कुआलालंपुर, प्रेट्र : अंडर-19 टी-20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने उतरी भारतीय महिला टीम का सामना अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और उसकी नजरें इसी लय को कायम रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होंगी।

निकी प्रसाद की अगुआई वाली भारतीय टीम इस समय जबरदस्त फार्म में है। पहले मैच में विंडीज को आठ विकेट से हराकर शुरुआत करने वाली भारतीय टीम ने उसके बाद मेजबान मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश और स्काटलैंड को पटखनी दी। टीम की आरंभिक बल्लेबाज तृषा गोंगडी ने पिछले मैच में केवल 59 गेंदों में शतकीय पारी खेली थी और वह अंडर-19 विश्व कप में शतक जड़ने वाली पहली बल्लेबाज बनी थीं। वह 230 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं। इसके साथ ही गेंदबाजों ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की है और पांचों मैचों में विरोधी बल्लेबाजों को 70 से ऊपर का स्कोर बनाने नहीं दिया है। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और आयुषी ने 12 और 10 विकेट चटकाए हैं। इंग्लिश टीम को भारतीय बल्लेबाजों की ताकत से सतर्क रहना होगा और उनके खिलाड़ियों को भारतीय गेंदबाजों के सामने जल्द लय हासिल करनी होगी। इंग्लैंड की टीम बीते चार मैचों में दो जीत और दो हार के साथ सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

'विराटमय' हुआ स्टेडियम

- कोहली को देखने उमड़े हजारों प्रशंसक
- भीड़ के कारण मची भगदड़, तीन घायल
- मैच के दौरान मिलने पहुंचा एक प्रशंसक

विराट कोहली ● प्रेट्र

रणजी का रण

लोकेश शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली: 13 वर्ष बाद दिल्ली में रणजी ट्राफी मुकाबला खेलने उतरे विराट कोहली को देखने के लिए प्रशंसक में जबरदस्त उत्साह दिखा। अरुण जेटली स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक सुबह तीन बजे से ही कतार में लग गए। इस ऐतिहासिक मुकाबले को देखने के लिए लोग अलीगढ़, इलाहाबाद और ग्वालियर तक से पहुंचे थे। खास बात यह रही कि लखनऊ से एक प्रशंसक तीन दिन पहले ही दिल्ली आकर डेरा जमा चुका था। कोहली को देखकर उसकी आंखों में चमक थी, जो उनकी दीवानगी को दर्शा रही थी।

मैदान में चारों ओर "कोहली-कोहली" के नारे गूंज रहे थे। रेलवे की टीम को इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद नहीं थी। करीब 12 से 15 हजार लोग स्टेडियम में पहुंचे। कोहली जिस ओर जाते, उस ओर शोर बढ़ जाता। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए डीडीसीए ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और पैरा मिलिट्री फोर्स को तैनात किया।

उम्मीद से ज्यादा लोग: डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा मैं 30 वर्ष से दिल्ली क्रिकेट से जुड़ा हूं, लेकिन रणजी ट्राफी मैच में ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा। यह साबित करता है कि कोहली की लोकप्रियता अतुलनीय है। हमें उम्मीद नहीं थी कि इतनी बड़ी संख्या में दर्शक मैच देखने आएंगे। हमने अनुमान लगाया था कि 10 हजार से कम लोग आएंगे, लेकिन दर्शकों की भीड़ उम्मीद से ज्यादा रही। हालांकि, हमने स्थिति को नियंत्रण में रखा। भीड़ को संभालने में हुई अव्यवस्था पर जब दिल्ली पुलिस के डीसीपी से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनसे बात नहीं हो सकी। वहीं दिल्ली मेट्रो को भी इतनी भीड़ का अंदाजा नहीं था।

विराट के पैरों में गिरा प्रशंसक : मैच के दौरान एक प्रशंसक सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुस गया और विराट कोहली के पैरों में गिर पड़ा। यह देखकर क्षेत्ररक्षक और बल्लेबाज भी कुछ देर के लिए असहज हो गए। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति को हटाया और खेल दोबारा शुरू हुआ।

फ्री एंट्री के कारण भीड़ : डीडीसीए द्वारा फ्री एंट्री देने के बाद स्टेडियम के अंबेडकर स्टैंड के तीन गेट खोल दिए गए। विराट कोहली को देखने के लिए गेट नंबर 17 पर भारी भीड़ जमा हो गई। गेट नंबर 16 पर लोगों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि धक्का-मुक्की शुरू हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान तीन लोग घायल हो गए और एक सुरक्षा गार्ड को भी चोट लगी। वहीं पुलिसकर्मी की मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को गेट नंबर 18 भी खोलना पड़ा, लेकिन प्रशंसकों की संख्या इतनी अधिक थी कि हालात संभालना मुश्किल हो गया।

दूसरे दिन बढ़ाई जाएगी सुरक्षा: पहले दिन भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने दूसरे दिन सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है। प्रशंसकों के लिए गेट नंबर 16, 17 और 18 को खोला जाएगा, लेकिन कड़े सुरक्षा नियम लागू रहेंगे ताकि भगदड़ जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

अरुण जेटली स्टेडियम में गुरुवार को रेलवे के विरुद्ध रणजी ट्राफी मुकाबले में विराट कोहली को देखने पहुंचे प्रशंसक ● प्रेट्र

कोहली से कप्तान बडोनी लेते दिखे सलाह

दिल्ली टीम के कप्तान आयुष बडोनी कोहली से बीच-बीच में सलाह लेते नजर आए। कोहली ने एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए टीम में जोश भरा। इसका असर ऐसा हुआ कि रेलवे की आधी टीम 19.4 ओवर में मात्र 66 रनों पर पवेलियन लौट गई। पूरी टीम 67.4 ओवरों में 241 रनों पर सिमट गई जिसमें उपेंद्र यादव ने सर्वाधिक 95 रन बनाए। दिल्ली की ओर से नवदीप सैनी और सुमित माथुर ने तीन-तीन विकेट झटके जबकि सिद्धांत और मनी ग्रेवाल ने दो-दो विकेट चटकाए। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक दिल्ली ने 10 ओवर में 41 रन बनाकर एक विकेट गंवाया। सनत सांगवान (9 रन) और यश ढुल (17 रन) अविजित रहे।

कोहली ने की चिली पनीर की मांग

मैच के दौरान विराट कोहली ने डीडीसीए के रेस्तरां संचालक संजय झा से चिली पनीर बनाने की मांग की। संजय झा ने कहा कोहली को इतने सालों बाद भी मेरा नाम याद है। पहले वे चिली चिकन पसंद करते थे, लेकिन इस बार उन्होंने चिली पनीर मांगा और लंच में यही खाया। 100 टेस्ट मैच खेलने के लिए शुक्रवार को डीडीसीए विराट को सम्मानित करेगा।

शार्दुल की हैटट्रिक से मेघालय बैकफुट पर

मुंबई, प्रेट्र: मुंबई ने शार्दुल ठाकुर की हैटट्रिक के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे (83 रन) और सिद्धेश लाड (89 रन) के अर्धशतकों की मदद से गुरुवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच के पहले दिन मेघालय पर 127 रन की बढ़त हासिल कर ली। ठाकुर को गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर पहले दिन काफी मदद मिली और उनके साथी गेंदबाजों मोहित अवस्थी (27 रन देकर तीन विकेट), सिलवेस्टर डीसूजा (14 रन देकर दो विकेट) और शम्स मुलानी (एक रन देकर एक विकेट) का भी अच्छा साथ मिला, जिससे मुंबई ने मेघालय को महज 86 रन पर समेट दिया। फिर रहाणे और लाड के बीच तीसरे विकेट के लिए 170 रन की अविजित साझेदारी से मुंबई ने स्टंप्स तक दो विकेट गंवाकर 213 रन बना लिए थे। मुंबई के लिए यह 'करो या मरो' का अंतिम ग्रुप चरण मैच है।

हरियाणा के विरुद्ध 26 रन बना पाए राहुल

बेंगलुरु, प्रेट्र: केएल राहुल की रणजी ट्राफी में बहुप्रतीक्षित वापसी महज 37 गेंद खेलने के बाद समाप्त हो गई और भारत का यह प्रारंभिक बल्लेबाज 26 रन पर आउट हो गया जिससे कर्नाटक ने गुरुवार को पहले दिन हरियाणा के खिलाफ पांच विकेट पर 267 रन का स्कोर बना लिया। फरवरी 2020 के बाद रणजी ट्राफी में खेलते हुए राहुल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। खचाखच भरे एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और स्टैंड में 'राहुल, राहुल' के नारे गूंज रहे थे। दाएं हाथ का यह स्टाइलिश बल्लेबाज शुरू में शानदार लय में दिखा और मयंक अग्रवाल (91) के साथ दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी में चार चौके लगाए।

ख्वाजा के दोहरे शतक से आस्ट्रेलिया मजबूत

उस्मान ख्वाजा ● एपी

गाल, एपी : उस्मान ख्वाजा (232) के दोहरे शतक और पदार्पण कर रहे जोश इंगलिस (142) की शतकीय पारी से आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को श्रीलंका के विरुद्ध पहली पारी छह विकेट 654 रन बनाकर घोषित की। ख्वाजा ने करीब साढ़े सात घंटे तक बल्लेबाजी की और 38 वर्ष की उम्र में आस्ट्रेलिया की ओर से डान ब्रैडमैन के बाद दोहरा शतक जड़ने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

वहीं पहला टेस्ट खेल रहे इंगलिश ने केवल 90 गेंदों में शतक लगाया और वह पदार्पण मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। इससे पहले यह रिकार्ड भारत के शिखर धवन के नाम था, जिन्होंने 2013 में मोहाली में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध केवल 85 गेंद में शतक लगाया था। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने केवल 44 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। कामिंदु मेंडिस 13 और दिनेश चांदीमल नौ रन बनाकर क्रीज पर हैं। उस्मान ख्वाजा ने 147 रनों से आगे पारी की शुरुआत करते हुए श्रीलंकाई स्पिनरों को विशेष रूप से निशाने पर रखा। उन्होंने अपनी पारी में 352 गेंदों का सामना किया। ख्वाजा श्रीलंका में दोहरा शतक लगाने वाले एकमात्र आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने कोलंबो में 2004 में जस्टिन लैंगर द्वारा बनाए गए 166 रनों के रिकार्ड को तोड़ा, जो श्रीलंका में सर्वोच्च स्कोर था।

गुकेश-प्रगनानंद जीते एरिगेसी ने खेला ड्रा

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स), प्रेट्र : विश्व चैंपियन डी गुकेश ने स्थानीय ग्रैंडमास्टर मैक्स वार्मरडैम को हराकर टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर के बाद अपनी एकल बढ़त बनाए रखी है। गुकेश 7.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। 2800 ईएलओ रेटिंग पार करने के करीब पहुंचे गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए 34 चालों में आसान जीत दर्ज की। वह दूसरे स्थान पर काबिज उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक आगे हैं। भारत के आर प्रगनानंद उनसे एक अंक पीछे तीसरे स्थान पर हैं।

अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने जर्मनी के विंसेंट केमेर से ड्रा खेला, जबकि पी हरिकृष्णा और अमेरिका के फैबियानो कारुआना की बाजी भी ड्रा रही।

चैंपियंस ट्राफी से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलेगा भारत

- बांग्लादेश से पहला मैच होने के कारण टीम ने किया इन्कार
- 15 फरवरी को दुबई पहुंच सकती है भारतीय टीम

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

नई दिल्ली: भारतीय टीम चैंपियंस ट्राफी से पहले अभ्यास मैच खेलने में रुचि नहीं दिखाई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि भारतीय टीम दुबई की परिस्थितियों में ढलने के लिए बांग्लादेश या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अभ्यास मैच खेल सकती है। आइसीसी के एक अधिकारी ने बताया, चूंकि भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी और उसका पहला मैच ही बांग्लादेश से होगा। ऐसे में भारतीय टीम बांग्लादेश से अभ्यास मैच खेलना नहीं चाहती हैं। वहीं यूएई से खेलने को लेकर भी टीम प्रबंधन ने ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

अधिकारी के अनुसार, इंग्लैंड से 12 फरवरी को वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम 15 फरवरी को दुबई में पहुंच जाएगी। इसके बाद वहीं ट्रेनिंग करेगी। दरअसल, चैंपियंस ट्राफी की शुरुआत 19 फरवरी से पाकिस्तान में होगी और भारत और बांग्लादेश को छोड़कर बाकी टीमें वहीं उपस्थित रहेंगी। चूंकि भारत और बांग्लादेश को अगले दिन ही मैच खेलना है तो ये दोनों टीमें दुबई में होंगी। इसलिए बांग्लादेश से अभ्यास मैच की चर्चा थी, लेकिन भारत के इन्कार करने के बाद अब मैच नहीं होगा।

आइसीसी ने रद किया सभी कप्तानों का फोटोशूट

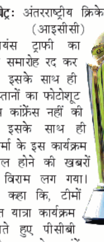

कराची, प्रेट्र: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने चैंपियंस ट्राफी का उद्घाटन समारोह रद कर दिया है। इसके साथ ही सभी कप्तानों का फोटोशूट और प्रेस कांफ्रेंस नहीं की जाएगी। इसके साथ ही रोहित शर्मा के इस कार्यक्रम में शामिल होने की खबरों पर भी विराम लग गया। सूत्रों ने कहा कि, टीमों के व्यस्त यात्रा कार्यक्रम को देखते हुए पीसीबी को फोटोशूट व प्रेस कांफ्रेंस को रद करने पर मजबूर होना पड़ा। भारत और इंग्लैंड की टीम इस समय सफेद गेंद क्रिकेट सीरीज खेल रही है, जबकि आस्ट्रेलिया श्रीलंका से टेस्ट सीरीज खेल रही है। ऐसे में यह कार्यक्रम आयोजित करना मुश्किल है। पहले ऐसी खबरें थीं कि आइसीसी और पीसीबी लाहौर के गद्दाफी स्टेडिय में 16 फरवरी को उद्घाटन समारोह आयोजित कर सकते हैं। पीबीसी सात फरवरी तक लाहौर स्टेडियम का काम पूरा कर लेगा और 11 फरवरी तक उसे आइसीसी को सौंप देगा। जिसके बाद उसमें उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। हालांकि आइसीसी ने इस बारे में किसी तरह के कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की थी।

नर्मदा ने रिकार्ड के साथ जीता स्वर्ण पदक

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा, बनाया 254.4 का स्कोर, 25 मीटर रैपिड पिस्टल में अनीश ने जीता सोना

देहरादून, प्रेट्र: विश्व कप की पूर्व विजेता नर्मदा नितिन राजू ने गुरुवार को यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलिंपियन इलावेनिल वालारिवन सहित कई मजबूत निशानेबाजों को मात देते हुए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया और विश्व रिकार्ड की बराबरी करने से महज एक अंक के दशमलव से आगे के हिस्से से चूक गईं।

तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) और रमिता (230.4) को पछाड़ा।

इस प्रक्रिया में उन्होंने ओलिंपियन अपूर्वी चंदेला के नई दिल्ली में 2019 विश्व कप में बनाए गए 252.9 के राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ दिया। इस स्पर्धा का विश्व रिकार्ड 254.5 अंक का है जो पिछले वर्ष नई दिल्ली में आइएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चीन की हुआंग युटिंग ने बनाया था।

नर्मदा ने 2023 काहिरा विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था और इसी वर्ष भोपाल में विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से यह 23 वर्षीय निशानेबाज की इस स्पर्धा में यह तीसरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। नर्मदा बुधवार को क्वालीफिकेशन दौर में तीसरे स्थान पर रही थीं। आत्मविश्वास से भरी इस निशानेबाज ने फाइनल में अपने अधिक प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाने के लिए शानदार स्कोर बनाए। अन्य नतीजों में हरियाणा के 2022 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनीष भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 31 हिट से स्वर्ण पदक जीता। सेना के गुरप्रीत सिंह 28 हिट से दूसरे और पंजाब के विजयवीर सिद्धू 26 हिट से तीसरे स्थान पर रहे।

साइकिलिंग में कर्नाटक के नवीन थामस ने 53.16 मिनट के साथ चौथी बार स्वर्ण पदक जीता। इस बीच, महाराष्ट्र ने ट्रायथलान स्पर्धा में छह पदक जीते।

स्वर्ण जीतने के बाद नर्मदा बीच में, आर्या बोरसे और रमिता जिंदल ● जागरण

भारोत्तोलन में विजय ने राष्ट्रीय रिकार्ड की बराबरी की

जासं, देहरादून: छत्तीसगढ़ के भारोत्तोलक विजय कुमार ने स्वर्ण जीतकर राष्ट्रीय रिकार्ड की बराबरी की। पुरुषों की 55 किग्रा भारवर्ग में उन्होंने स्वर्ण जीता। विजय ने क्लीन एंड जर्क में 143 किग्रा भार उठाकर राष्ट्रीय रिकार्ड की बराबरी की। उन्होंने 248 किग्रा (105 किग्रा स्नैच +143 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर 38वें राष्ट्रीय खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले क्लीन एंड जर्क में 143 किग्रा भार उठाने का रिकार्ड महाराष्ट्र के संकेत सरगर के नाम है।

सिटी, पीएसजी की उम्मीदें कायम, लिवरपूल की हार

चैंपियंस लीग

बार्सिलोना ने अटलांटा से 2-2 से खेला ड्रा, रीयल मैड्रिड और बायर्न ने दर्ज की जीत

जिनेवा, एपी : मैनचेस्टर सिटी और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार रात अपने-अपने मुकाबले जीतकर चैंपियंस लीग के नाकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा, जबकि शीर्ष पर काबिज लिवरपूल को पीएसवी एंडहोवन के विरुद्ध अपनी पहली हार झेलनी पड़ी। बीते कुछ वर्षों में अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही पेप गार्डियोला की टीम सिटी ने बुधवार रात पहले हाफ में 0-1 से पिछड़ने के बाद क्लब ब्रुग को 3-1 से हराया। पहले हाफ में गोल खाने के बाद पेप काफी गुस्से में दिखे और उन्होंने पास में रखे ड्रिंक्स कूलर को लात मारी, जिसके लिए उन्हें येलो कार्ड दिखाया गया। मैच के बाद जब पेप से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैंने टीम से कहा कि यह हमारा अंतिम मौका है। आज हारे तो हमारा सफर समाप्त हो जाएगा और दूसरे हाफ में हम ज्यादा मुक्त होकर खेले। मैं खुश हूं कि अब भी हमारे पास अगले दौर में पहुंचने का मौका है। इस जीत से सिटी 22वें स्थान पर है और 26 में 24 टीमें नाकआउट चरण में पहुंचेंगी।

सिटी की तरह ही स्थिति पीएसजी की भी थी और उसे स्टुटगार्ट के विरुद्ध हर हाल में जीत चाहिए थे। पीएसजी के लिए उस्मान डेंबले ने गोल ही हैटट्रिक लगाते हुए टीम को 4-1 से जीत दिलाई। पीएसजी की टीम अब आठ मैचों में 13 अंक के साथ 15वें स्थान पर है। इस बीच, शीर्ष पर काबिज लिवरपूल को कमजोर पीएसवी की टीम के विरुद्ध 3-2 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि इसके बावजूद लिवरपूल की टीम शीर्ष पर बनी हुई है। अन्य मुकाबलों में बार्सिलोना ने अटलांटा के साथ 2-2 से ड्रा खेला और अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा। रीयल मैड्रिड ने ब्रेस्ट को 3-1 से हराया, जबकि बायर्न म्यूनिख ने स्लोवन ब्रातिस्लावा पर 3-1 से जीत दर्ज की।

उस्मान डेंबले ● एएफपी

लाहिड़ी रहे अंडर पार चाकारा को मिली बढ़त

खेल संवाददाता, गुरुग्राम: भारतीय स्टार गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ कोर्स में चल रहे एशियाई टूर के इंटरनेशनल सीरीज इंडिया में कोहरे से प्रभावित पहले दौर में पार स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में भाग ले रहे 15 भारतीय गोल्फरों में पहले दौर के बाद वह शीर्ष पर हैं। वहीं, स्पेन के युजिनियो चाकारा ने अंडर पार-4 के स्कोर के साथ बढ़त बना ली है। टूर्नामेंट में अभी तीन दौर के मुकाबले शेष हैं।

अनिर्बान ने पहले दौर में चार बर्डी लगाई, परंतु उन्होंने दो बोगी और एक डबल बोगी कर इसे बराबर कर दिया। उनके अलावा अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर, अजीतेश संधू और जीव मिल्खा सिंह संयुक्त 21वें स्थान पर हैं।

****

रैपिड फायर

धारावाहिक बालिका वधू ने अभिनेत्री अविका गौर को लोकप्रिय बनाया। उसके बाद से वह हिंदी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्मों में सक्रिय हैं। उनकी तीन फिल्मों की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होगी। उन्होंने दिए कुछ चटपटे सवालों के फटाफट जवाब :

आलिया से लूंगी तीन चीजें

वो कौन सी चीजें हैं, जिनके बिना अपने दिन की शुरुआत अच्छी नहीं मानती हैं ?
मेडिटेशन, अपने परिवार को गले लगाना और अपने डाग को प्यार करना।

आपकी पहली तनख्वाह क्या थी और उसे कैसे खर्च किया था ?
ईमानदारी से कहूं तो कुछ सटीक याद नहीं है। पहली बार एक फोटो शूट कराया था, जिसकी कोई फीस नहीं ली थी। उसके बदले फोटोग्राफर से कहा था कि हमें कुछ फोटो खींच कर दे दें।

इंटरनेट पर शापिंग करना कितना पसंद है ?
बहुत अधिक। कई बार मुझे लगता है कि ई कामर्स एप्स के इस्तेमाल की समय सीमा तय कर देनी चाहिए। मैं आनलाइन शापिंग बहुत करती हूं। वहां पर मुझे थोड़ा रुकना चाहिए।

फिटनेस के लिए सबसे जरूरी क्या मानती हैं ?
स्वास्थ्यवर्धक खानपान। फिटनेस की दिशा में उठाया गया ये पहला कदम है। इसके अलावा डांस, टहलना जैसी कई चीजें करती हूं।

खुशी या गम में सबसे पहले किसे काल करती हैं ?
मैं कुछ भी करूं, पापा को सबसे पहले बताती हूं। अगर कोई सलाह चाहिए तो भी उनसे ही लेती हूं। उनसे जुड़ाव का मतलब मेरे लिए स्वयं को जमीन से जोड़कर रखना है।

आपके लिए प्यार का क्या अर्थ है ?
वो आपको सही आईना दिखाए। ना कि आपको हमेशा ये कहे कि आप जो कर रहे हो वह सही है।

अगर कोई आपको प्रपोज करे तो उसमें क्या गुण देखना चाहेंगी ?
सबसे पहले जरूरी है कि वो आपकी खूबियों को समझकर बेहतर इंसान बनने के लिए प्रोत्साहित करे। हां में हां मिलाने वाली बात मुझे ठीक नहीं लगती।

अगर किसी अभिनेत्री की तीन चीजें चुराने का मौका मिले तो वे क्या होंगी ?
आलिया भट्ट की तीन चीजें। पहली, उन्हें करण जौहर और इंडस्ट्री से जो सपोर्ट मिला है। वो मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल सकता है। इसके अलावा उनकी अभिनय की क्षमता। वह बेहतरीन अभिनेत्री हैं। तीसरी चीज होगी उनकी मेहनत का जज्बा। वह बेहतरीन काम कर रही हैं।

इंडस्ट्री में आने के बाद सबसे बड़ी सीख क्या रही ?
यही कि सबसे जरूरी है कि आप जमीन से जुड़े रहें।

जिंदगी में किसी चीज का पछतावा रहा ?
कभी नहीं। मैं खुशकिस्मत हूं, जो जिंदगी मैं जी रही हूं उसके प्रति सजग रही हूं।

स्मिता श्रीवास्तव

खास मुलाकात

सात फरवरी से शुरू होगा वैलेंटाइन सप्ताह, ऐसे में प्यार की एक नई कहानी लेकर आ रहे हैं जुनैद खान और खुशी कपूर। उनकी फिल्म लवयापा सात फरवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद ने महाराज और निर्माता बोनी कपूर और अभिनेत्री श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने ओटीटी पर प्रदर्शित फिल्म द आर्चीज से अभिनय में कदम रखा था। फिल्म, प्यार, गैजेट्स की आदतों, करियर की योजनाओं और निजी जीवन को लेकर दोनों से बातचीत के अंश...

जुनैद से सवालः पीरियड फिल्म महाराज के बाद रोमांटिक फिल्म कर रहे हैं। छवि बदलना चाहते हैं ?
छवि का तो पता नहीं, बस फिल्म लोगों को पसंद आनी चाहिए। हम कलाकार हैं, पात्र जो भी डिमांड करता है, वह करते हैं। एक और फिल्म शूट की थी, जो इसके बाद आएगी। उसका जानर भी अलग है। महाराज का पात्र मेरे व्यक्तित्व के करीब था। लवयापा का पात्र अलग है। मैंने मूल तमिल फिल्म लव टुडे देखी है, जिसका यह हिंदी रीमेक है। मुझे बस यह बताया गया था कि लड़का, लड़की के पिता से शादी की बात करता है। पिता कहते हैं कि एक दिन के लिए अपना फोन बदल लो, फिर शादी कर लो। मुझे यह सिचुएशन पसंद आई।

फिल्म में संवाद है लड़कों के फोन में बहुत कुछ होता है, आप फोन लाक रखते हैं ?
मेरे फोन में काम से जुड़ी चीजें होती हैं, जैसे स्क्रिप्ट। निर्देशक स्क्रिप्ट ईमेल कर देते हैं, मैं उसे मोबाइल पर ही पढ़ता हूं। इस पर किताबें

लव और सियापा (मुसीबत) को मिलाकर लवयापा शीर्षक बनाया गया है। आपके लिए प्यार क्या है?
प्यार में जो बाधाएं होती हैं, वे स्वयं की वजह से होती हैं। आशुतोष राणा जी ने एक बहुत कमाल की बात कही थी कि प्यार के रिश्ते में आपको आंखें खोलकर आना चाहिए और फिर आंखें बंद कर लेनी चाहिए। हम उल्टा करते हैं, आंखें बंद करके रिश्ते में जाते हैं और फिर आंखें खोलते हैं। उनकी ये बात मेरे मन को भा गई।

... मुझे लगता है कि वह (आमिर) स्वयं के साथ थोड़े सख्त थे। बाकी मैं उनके जैसा हूं। मैंने काम शुरू किया ही है, ऐसे में स्वयं के साथ सख्त तो होना ही होगा।

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने कहा था ...

... खान का बेटा होने की वजह से अभिनय में राहें आसान हुईं, इसे स्वीकार करते हैं जुनैद

... प्रेम कहानी कर रहे हैं। क्या असल जीवन में इस समय प्यार के लिए जगह है ?
अभी तो प्यार नहीं, बहुत सारा काम चाहता हूं।

... बेहतरीन फिल्म बनाएंगी।

लवयापा से कैसे जुड़ीं ?
मेरे हैड और मैनेजमेंट टीम ने बताया कि एक फिल्म बनने वाली है। मैंने एक नैरेशन की थी निर्देशक और लेखकों के साथ। मैंने मूल फिल्म भी देखी थी। वह बेहतरीन फिल्म है। वाणी का पात्र मुझसे काफी अलग है तो मैं कुछ नया करना चाहती थी।

लव टुडे ओटीटी पर उपलब्ध है। डर नहीं लगा ... में?
नहीं, यह रीमेक ... हमने कुछ अ... इसमें डाली है ... फिल्म के स... फिल्म दक्षिण ... है, हम बाली... रहे हैं तो नि... संस्कृति अ... औ...

मां श्रीदेवी की फिल्में चोरी छिपे देखती थीं खुशी कपूर

लवयापा से बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं जुनैद खान व खुशी कपूर

● फिल्म टीम

लवयापा में गैजेट्स की बात है। आपको गैजेट्स की कितनी आदत है?
मेरे दोस्त मुझे दादी मां बुलाते हैं, क्योंकि मैं काफी स्लो हूं। मोबाइल फोन से जुड़ी नई चीजें समझने में वक्त लगाती हूं। फोन पर रील देखती हूं, लेकिन मीम कई बार समझ नहीं आते। जो नया टर्म आता है, वो कभी-कभी समझ नहीं आता है। मैं दोस्तों को पूछती हूं कि यह ट्रेंड क्या है।

बहुत सारी तैयारी की।

पहले दिन का शूट कैसा था ?
पहला दिन दिल्ली में शूट हुआ था, पर वहां पर मेरा कोई खास काम नहीं था। मुंबई में शूट का लोकेशन मेरे घर के काफी पास था। वो ट्रेलर में थू थू वाला सीन था। उस सीन को हमने पहली बार किया था। उसे करने में मुझे बहुत मजा आया, क्योंकि मैं असल जिंदगी में चिल्लाती नहीं हूं। इस फिल्म में मुझे बहुत चिल्लाना पड़ा है।

इस फिल्म के दौरान क्या सीख मिली ?
हर रिश्ते में विश्वास बहुत जरूरी है। रिश्तों में संवाद के साथ क्या प्राथमिकताएं और सीमाएं होनी चाहिए, ये तय करना जरूरी है।

अपना मोबाइल किसे आसानी से देंगी ?
मेरे सारे दोस्त मेरे मोबाइल फोन का पासवर्ड जानते हैं। इतना कुछ सीक्रेट नहीं है मेरे फोन में। मैं अपने दोस्तों को या दीदी को दे दूंगी आसानी से अपना मोबाइल फोन।

स्मिता श्रीवास्तव/ प्रियंका सिंह

दिल से

कहीं बंधकर नहीं रह सकती

● जागरण आर्काइव

फिल्म स्वीट ड्रीम्स में नजर आईं मिथिला पालकर साझा कर रही हैं अपने सपने...

कलाकार बनने का सपना अगर देखा हो, वह सच हो जाए और मनमुताबिक रोल करने का मौका मिले तो इससे बेहतर एक कलाकार के लिए क्या हो सकता है। हाल ही में डिज्नी प्लस हाटस्टार की फिल्म स्वीट ड्रीम्स में नजर आईं अभिनेत्री मिथिला पालकर कहती हैं कि सोते समय देखे गए सपने मुझे याद नहीं रहते। हां, जागती आंखों से देखा सपना मैं जी रही हूं। कलाकार बनकर अपनी कला दुनिया को दिखाना चाहती थी, जो मैं कर पा रही हूं। उसके अलावा जब आप बड़े हो रहे होते हैं तो सपना देखते हैं कि मेरे पास अपना घर, गाड़ी सब कुछ होगा, वह भी पूरा कर लिया है, लेकिन अगर यह पूछा जाए कि पांच साल बाद क्या करना है तो मैं इतनी योजनाएं नहीं बनाती। मैं खुश हूं कि वो काम कर रही हूं, जिसे करने में मजा आ रहा है। हमेशा से तय था कि नौ से पांच की नौकरी नहीं करनी है। मैं बेचैन किस्म की इंसान हूं, कहीं बंधकर नहीं रह सकती हूं।

पिछले कुछ वर्ष में जो प्रोजेक्ट मिथिला ने शूट किए हैं, वो इस वर्ष प्रदर्शन की कतार में हैं। जल्द ही उनकी फिल्म साले आशिक भी प्रदर्शित होगी। समय के साथ अभिनय बेहतर होता है। ऐसे में अपने पिछले कामों को देखकर क्या मिथिला कभी स्वयं की समीक्षा करती हैं? वह कहती हैं कि हां, मेरे साथ ऐसा होता है। किसी कलाकार को अगर ऐसा ना लगे तो समझिए कुछ दिक्कत है। आप हर दिन कुछ नया सीखते हैं। हर दिन एक बेहतर कलाकार बनने की प्रक्रिया में होते हैं।

प्रियंका सिंह

म्यूजिक कार्नर

भीतर एक डर होना जरूरी

अपनी गजलों का एल्बम लाने की तैयारी में हैं गायक तलत अजीज

सुरों व अभिनय को साधकर जब गजल गायक स्टेज पर उतरते हैं तो एक समां बंध जाता है। प्रख्यात गजल गायिका बेगम अख्तर की याद में तलत अम्मी... अख्तरी नाटक करते हैं, जिसमें वह बेगम अख्तर की गजलों को गाते हैं। तलत कहते हैं कि बेगम अख्तर की गजलों को गाने के लिए उनका अंदाज समझना पड़ता है। मुझे बुरा लगता है, जब लोग कहते हैं कि बेगम अख्तर का नाम सुना है, लेकिन ज्यादा जानते नहीं हैं। मैं नई पीढ़ी को उनसे परिचित करा रहा हूं। मेरे उस्ताद मेहदी हसन साहब रहे हैं। उन्होंने मुझे प्यार से सिखाया है कि सुर कैसे लगाना चाहिए। फनकार की दौलत, विरासत, उसका काम है। मैंने दिग्गजों को देखकर सीखा है। एक किस्सा सुनाता हूं, गायक मन्ना डे हवाई जहाज से कोलकाता से मुंबई जा रहे थे। एयरपोर्ट पर मुलाकात के दौरान मैंने उन्हें बताया कि आपके गाने सुनकर मैंने सीखा है। जब मैं छोटा था और घर में गाया करता था तो पिताजी मेरे लिए आपके म्यूजिक रिकार्ड और प्लेयर लेकर आए थे। उस पर गाना बजा पूछो ना कैसे मैंने... वो गाना प्ले होने के बाद वह मुझसे बोले कि जिस दिन तुम इस तरह गाओगे, मैं मानूंगा कि तुम गा सकते हो। मन्ना डे मुस्कुरा दिए। उसके बाद मैंने मन्ना डे साहब को मुंबई में घर तक छोड़ा।

44 साल के करियर का मंत्र क्या है? तलत कहते हैं कि सुर समझना कठिन है। भीतर एक डर होना जरूरी है। अब भी मेरे भीतर डर होता है कि बस सच्चा सुर लग जाए। वर्ष 1981 में मेरा पहला एलबम आया था, तब से लगातार गा रहा हूं और रियाज कर रहा हूं। तलत वर्ष 2014 में रिकार्ड हुई अपनी गजलें भी संगीत प्रेमियों तक पहुंचाने की तैयारी में हैं। वह कहते हैं कि वे गजलें कब से मेरे पास रखी हुई थीं। सोचा उन्हें अब जारी करता हूं। अपने आपको कैसे निखारना है, उसी की खोज में रहता हूं।

प्रियंका सिंह

यह पेज कैसा लगा। कृपया अपनी राय से अवगत कराएं
feature@jagran.com

आज का भविष्यफल : 31 जनवरी, 2025 शुक्रवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति :
माघ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया।
आज का राहुकाल :
प्रातः 10:30 से 12 बजे तक।
आज का दिशाशूल :
पश्चिम
विशेष :
पंचक

कल 01 फरवरी, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : पूर्व
विशेष : पंचक
कल की भद्रा : रात्रि 03:27 बजे से 02 फरवरी को प्रातः 09:15 बजे तक।
कल का पर्व एवं त्योहार : गौरी तृतीया, गणेश चतुर्थी व्रत
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष की तृतीया तत्पश्चात चतुर्थी पूर्वभाद्रपद नक्षत्र तत्पश्चात उत्तरभाद्रपद नक्षत्र तत्पश्चात शिव योग कुंभ में चंद्रमा।

मेष : धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। उपहार या सम्मान भी मिल सकता है। घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा।

वृष : मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मिथुन : धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

कर्क : रिश्तों में निकटता आएगी। सम्मान में वृद्धि होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मसम्मान बढ़ेगा।

सिंह : बुद्धि से किया कार्य संपन्न होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या : आर्थिक प्रगति होगी, लेकिन कर्मक्षेत्र में व्यवधान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

तुला : व्यर्थ की परेशानी मिल सकती है। भावुकता पर नियंत्रण रखें। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक : धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी, लेकिन किसी रिश्तेदार या पारिवारिक सदस्य से तनाव मिल सकता है।

धनु : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।

मकर : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ : भावुकता पर नियंत्रण रखें। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मीन : संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रिश्तों में तनाव आ सकता है।

वर्ग पहेली-2884

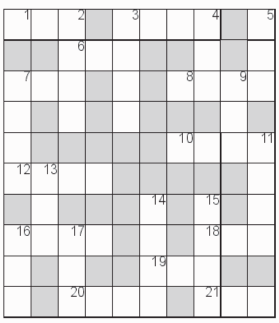

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. ध्वनि, बोल, पुकार (3)।
3. दरार पड़ना (4)।
6. शपथ, सौगंध (3)।
7. पकड़ने की क्रिया (3)।
8. बोलने में अटकना (4)।
10. उमड़ कर बाहर गिरना (4)।
12. भेंट, उपहार (4)।
16. झंडा (4),
18. विष, हलाहल (3)।
19. रात (3)।
20. मना करना (4)।
21. देह, तन (3)।

ऊपर से नीचे
2. कसकर पकड़ना (4)।
3. जगमगाना, प्रकाश देना (4)।
4. नाव खेने वाला (3)।
5. व्यर्थ बहा देना, टालमटोल करना (3)।
7. वस्तु के गुण-दोष समझने की शक्ति (4)।
9. योग्य (3)।
11. नाके पर तैनात सिपाही (4)।
13. अधिक प्रबल (3)।
14. आ पहुंचना (4)।
15. चंद्रमा (4)।
16. रखवाली (3)।
17. छोटा बगीचा, फुलवारी (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2884

7				2				9
	5		4		9		7	
				6		5		
	3		2				1	8
		1		3	4			
	2		8				4	7
5			3			4		2
	8				6		5	
3				4				1

कल का हल

9	3	5	4	8	7	2	6	1
8	2	1	6	9	3	4	7	5
6	7	4	5	2	1	3	9	8
1	4	9	3	6	5	8	2	7
2	5	8	7	4	9	1	3	6
7	6	3	2	1	8	5	4	9
4	8	2	1	7	6	9	5	3
5	1	7	9	3	4	6	8	2
3	9	6	8	5	2	7	1	4

राष्ट्रीय फलक

एमपीसीजी परीक्षा का पेपर 40 लाख रुपये में लीक कराने की पेशकश

पुणे, प्रेट्र: महाराष्ट्र में एमपीएससी परीक्षा का पेपर 40 लाख रुपये में लीक कराने की पेशकश का मामला सामने आया है। पुणे पुलिस इस संबंध में इंटरनेट मीडिया में प्रसारित फोन काल रिकार्डिंग की जांच कर रही है। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने कहा है कि सभी प्रश्न पत्र सेट उसके पास सुरक्षित हैं। उम्मीदवार अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित रखें। विचलित न हों।

एमपीएससी द्वारा आयोजित ग्रुप बी संयुक्त परीक्षा 2024 रविवार दो फरवरी को आयोजित की जाएगी। कथित फोन रिकार्डिंग में एक व्यक्ति 35-40 लाख रुपये में उम्मीदवार को परीक्षा से एक दिन पहले प्रश्न पत्र मुहैया कराने की पेशकश करता है। इस संबंध में एमपीएससी ने कहा, प्रसारित आडियो क्लिप के बारे में जानने के बाद उसने जांच के लिए पुलिस से संपर्क किया। पुलिस उपायुक्त निखिल पिंगले ने कहा कि एमपीएससी ने हमसे संपर्क किया है और हम कथित फोन काल रिकार्डिंग की जांच कर रहे हैं।

मुख्तार के खिलाफ बेनामी संपत्ति मामले में कुर्की आदेश बरकरार

- आयकर विभाग ने 1.05 करोड़ की संपत्ति मामले में जारी किया था आदेश
- अंसारी की पत्नी व गिरोह के सदस्य को बताया गया संपत्ति का लाभार्थी

नई दिल्ली, प्रेट्र : गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के खिलाफ बेनामी संपत्ति मामले में आयकर विभाग द्वारा जारी कुर्की आदेश को निर्णायक प्राधिकरण ने बरकरार रखा है। अंसारी की मार्च 2024 में बांदा के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। लखनऊ के डालीबाग इलाके में स्थित 3,234 वर्ग फुट की इस संपत्ति की कीमत 1.05 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसे दिसंबर 2023 में बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध (पीबीपीटी) अधिनियम के तहत आयकर विभाग की लखनऊ बेनामी निषेध इकाई (बीपीयू) ने अस्थायी रूप से कुर्क किया था।

बेनामी संपत्ति रोधी कानून संबंधी निर्णायक प्राधिकरण ने आयकर विभाग के आदेश को सही ठहराते हुए जांच अधिकारी की उस रिपोर्ट से सहमति जताई है, जिसमें गाजीपुर की महिला तनवीर सहर को संपत्ति की बेनामीदार और मुख्तार की पत्नी अफशां अंसारी एवं उसके गिरोह के सदस्य गणेश दत्त मिश्रा को हितधारक बताया गया है। सहर को अंसारी परिवार की सहयोगी बताया गया है। प्राधिकरण ने सहर द्वारा बचाव में दी गई दलीलों को अस्वीकार कर दिया। बेनामी संपत्तियां वे होती हैं जिनका वास्तविक लाभार्थी वह व्यक्ति नहीं होता जिसके नाम पर संपत्ति खरीदी गई हो। मुख्तार मऊ सदर सीट से पांच बार विधायक रह चुका था और 2005 से उप्र एवं पंजाब की जेलों में बंद था। उसके खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले लंबित थे। उत्तर प्रदेश की विभिन्न अदालतों ने सितंबर 2022 से उसे आठ मामलों में सजा सुनाई। प्राधिकरण ने 24 जनवरी को जारी अपने आदेश में कहा कि संपत्ति से संबंधित लेन-देन कई आधार पर बेनामी पाए गए।

कराटे खिलाड़ी से दुष्कर्म के दोषी आइटीबीपी के जवान को 10 वर्ष की जेल

जासं, देहरादूनः अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज तोमर की अदालत (पोक्सो) ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की सेंट्रल कराटे टीम की महिला खिलाड़ी से दुष्कर्म मामले में आइटीबीपी के ही जवान को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष जेल की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है, जिसमें से 40 हजार पीड़िता को प्रतिकर के रूप में देने के आदेश भी दिए गए हैं। दोषी भी कराटे खिलाड़ी था। महिला सिपाही ने नौ दिसंबर 2021 को मसूरी कोतवाली में दुष्कर्म की तहरीर दी थी। बताया कि वह मसूरी में तैनात जवान मोहन सिंह दानू से परिचित थी। एक अन्य जवान अनिल राणा जबरन दोस्ती का प्रयास कर रहा था, जिससे पीछा छुड़ाने को उसने मोहन से मदद मांगी। वह पांच दिसंबर को मोहन से मिलने मसूरी पहुंची। इसी दौरान वर्षा शुरू हो गई, जिस कारण उसे मोहन के कमरे पर ही रुकना पड़ा, जहां मोहन ने चाकू के बल पर दुष्कर्म किया था।

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ सीधे हाई कोर्ट जाने पर सीबीआइ को नोटिस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- आरजी कर अस्पताल का वित्तीय भ्रष्टाचार मामला, सीबीआइ को लिखित में जवाब देने को कहा

कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ सीधे हाई कोर्ट जाने पर ट्रायल कोर्ट ने सीबीआइ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दरअसल सीबीआइ को आरजी कर मेडिकल कालेज के भ्रष्टाचार मामले में संदीप घोष के खिलाफ मामला चलाने की राज्य सरकार से मंजूरी मिल गई है, लेकिन ट्रायल कोर्ट को इसकी जानकारी नहीं दी गई। जांच एजेंसी ने पहले ही कलकत्ता हाई कोर्ट को इस मंजूरी के बारे में सूचित कर दिया। इसीलिए अलीपुर कोर्ट इस बात से नाराज है। उसने सीबीआइ को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान सीबीआइ ने कहा कि 27 जनवरी की शाम को मंजूरी मिली थी। जांच की जा रही थी इसीलिए अलीपुर अदालत को सूचित नहीं किया गया। इससे पहले अलीपुर स्थित विशेष सीबीआइ अदालत के न्यायाधीश ने भी सीबीआइ वकील को फटकार लगाई थी। कहा था कि मंजूरी के लिए आरोप तय करने प्रक्रिया रुकी हुई है इसलिए इसकी सूचना ट्रायल कोर्ट को पहले ही दी जानी चाहिए थी। सीबीआइ ने आरजी कर वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में 29 नवंबर को अलीपुर अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। उसमें अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम है। चूंकि वह राज्य सरकार का कर्मचारी हैं इसलिए उनके खिलाफ आरोप तय करने को सरकार की मंजूरी की आवश्यकता थी। इसी सप्ताह सोमवार को राज्य की मंजूरी प्राप्त हुई है। सीबीआइ ने मंगलवार को हाई कोर्ट को यह जानकारी दी थी। इसके बाद कोर्ट ने संदीप के खिलाफ सात दिनों के भीतर आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था।

केरल के मंदिरों में 'शर्ट उतारने की प्रथा' पर कोई निर्णय नहीं

कोट्टायम, प्रेट्र: केरल के मंत्री वीएन वासवन ने गुरुवार को कहा कि देवस्वोम बोर्ड ने पुरुष भक्तों को मंदिरों के अंदर शर्ट पहनने से रोकने की परंपरा के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। मंदिर के रीति-रिवाज तंत्रियों और संबंधित मंदिर समितियों द्वारा तय किए जाते हैं। ज्ञात हो, शिवगिरी मठ के अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद के बयान से इस विवाद की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा था कि 'मंदिरों को अब उन प्रथाओं को छोड़ देना चाहिए, जिसमें पुरुषों को शर्ट पहनकर मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी स्वामी सच्चिदानंद के रुख का स्वागत करते हुए कहा था कि बदलते समय के अनुसार ऐसी प्रथाओं से बचा जा सकता है। हालांकि कई हिंदू संगठनों ने इसे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया। एनएसएस महासचिव जी सुकुमारन नायर ने कहा, सरकार को मंदिरों में रीति-रिवाजों व प्रथाओं में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

****

अल्वान ग्राहम क्लार्क ने सफेद बौने तारे सीरियस बी की खोज की

1862 में आज ही के दिन अमेरिकी खगोलशास्त्री अल्वान ग्राहम क्लार्क ने सफेद बौने तारे सीरियस बी की खोज की थी। मैसाचुसेट्स में अपने 18.5 इंच के रेफ्रेक्टर टेलीस्कोप का परीक्षण करने के दौरान उन्होंने यह खोज की थी। सीरियस बी पृथ्वी से छोटा है। इसका व्यास 11,650 किमी है।

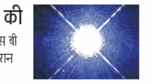

अमेरिका ने हाइड्रोजन बम बनाने की योजना को सार्वजनिक किया

1950 में आज ही अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस ट्रूमैन ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि अमेरिका हाइड्रोजन बम बनाएगा। 1952 में अमेरिका ने जापान पर गिराए गए परमाणु बमों की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक शक्तिशाली हाइड्रोजन बम माइक का परीक्षण किया।

परमवीर चक्र पाने वाले प्रथम व्यक्ति मेजर सोमनाथ शर्मा

मेजर सोमनाथ शर्मा का जन्म 1923 में आज ही के दिन हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में हुआ था। 22 फरवरी, 1942 को 19वीं हैदराबाद रेजिमेंट के 8वीं बटालियन (बाद में चौथी बटालियन, कुमाऊं रेजिमेंट) में नियुक्त हुए। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपना पराक्रम दिखाकर एक विशिष्ट सैनिक के रूप में पहचाने जाने लगे। 1947 के भारत-पाक युद्ध के दौरान तीन नवंबर को श्रीनगर से पाकिस्तानी घुसपैठियों को बेदखल करते समय वीरगति को प्राप्त हो गए। 21 जून, 1950 को उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

जागरण विशेष

प्रोटीन संरचना का खुला राज, अब संभव होगा घातक रोगों का उपचार

आइआइटी कानपुर के विज्ञानियों को मिली बड़ी सफलता, अमीनो एसिड की प्रकृति और व्यवहार की हुई पहचान

अखिलेश तिवारी • जागरण

कानपुर : मानव शरीर में प्रोटीन के रूप, आकार और संरचना का निर्धारण करने वाले अमीनो एसिड की अंतःक्रिया से होने वाली गड़बड़ियों को रोकने की राह अब खुल गई। आइआइटी कानपुर में प्रोटीन संरचनाओं में सेरीन और थ्रेओनीन नामक अमीनो एसिड की पहचान की गई है जो दूसरे अमीनो एसिड से मिलने पर हाइड्रोजन बांड का निर्माण करके प्रोटीन संरचना को स्थिरता देते हैं। इससे कैंसर रोग, अल्जाइमर, पार्किंसन में अमीनो एसिड के जुड़ाव को नियंत्रित कर रोग का उपचार किया जा सकेगा।

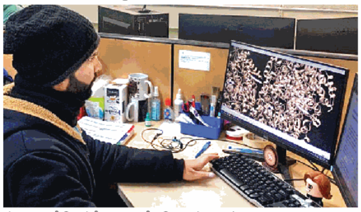

शोध छात्र पृथ्वी सिंह प्रोटीन संरचना की जटिलता को सुलझाते हुए • जागरण

कैंसर, अल्जामइर जैसी बीमारियों से भी है प्रोटीन का रिश्ता

आइआइटी कानपुर के जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग में प्रोफेसर आर. शंकर रामकृष्णन और उनके पीएचडी छात्र पृथ्वी सिंह ने प्रोटीन डाटा बैंक में जमा प्रोटीन संरचनाओं का अध्ययन किया है। शोध में पाया कि सेरीन और थ्रेओनीन, जो प्रोटीन में प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले अमीनो एसिड में से एक हैं। यह दूसरे अमीनो एसिड के स्व-संपर्क से हाइड्रोजन बांड का निर्माण करते हैं। प्रोटीन संरचना स्थिर करने में वो अहम भूमिका निभाते हैं। सिस्टीन नामक समान अमीनो एसिड भी इस तरह का जुड़ाव बनाता है, लेकिन उसकी ताकत कम होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसमें आक्सीजन की जगह सल्फर होता है। अमीनो एसिड के जुड़ने के तरीके से ही कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों का रिश्ता भी है। इस शोध कार्य से अब गंभीर बीमारियों के राज खुल सकेंगे और रोगों के उपचार की नई राह भी मिलेगी। भविष्य में अमीनो एसिड के जुड़ाव को नियंत्रित करना भी संभव हो सकेगा।

आइआइटी प्रोफेसर शंकर रामकृष्णन • जागरण

मानव शरीर में प्रोटीन अहम अणुओं में एक हैं। वे सूक्ष्म मशीनों की तरह काम करते हैं जो बात करना, सुनना, स्वाद लेने आदि कार्यों में भूमिका निभाते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए उनका सही ढंग से काम करना जरूरी है। जैसे मशीनें छोटे-छोटे हिस्सों से बनती हैं, वैसे प्रोटीन अमीनो एसिड से बनते हैं। 20 अलग-अलग प्रकार के अमीनो एसिड होते हैं और वे प्रोटीन के रूप, आकार और संरचना को निर्धारित करते हैं। उनमें थोड़ी भी गड़बड़ी घातक बीमारियों का सबब बनती है। सिकल सेल एनीमिया उसका उदाहरण है। अफ्रीका में प्रचलित घातक बीमारी सिकल सेल एनीमिया की वजह प्रोटीन हीमोग्लोबिन में सिर्फ एक अमीनो एसिड के दूसरे में उत्परिवर्तन ही है। इस तरह का छोटा बदलाव भी शरीर में बड़ा प्रभाव पैदा कर सकता है, क्योंकि अमीनो एसिड के एक-दूसरे से जुड़ने का तरीका बदल जाता है, जिससे इसका समग्र आकार और कार्य बदल जाता है। ऐसे ही अमीनो एसिड जुड़ाव को हाइड्रोजन बांड कहा जाता है।

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में हुआ प्रकाशित: आइआइटी का यह शोध कार्य हाल ही में प्रोटीन साइंस नामक एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। प्रो. शंकर रामकृष्णन ने बताया कि प्रोटीन कैसे अपना आकार लेते हैं और कैसे काम करते हैं, इस बारे में हमारी समझ अब इस शोध से बेहतर होगी। इसके कारण विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार की दिशा में अब और भी तेजी से काम किया जा सकेगा।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

एआइ आधारित मशीन से 10 मिनट में मिल जाएगी खून की जांच रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: खून की जांच रिपोर्ट आने में लगने वाला घंटों का समय अब बच सकेगा। जांच करने के बाद 10 मिनट में रिपोर्ट दी जा सकेगी। एम्स स्कूल आफ बायो डिजाइन ने एआइ आधारित डिवाइस तैयार की है। गुरुवार को एम्स में चौथे शोध दिवस के मौके पर डिवाइस संबंधित जानकारी और शोध को साझा किया गया।

डिवाइस करीब छह महीने बाद बाजार में आ जाएगी। इसे तैयार करने में न्यूरोनिक्स लैब ने एम्स का सहयोग किया है। इसमें शामिल एम्स के डा. तुषार सहगल ने बताया कि इसका बड़ा लाभ यह है कि इससे दो बूंद खून से जांच की जा सकेगी। एआइ आधारित पेरीफेरल ब्लड फिल्म एनालिसिस व सीबीसी रिपोर्टिंग डिवाइस के जरिए ग्लूकोमीटर से जैसे खून निकलता है, उतना ही निकाला जाएगा।

इधर-उधर की

मैराथन में रोबोटों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे धावक

बीजिंग, एजेंसी: चीन की राजधानी बीजिंग एक दिलचस्प हाफ-मैराथन की मेजबानी करेगा जिसमें हजारों धावक रोबोटिक्स कंपनियों द्वारा विकसित ह्यूमनाइड रोबोटों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। अप्रैल में बीजिंग इकोनोमिक टेक्नोलोजिकल डेवलपमेंट एरिया (ई-टाउन) मैराथन का आयोजन करेगा। टेस्ला, बोस्टन डायनेमिक्स और 1एक्स सहित प्रमुख रोबोटिक्स कंपनियों द्वारा विकसित दर्जनों रोबोटों के साथ 12,000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। ह्यूमनाइड रोबोट की लंबाई 0.5 से दो मीटर के बीच होनी चाहिए। वहीं निर्माता दौड़ के दौरान रोबोट की बैट्री भी बदल सकते हैं। विजेता, चाहे वे इंसान हों या रोबोट, को उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार राशि दी जाएगी।

दर्जनों रोबोटों के साथ दौड़ेंगे 12,000 धावक। इंटरनेट मीडिया

क्षुद्रग्रह के नमूनों में जीवन की उत्पत्ति का राज

नासा को नमूनों में जीवन के लिए प्राचीन निर्माण खंड और प्राचीन जलीय दुनिया के नमकीन अवशेष मिले

इसमें डीएनए व आरएनए के पांच न्यूक्लियोबेसेस, प्रोटीन में पाए जाने वाले 20 अमीनो एसिड में से 14 मौजूद है

केप कैनावेरल, एपी : अमेरिकी एजेंसी नासा का ओसिरिस-रेक्स अंतरिक्ष यान पृथ्वी के पास मौजूद उल्कापिंड बेन्नू से मिले 122 ग्राम की धूल और पत्थर के टुकड़ों के अध्ययन से पृथ्वी पर ऐसे ही किसी उल्कापिंड से जीवन के तत्व मिलने के सुबूत मिले हैं। विज्ञानियों का कहना है कि अंतरिक्ष से मिले बेन्नू नाम के उल्कापिंड से लाए गए इन अवशेषों से पुख्ता साक्ष्य इससे पहले कभी नहीं मिले थे। नासा द्वारा लाए गए क्षुद्रग्रहों के नमूनों में न केवल जीवन के लिए प्राचीन निर्माण खंड हैं, बल्कि प्राचीन जलीय दुनिया के नमकीन अवशेष भी हैं।

क्षुद्रग्रह से मिले जीवन के तत्व : 24 सितंबर 2023 को बेन्नू उल्कापिंड से लौटे नासा के ओसाइरिस-रेक्स यान के नमूनों से पता चला है कि उस क्षुद्रग्रह पर जीवन के तत्व मौजूद है। उसके अलावा बहुत ज्यादा मात्रा में कार्बन और पानी मौजूद है। इसमें डीएनए और आरएनए के पांच न्यूक्लियोबेसेस और प्रोटीन में पाए जाने वाले 20 अमीनो एसिड में से 14 मौजूद है। तो क्या पृथ्वी पर मौजूद जितने भी जीव है, वह एलियन है? और क्या वह उल्कापिंड से आए है? स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूट के प्रमुख शोधकर्ताओं में से एक टिम मैक्काय ने बताया कि उल्कापिंड बेन्नू के पत्थरों और धूल में जीवन के लिए जरूरी सभी तत्व मिले हैं जिसमें पर्याप्त मात्रा में सोडियम युक्त खनिज, अमिनो एसिड, अमोनिया के रूप में नाइट्रोजन और यहां तक कि जेनेटिक कोड के भी कुछ हिस्से मिले हैं। बेन्नूमें कुछ ऐसे सूक्ष्म लवण (साल्ट) मिले हैं जिनके जैसे तत्व अमेरिकी राज्य कैलीफोर्निया के रेगिस्तान की सूखी झील की तलहटी और अफ्रीकी रेगिस्तान सहारा में पाए जा सकते हैं।

प्रतीकात्मक

1650 फीट चौड़े क्षुद्रग्रह से आया था नमूना : नासा के सैंपल रिटर्न मिशन में पता चला कि जो मिट्टी और धूल का सैंपल लेकर ओसाइरिस-रेक्स यान आया था, वह दुनिया के लिए बहुत काम का है। नासा के इस यान ने 1650 फीट चौड़े क्षुद्रग्रह का सैंपल लेकर धरती पर भेजा। जांच करने के बाद नासा ने कहा कि इस सैंपल की पहली रिपोर्ट जांच सामने आ चुकी है। नासा ने बताया कि यही उल्कापिंड 159 साल बाद धरती से टकराएगा। यह रिपोर्ट नेचर एस्ट्रोनामी में प्रकाशित हुई। इस रिसर्च में नासा के एस्ट्रोबायोलाजिस्ट डेनियल जेल्विन ने कहा कि हमें जो परिणाम मिले हैं, वह बेहद हैरान करने वाले हैं। यह नमूने जिंदगी को खड़ा करने वाले बेसिक तत्वों को संजोए हुए हैं। इसका मतलब है कि पूरे उल्कापिंड पर न जाने जीवन का कितना बड़ा भंडार मौजूद होगा।

नासा ने यह सैंपल इसलिए मंगाया था कि ताकि पता चले कि वो उल्कापिंड कितना मजबूत है, ताकि यह अंदाजा लगाया जा सके कि उसे मिसाइल से अंतरिक्ष में उड़ाया जा सकता है या दिशा बदली जा सकती है. लेकिन इस खोज ने चौंकाने वाले नतीजे दिए। यह अमेरिका का पहला मिशन है, जिसे उल्कापिंड का नमूने लाने के लिए भेजा गया था।

वातावरण को साफ रखने में मददगार हैं माइक्रोब्स

अनुसंधान

एक शोध में सामने आया है कि माइक्रोब्स वातावरण को शुद्ध रखने में सहायक होते हैं। पृथ्वी पर माइक्रोब्स (सूक्ष्म जीवों) की एक अरब से अधिक प्रजातियां हैं। यह पानी, मिट्टी और हवा में मौजूद हैं। मानव शरीर भी इनका घर है। यह इतने छोटे होते हैं कि बिना माइक्रोस्कोप के देखे नहीं जा सकते। इसका सबसे आम उदाहरण बैक्टीरिया, वायरस और कवक हैं।

मेलबर्न के शोधकर्ताओं ने कहा है कि ये माइक्रोब्स भारी मात्रा में कार्बन मोनोआक्साइड (सीओ) को अवशोषित करते हैं और इस घातक गैस के स्तर को कम करने में सहायता करते हैं। हर साल वैश्विक स्तर पर दो अरब टन से अधिक कार्बन मोनोआक्साइड वायुमंडल में छोड़ा जाता है। माइक्रोब्स इसमें से लगभग 250 मिलियन टन का उपभोग करते हैं। यह अध्ययन नेचर केमिकल बायोलाजी में प्रकाशित किया गया है। बताया गया है कि यह सूक्ष्मजीव वायुमंडल में जहरीली गैस से ऊर्जा हासिल करने के लिए कार्बन मोनोआक्साइड डिहाइड्रोजनेज नामक एंजाइम का उपयोग करते हैं। शोधकर्ता एशले क्राप ने कहा कि पता चला है कि कैसे ये सूक्ष्म जीव ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये अस्तित्व के लिए सीओ का उपयोग करते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में अनजाने में वे मदद कर रहे हैं। खोज का सीओटू के उत्सर्जन से निपटने के लिए उपयोग किए जाने की संभावना नहीं है, लेकिन यह हमारी समझ को गहरा करता है कि वातावरण को कैसे नियंत्रित किया जाता है। (एएनआइ)

स्क्रीन शाट

जन्मदिन प्रियदर्शन का, रिटर्न गिफ्ट अक्षय को

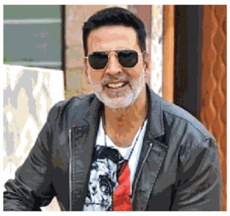

हेरा फेरी 3 में फिर राजू की भूमिका में लौटेंगे अक्षय। फाइल

जन्मदिन हो किसी और का और तोहफा आपको मिल जाए, तो यकीनन अच्छा तो लगता ही है। ऐसा ही कुछ हुआ है अभिनेता अक्षय कुमार के साथ। रिटर्न गिफ्ट पाने की खुशी को अक्षय ने एक्स पर बयां भी किया। दरअसल, अक्षय को रिटर्न गिफ्ट दिया है निर्देशक प्रियदर्शन ने। गुरुवार को प्रियदर्शन के 68वें जन्मदिन पर अक्षय ने उन्हें शुभकामनाएं दी और उन्हें मार्गदर्शक बताया। इस पर प्रियदर्शन ने हेरा फेरी 3 फिल्म का रिटर्न गिफ्ट दे दिया। प्रियदर्शन ने लिखा, 'धन्यवाद अक्षय। इसके बदले मैं आपको रिटर्न गिफ्ट देता हूं। मैं हेरा फेरी 3 करने के लिए तैयार हूं। क्या आप तैयार हैं?' इस पर अक्षय ने मजेदार जवाब देते हुए फिल्म वेलकम का एक मीम साझा किया, जिसमें वह मिराकल (चमत्कार) मिराकल चिल्लाते हैं। अक्षय ने लिखा, 'सर, आपका जन्मदिन है और मुझे जीवन का सबसे अच्छा गिफ्ट मिल गया है। चलो करते हैं फिर थोड़ी हेरा फेरी।' 2000 में रिलीज हुई फिल्म हेरा फेरी का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। हालांकि 2006 में सीक्वल फिर हेरा फेरी के निर्देशन की जिम्मेदारी हेरा फेरी का स्क्रीनप्ले और संवाद लिखने वाले लेखक और अभिनेता नीरज वोरा को दी गई थी। अब प्रियदर्शन के खुद इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी लेने की बात कहकर इस बात पर मुहर लगा दी है कि आखिरकार यह फिल्म बन रही है।

विक्रांत मेस्सी ने माना, अब अच्छी खासी बढ़ गई है उनकी फीस

साल 2023 में प्रदर्शित फिल्म ट्वेल्थ फेल के बाद अभिनेता विक्रांत मेस्सी की लोकप्रियता में खूब बढ़त देखी गई। उसके बाद बतौर लीड उनकी फिल्में सेक्टर 36 और द साबरमती रिपोर्ट भी प्रदर्शित हुई। द साबरमती रिपोर्ट प्रदर्शित होने के बाद विक्रांत ने घोषित प्रोजेक्ट्स की शूटिंग पूरी करने के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाने की घोषणा की थी। इसके बावजूद विक्रांत मानते हैं कि अब उनकी फीस अच्छी खासी बढ़ गई हैं। विक्रांत कहते हैं, 'फीस तो मेरी अच्छी-खासी बढ़ गई है। जब आपकी फिल्म से तरक्की के साथ-साथ फिल्म से जुड़े हर इंसान की तरक्की हो, आपके निर्माता का नुकसान न हो। जब अपने काम से आप लोगों का विश्वास जीतते हैं, तो वो सही समय होता है फीस बढ़ाने का।' वहीं विक्रांत कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री सिनेमा के मामले में पूरी दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म इंडस्ट्री हैं। सारी भाषाओं को मिलाकर औसतन हम लगभग हर साल 2000 फिल्में बनाते हैं। मुझे नहीं लगता है कि लोग आपको आपकी फिल्म के हिसाब से वर्गीकृत करते हैं। ये काम बाहर के लोग करते हैं। जैसे बाहर के लोगों को एक समय पर लगता था कि बालीवुड में सिर्फ वंशवाद है।

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में नजर आएंगे विक्रांत

प्रकाश झा के निर्देशन में काम कर सकते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

पिछले दिनों फिल्मकार प्रकाश झा ने बताया था कि वह अपनी फिल्म राजनीति (2010) का दूसरा भाग लाना चाहते हैं। उन्होंने कहानी भी लिख ली थी, लेकिन फिल्म का नाम राजनीति 2 नहीं, बल्कि राजधर्म रखा था। हालांकि उस फिल्म को लेकर बात आगे नहीं बढ़ी थी। अब खबरें हैं कि प्रकाश बड़े पर्दे के लिए फिर से फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इस बार भी उन्होंने अपने पसंदीदा विषय राजनीति को ही चुना है। उनसे जुड़े सूत्रों के अनुसार वेब सीरीज आश्रम फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद, प्रकाश बड़े पर्दे की ओर लौट रहे हैं। वह लार्जर दैन लाइफ राजनीतिक ड्रामा फिल्म पर काम शुरू कर रहे हैं, जिसे लेकर उनकी बातचीत अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी से हो रही है। प्रकाश एक ऐसे अभिनेता की तलाश में थे, जिसमें अभिनय करने की भूख ह। फिल्म बिहार की राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। वहां की वास्तविक घटनाओं से प्रेरित होगी। एक बार जब सिद्धांत और प्रकाश के बीच फिल्म को लेकर सारे बातें पक्की हो जाएंगी, तो सिद्धांत को वर्कशाप से गुजरना होगा, ताकि वह बाडी लैंग्वेज और उच्चारण पर काम कर पाएं।

फिर राजनीति पर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं प्रकाश।

हर अच्छे-बुरे मौके पर इन्हें फोन करती हैं श्रेया चौधरी

डिजिटल प्लेटफार्म पर लगातार काम कर रही हैं श्रेया। @shreya_chaudhry

आसपास ऐसे भरोसेमंद लोग और दोस्त होने चाहिए, जिनके साथ आप हर सुख-दुख बांट सकें, उन्हें अपनी मन की बातें बता सकें या सलाह ले सकें। अक्सर यह काम दोस्तों का होता है, जिनके साथ हर तरह की बातें कर लेना आसान होता है। हालांकि बंदिश बैंडिट्स वेब सीरीज की अभिनेत्री श्रेया चौधरी के लिए इस दुनिया में उनके सबसे करीब उनके माता-पिता हैं। श्रेया कहती हैं कि बेहद जरूरी होता है कि माता-पिता बच्चे के करीब रहें। मुझे तो बचपन से ही मम्मी-पापा ने समझा दिया था कि हमसे कोई बात छुपानी नहीं है। किसी दिक्कत में फंसो, फिर चाहे वह जो भी हो, उसके बारे में बात करनी है। कभी खुशी का मौका होता है या फिर मैं किसी अड़चन में होती हूं, सीधे उन्हें फोन लगाती हूं। मुझे लगता है कि उनसे बेहतर सलाह आपको कोई नहीं दे सकता है। बचपन में तो हम माता-पिता के निर्णयों को इसलिए मान लेते हैं कि हम उनसे प्यार करते हैं, उनकी इज्जत करते हैं। लेकिन जब बड़े होते हैं, तो यह समझ आता है कि प्यार और इज्जत तो होती ही है, लेकिन वह निर्णय भी बहुत सही होते हैं, क्योंकि वह उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर लिए होते हैं। श्रेया सात फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली फिल्म द मेहता ब्वायज में नजर आएंगी।

जो दिमाग से बंद होता है, वो रिटायर हो जाता है: परेश

सात सवाल

तीन दशकों से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे अभिनेता परेश रावल को नकारात्मक भूमिकाओं से लेकर कामेडी तक कई जानर में काम करने का मौका मिला है। उम्र को महज एक नंबर मानने वाले परेश हाल ही में डिज्नी प्लस हाटस्टार की फिल्म द स्टोरीटेलर में मुख्य भूमिका में नजर आए। आगामी दिनों में वह भूत बंगला, वेलकम टु द जंगल, थामा समेत कई फिल्मों से कामेडी की ओर लौटेंगे। उनसे बातचीत के अंश।

• आज के दौर में सत्यजित राय की कहानियों में फिल्ममेकर दिलचस्पी भी ले रहे हैं। क्या कारण लगता है?

-वह मानवीय कहानियां होती हैं, उसमें कमर्शियल तत्व नहीं होते हैं। उनकी कहानियों को पढ़कर आप बेहतर इंसान और जागरूक नागरिक बन सकते हैं। सत्यजित राय की कहानियों पर और फिल्में बननी चाहिए। हालांकि उस जमाने की समस्याएं अलग थीं। ऐसे में उनकी कहानियों का अडैप्टेशन जानकार लोगों को करना चाहिए।

• स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद है या नरेशन सुनना?

-मुझे स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद है। नरेशन तो कोई भी अच्छा कर लेता है। मैं थिएटर से हूं, तो मुझे स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ने की आदत है। कहानियों का वर्णन बहुत खूबसूरती से किया जा सकता है, लेकिन जब तक वह पेज पर पूरी तरह से प्रतिबिंबित न हो मुझे मजा नहीं आता। पहले बाउंड स्क्रिप्ट नहीं मिलती थी। यह तो अब आरंभ हुआ है वरना किसी होटल की लाबी में चाय पीते-पीते कहते थे, यह आइडिया है। सुनाने वाले को भी पता नहीं होता कि आगे चलकर उसे कैसे मोड़ देने वाले हैं। स्क्रिप्ट बदलती रहती थी।

• आप कई कामेडी फिल्में कर रहे हैं। आपके कामिक सेंस को सबसे पहले किसने पहचाना था?

-ऐसा किसी ने खास पहचाना नहीं है। मेरे नसीब में जो किरदार आते थे, उन्हें मैंने अपने तरीके से बेहतर बनाया। दर्शकों को बोलते सुनकर मुझे अच्छा लगता है कि मैं अच्छी कामेडी करता हूं। ऐसा नहीं है कि कामेडी के लिए अलग मसाला लगता है। जो चीजें अच्छी एक्टिंग के लिए चाहिए होती हैं, वही सब कामेडी में भी लागू होती हैं।

@disneyplushotstar

सुनकर अच्छा लगता है कि मैं अच्छी कामेडी करता हूं। ऐसा नहींहै कि कामेडी के लिए अलग मसाला लगता है। जो चीजें अच्छी एक्टिंग के लिए चाहिए होती हैं, वही सब कामेडी में भी लागू होती हैं।

• किरदार को लेकर कई चीजें सीखनी पड़ती हैं। कभी कुछ ऐसा रहा, जिसे याद रखना चाहा?

-द स्टोरीटेलर में मेरा पात्र बहुत टेढ़ा-मेढ़ा सा है, जो ज्यादा आलोचनाएं करता है। मैं चाहता हूं कि यह चीजें मेरे अंदर न रहे। (हंसते हुए) क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ अगर इंसान टेढ़ा-मेढ़ा हो जाए, तो सुहाता नहीं है। हालांकि उसकी जो अलर्टनेस (सजगता) है, उसने जिस तरह से बदला लिया है, वह सराहनीय है।

• क्या उम्र बढ़ने के साथ कोई डर भी बढ़ता है?

-नहीं। स्टार्स बूढ़े होते हैं, कैरेक्टर एक्टर्स तो मैच्योर होते हैं। मुझे कभी डर नहीं लगा। बढ़ती उम्र ही एक ऐसी चीज है, जो बिना प्रयास के आपको मिलती है।

• कलाकारों के लिए रिटायरमेंट की उम्र हो?

-बिल्कुल नहीं। जब तक आपके हाथ, पैर और दिमाग चल रहा है, तब तक नहीं। किसी की भी रिटायरमेंट की उम्र नहीं होती है। आप नौकरी कर रहे हैं, तो सेवानिवृत्त होने के बाद वो करना चाहेंगे, जो आपको जिंदगी भर करना था। जो दिमाग से बंद होता है, वो रिटायर हो जाता है।

(स्मिता श्रीवास्तव)

स्पिरिट के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं प्रभास

कबीर सिंह और एनिमल फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट की शूटिंग शुरू होने जा रही है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार प्रभास इस साल मई से स्पिरिट की शूटिंग शुरू करेंगे। संदीप ने फिल्म के लेखन पर काम लगभग पूरा कर लिया है। वह इसे अपने करियर की सबसे बड़ी कमर्शियल फिल्म बनाना चाहते हैं। इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म से उनकी योजना काप (पुलिस) जानर पर बनने वाली फिल्मों को एक नया अंदाज देने की है। प्रभास को इस फिल्म के लिए काफी मेहनत करनी पड़ रही है। संदीप उन्हें इस फिल्म में पुलिस अफसर के रोल में जिस तरह से देखना चाहते हैं, उसे हासिल करने के लिए प्रभास को जिम में पसीना बहाना पड़ रहा है। फिल्म में वह ईमानदार, लेकिन थोड़े से टेढ़े किस्म के पुलिस अफसर के रोल में होंगे। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद से शुरू होगी। वर्ष 2026 में फिल्म रिलीज होगी।

« स्पिरिट में ईमानदार पुलिस अफसर के रोल में होंगे प्रभास • मिडडे आर्काइव

****